{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 08 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 76
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

समर उर्फ समारू | शिल्पा नुप्पो | नवीन उर्फ हिड़मा | सुरेन्द्र उर्फ कबीर | जरीना उर्फ जोगी | विक्रम उर्फ हिड़मा बट्टी | लालसिंह मड़ावी | राकेश ओडी उर्फ मनीष | सालिता उर्फ सावित्री | जयसिला उर्फ ललिता

ऐतिहासिक आत्मसमर्पण — 10 हार्डकोर माओवादियो ने हथियार डाला

राष्ट्र में आस्था का नया सूर्योदय!!

हथियार छोड़ चुके नक्सलियों पर था 2 करोड़ 36 लाख का ईनाम

सिटी रिपोर्टर
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में वर्षों से सक्रिय नक्सलवाद अब अपने अंतिम दौर में पहुंचता दिखाई दे रहा है। 6 दिसंबर की रात जिले में वह ऐतिहासिक घटना हुई, जिसकी उम्मीद प्रशासन लंबे समय से कर रहा था। कान्हाङ्कभोरमदेव (केबी) डिविजन के 10 कुख्यात नक्सलियों ने अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इन सभी नक्सलियों ने पुलिस महानिरीक्षक संजय सिंह के सरकारी बंगले पहुंचकर आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 6 पुरुष और 4 महिलाएँ शामिल थीं। सबसे बड़ा नाम 62 लाख रुपये के इनामी नक्सली कबीर का है, जो केबी डिविजन का महत्वपूर्ण कमांडर माना जाता था। इन 10 नक्सलियों पर कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लागू नक्सली समर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियाँ इसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एक बड़ी सफलता के रूप में देख रही हैं।

प्रदेश में वर्षों से सक्रिय लाल आतंक को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार ने वर्ष 2026 तक नक्सलवाद मुक्त मध्यप्रदेश का लक्ष्य तय कर दिया है। इसी डेडलाइन के तहत पुलिस एवं विभिन्न सुरक्षा एजेंसियाँ जंगलों में विशेष अभियान चलाकर नक्सली गतिविधियों को समाप्त करने और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने में जुटी हैं। इसी अभियान का असर है कि हाल के दिनों में नक्सली लगातार अलग-अलग माध्यमों से मुख्यधारा में लौटने की इच्छा जाहिर कर रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व नक्सलियों ने एक ऑडियो-वीडियो संदेश जारी कर आत्मसमर्पण की

इच्छा जताई थी, जिसके बाद से अलग-अलग स्थानों पर आत्मसमर्पण की श्रृंखला शुरू हो गई। इसी क्रम में कुछ दिन पूर्व छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की सुनीता आयाम ने बालाघाट पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन ने भी नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील की, जिसका प्रभाव 6 दिसंबर की रात को बड़े पैमाने पर देखने को मिला। फॉरेस्ट गार्ड गुलाब उइके की मध्यस्थता से 10 नक्सलियों ने रात लगभग 11 बजे पुलिस महानिरीक्षक के बंगले पहुँचकर आत्मसमर्पण किया। इनमें सबसे प्रमुख नाम 62 लाख रुपये के इनामी नक्सली सुरेंद्र उर्फ कबीर का है, जो लंबे समय से केबी डिविजन में सक्रिय था। इनके साथ कई अन्य कुख्यात नक्सलियों ने भी हथियार डाल दिए।

मुख्यमंत्री के सामने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटे

आत्मसमर्पण के बाद 7 दिसंबर को पुलिस लाइन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में सभी नक्सलियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने औपचारिक रूप से अपने हथियार रखकर आत्मसमर्पण किया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि यह कार्रवाई नक्सल उन्मूलन के लिए चल रहे अभियान की बड़ी सफलता है और आने वाले समय में और अधिक नक्सलियों के आत्मसमर्पण की उम्मीद है।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी

सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाइयों के बीच केबी डिविजन के 10 नक्सलियों ने अपने पद और हथियारों सहित आत्मसमर्पण किया। सभी नक्सली लंबे समय से संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल रहे थे। जिसमे सुरेंद्र उर्फ कबीर उर्फ सोमा सोढी 50 वर्षीय ,एसजेटसी सचिव निवासी पुलमपाड़ थाना गुल्लापल्ली जिला सुकमा, वर्ष 1995 में नक्सली संगठन में शामिल हुआ था। वर्ष 2000 तक वह देवजी का बॉडीगार्ड रहा। 2000 से 2003 तक दण्डाकारण क्षेत्र में डीके प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया। वर्ष 2004 से दरभा डिविजन में सक्रिय रहने के बाद 2016 से एमएमसी जोन में मिलिट्री इन चीफ के रूप में काम कर रहा था। इन्होने हथियार ,च-47 रायफल, 54 राउंड, वाकीटॉकी सेट। राकेश ओडी उर्फ मनीष डीवीसीएम ,एसजेटसी सचिव 42 वर्षीय निवासी ग्राम झंडेपार (बोट्टेकसा) थाना कोरची जिला गडचिरौली (महाराष्ट्र), वर्ष 2002 में संगठन में शामिल हुआ था। वह कोरची, कुरखेडा, टांडा, दर्रेकसा व जीआरबी क्षेत्र में सक्रिय रहा। 2016 से एमएमसी जोन केबी में पदस्थ था। हथियार ,च-47 रायफल, 38 राउंड, वाकीटॉकी सेट। जरिना उर्फ जोगी मुसाक (एसीएम) मुरंगा निवासी जरिना वर्ष 2014 में नक्सली संगठन में शामिल हुई थी। छह माह जीआर डिविजन में रहने के बाद वर्ष 2015 में केबी में आई और 2016 से लगातार सक्रिय रही। नवीन नुप्पो उर्फ हिडमा (एसीएम) 30 वर्षीय निवासी बोडकेल (जगरगुंडा क्षेत्र) जिला सुकमा, वर्ष 2014 में संगठन में शामिल हुआ था। जगरकुंडा व जीआरबी डिविजन में सक्रिय रहने के बाद वह केबी में शामिल हुआ। हथियार सिंगल शॉट रायफल, 08 राउंड। सलीता उर्फ सावित्री (एसीएम) 26 वर्षीय निवासी सीनागेलोर थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर, 2017 में संगठन में शामिल हुई थी। जगरकुंडा और जीआरबी में सक्रिय रहने के पश्चात 2025 में केबी में पदस्थ हुई। हथियार स्र्क्र रायफल, 40 राउंड। जयशीला उर्फ ललिता ओयम (पीएम) 26 वर्षीय निवासी तरैम थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर, वर्ष 2022 में संगठन में शामिल हुई। एक वर्ष जगरकुंडा में रहने के बाद 2023 से केबी में सक्रिय थी। हथियार सिंगल शॉट रायफल, 23 राउंड। शिल्पा नुप्पो (पीएम) 26 वर्षीय, निवासी बुडिया बहुम थाना बासागुड़ा, वर्ष 2022 में पोमेट में भर्ती होकर संगठन में शामिल हुई थी। 2023 से केबी में सक्रिय थी। हथियार इंसास रायफल, 25 राउंड। समर उर्फ समारू उर्फ राजू अतरम (एसीएम) 32 वर्षीय, निवासी इंड्री तहसील बैरामगढ़ जिला बीजापुर, वर्ष 2011 में संगठन में भर्ती हुआ था। दक्षिण बस्तर बटालियन और 2015 से एमएमसी जोन में जीआरबी व केबी में काम करता रहा। हथियार 303 रायफल के 13 राउंड , लालसिंह मरावी उर्फ सींगा उर्फ प्रवीण (एसीएम) 30 वर्षीय निवासी छोटे गुडरा थाना कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा, वर्ष 2014 में संगठन में भर्ती हुआ। कटेकल्याण क्षेत्र में सक्रिय रहने के बाद 2016 से एमएमसी जोन केबी में कार्यरत था। हथियार इंसास रायफल, 29 राउंड। विक्रम उर्फ हिडमा वट्टी (एसीएम) 30 वर्षीय, निवासी मडपे दुल्लोड थाना चिंता गुफा जिला सुकमा, वर्ष 2019 में संगठन में शामिल हुआ था। पामेड एरिया में सक्रिय रहने और जोनल कम्युनिकेशन टीम में कार्य करने के बाद 2024 से एमएमसी जोन केबी में काम कर रहा था। हथियार सुरका सेल 07 नग के साथ आत्मसमर्पण किया हैं।

खास खबर

वांगचुक की याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली। जेल में बंद पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की याचिका पर यह सुनवाई होगी, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी गई है और इसे गैर-कानूनी और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया गया है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है। इससे पहले 29 अक्टूबर को, सुप्रीम कोर्ट ने अंगमो की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था।

गोवा के नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट, 25 मौतें

क्लब का मैनेजर गिरफ्तार; 4 टूरिस्ट समेत 18 लोगों के शवों की पहचान की गई

पणजी। गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट होने से 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हैं। मरने वालों में 4 टूरिस्ट और 14 स्टाफ शामिल हैं, जबकि 7 लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक क्लब में करीब 12 बजे सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। यह इतना जोरदार था कि कुछ ही मिनटों में आग पूरे क्लब में फैल गई। फायर ब्रिगेड ने काफी देर की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया।

घटना की सूचना मिलते ही सीएम प्रमोद सावंत और स्थानीय विधायक माइकल लोबो मौके पर पहुंचे। सीएम ने बताया कि 3 लोगों की मौत जलने और बाकी की मौत दम घुटने से हुई है। हादसे की पूरी

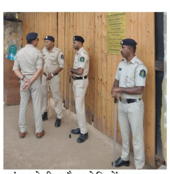

जांच होगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।शुरुआती जांच में सामने आया है कि क्लब में फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं किया गया था। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और फोरेंसिक टीम आग की असली वजह की जांच कर रही है। वहीं, प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को लिए 2 लाख रुपए और घायलों के लिए 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

रविवार को भी 650 उड़ानें रद्द, सरकार ने इंडिगो को नोटिस देकर पूछा-

आप पर कार्रवाई क्यों न की जाए?

नई दिल्ली । इंडिगो एयरलाइन में परिचालन संकट को दूर कर हालात सामान्य करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन संकट लगातार छठे दिन जारी है और रविवार को भी देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर 650 उड़ानें रद्द हुईं। इंडिगो में जारी संकट के चलते बीते छह दिनों में करीब 3000 उड़ानें रद्द हुई हैं, जिससे देश में हवाई यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और लाखों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सरकार ने इंडिगो के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की तैयारी कर ली है। वहीं इंडिगो में छाए ऑपरेशन संकट के रविवार शाम तक एयरलाइन ने यात्रियों को 610 करोड़ का रिफंड प्रोसेस किया है। इसके साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3 हजार से ज्यादा बैगेज भी लौटाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार शाम इसकी जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि रिफंड या री-बुकिंग पर एक्स्ट्रा पैसा नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की मदद के लिए स्पेशल सपोर्ट सेल बनाए गए हैं। इसके साथ ही इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशन में भी तेजी आई है। डोमेस्टिक फ्लाइट फुल कैपेसिटी के साथ उड़ान भ रही हैं। इंडिगो के सीईओ ने पीटर एल्बर्स ने बताया कि आज हम 138 में से 137 डेस्टिनेशंस पर 1650 फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं।

कुछ ना कहना

आत्मसमर्पण की इनसाईड स्टोरी

फॉरेस्ट गार्ड गुलाब उइके ने बताया - कलेक्टर मृणाल मीणा का नम्बर मांग रहे थे माओवादी!! तब नक्सलियों ने ही कलेक्टर का अपील वाला वीडियो भी दिखाया था!!

पद्मेश विशेष
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

7 दिसंबर को जिले में उस समय हलचल मच गई जब एक साथ 10 नक्सलियों के आत्मसमर्पण की खबर पूरे प्रदेश में फैल गई। इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, लेकिन इसके पीछे जिस व्यक्ति की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सामने आई, वह है वन विभाग का एक फॉरेस्ट गार्ड था । फॉरेस्ट गार्ड नक्सलियों और पुलिस के बीच मुख्य मध्यस्थ बना। नक्सलियों ने पहले छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने की इच्छा जताई थी, लेकिन फॉरेस्ट गार्ड की समझाइश और पहल पर वे मध्यप्रदेश में आत्मसमर्पण के लिए राज़ी हो गए। इसके बाद फॉरेस्ट गार्ड ने पुलिस कर्मियों के सहयोग से सभी 10 नक्सलियों को पुलिस महानिरीक्षक के बंगले तक सुरक्षित पहुँचाया। इस पूरे घटनाक्रम की पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने सराहना की और फॉरेस्ट गार्ड की इस पहल को बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक बताया। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रयास न केवल एक बड़ी सफलता है, बल्कि इलाके में नक्सल गतिविधियों के विरुद्ध एक सकारात्मक संदेश भी देता है।

पुलिस महानिरीक्षक के बंगले में 10 नक्सलियों के आत्मसमर्पण की बड़ी कार्रवाई के बाद जब इसकी पृष्ठभूमि की जानकारी ली गयी, तो एक चौंकाने वाली और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। खापाङ्कमुक्की परिक्षेत्र में पदस्थ वन विभाग का एक बीट गार्ड गुलाब उईके , जो अपने विभागीय कार्यों के लिए लगातार क्षेत्र में भ्रमण करता है, इस आत्मसमर्पण की प्रक्रिया का सबसे अहम सेतु बना। बीट गार्ड गुलाब उईके ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों की आवाजाही रहती है और वे समय समय पर उससे संपर्क भी करते हैं, लेकिन कभी नुकसान नहीं पहुँचाते। कुछ दिनों पहले जब वह अपने नियमित कार्य पर थे , तभी तीन लोग उसे जंगल के भीतर बुलाकर ले गए। वहाँ उन्होंने खुद को नक्सली बताते हुए कहा कि वे छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, और उसे उनसे उन्हें छत्तीसगढ़ के एक थाने में छोड़ने का अनुरोध किया। गुलाब ने छत्तीसगढ़ ले जाने से साफ इनकार किया और कहा कि वह उन्हें सिर्फ बालाघाट या मंडला

जिले में ही ले जा सकता है, क्योंकि वही उसका कार्यक्षेत्र है। यह सुनकर नक्सलियों ने एक वीडियो दिखाया, जिसमें बालाघाट कलेक्टर श्री मीणा द्वारा नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई थी। वीडियो देखने के बाद नक्सलियों ने गुलाब से कलेक्टर का नंबर देने को कहा, लेकिन बीट गार्ड ने बताया कि उसके पास नंबर उपलब्ध नहीं है। इसके बाद नक्सलियों ने गुलाब से कहा कि वह व्यवस्था कर उन्हें बालाघाट ले जाए, ताकि वे आत्मसमर्पण कर सकें। फिर, गुलाब ने पुलिस के एक हाफफोर्स जवान से संपर्क कर वाहन की व्यवस्था कराई। शनिवार शाम लगभग 6-30 बजे गुलाब, पुलिसकर्मी और बोलेरो वाहन के माध्यम से सभी नक्सलियों को लेकर पुलिस महानिरीक्षक के बंगले पहुँचा। वहीं पर सभी नक्सलियों ने औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण किया, जिसे पुलिस अधिकारियों ने एक बड़ी सफलता माना।

2 साल पहले भी संपर्क में आए थे नक्सली

बीट गार्ड गुलाब ने बताया कि वे वन परिक्षेत्र खापा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। लगभग दो से तीन वर्ष पहले भी नक्सलियों ने उनसे संपर्क किया था। तब नक्सली समयङ्कसमय पर उनसे बातचीत करते थे और स्थानीय खाद्य सामग्री, जैसे चावल एवं अन्य जरूरी सामान लेते थे। हालांकि उन्होंने कभी बीट गार्ड पर दबाव नहीं बनाया और न ही किसी तरह का नुकसान पहुँचाया।

हथियारबंद नक्सलियों से मिलने पर डर गए थे बीट गार्ड

गुलाब ने बताया कि जब इस बार 10 हथियारबंद नक्सली उनसे मिलने पहुंचे, तो वे घबरा गए थे। उन्हें आशंका थी कि कहीं कोई अप्रिय घटना न हो जाए। लेकिन नक्सलियों ने उनसे किसी भी तरह की हानि नहीं पहुँचाई। नक्सलियों ने उनसे बालाघाट पहुँचाने का आग्रह किया, जिसके बाद वे बैगा टोला से 6 दिसंबर की शाम 6-30 बजे बोलेरो वाहन में बालाघाट के लिए रवाना हुए।

कलेक्टर का नंबर मांग रहे थे नक्सली

गुलाब ने बताया कि नक्सली पहले छत्तीसगढ़ के किसी थाने में आत्मसमर्पण करना चाहते थे। लेकिन जब गुलाब ने उन्हें छत्तीसगढ़ ले जाने से मना किया, तब नक्सलियों ने एक वीडियो दिखाया, जिसमें बालाघाट कलेक्टर श्री मीणा नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील कर रहे थे। वीडियो देखने के बाद नक्सलियों ने गुलाब से कलेक्टर का फोन नंबर मांगा, हालांकि बीट गार्ड के पास वह उपलब्ध नहीं था। इसके बाद नक्सलियों ने बालाघाट में आत्मसमर्पण करने का फैसला किया।

बालाघाट जिले में माओवादियों का इतिहास

बम बारूदी सुरंगों के विस्फोट गूंजते रहे हैं !!

बालाघाट में बारूदी सुरंग विस्फोटकों का लम्बा इतिहास रहा है मुकेश गुप्ता ने माओवादियों की कमर तोड़ी थी

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज ।बालाघाट।

सतपुडा के वनांचल की सुरम्य पहाडियों के बीच बसे बालाघाट जिले के शांत वातावरण में 1990के दशक से लेकर अब तक बंदूक और स्टेनगनों की गोलियों और बम बारूदी सुरंगो के विस्फ़ोट गूंजने लगे है। जिले की सीमा रेखा जो म.प्र. के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के भंडारा जिलो से लगी हुई है, तब से नक्सलवादियो की प्रमुख गतिविधियों का गढ़ बनते रही है.जिले में नक्सलियों के प्रवेश के संबंध में 1989 में ही जिला प्रशासन एवं सरकार का ध्यान आकर्षित कराया गया था किन्तु तब जिला प्रशासन ने इस बात से इंकार किया था कि इस जिले में नक्सली प्रवेश कर चुके है. और वे किसी प्रकार की गतिविधियों में लिप्त है।

अदिवासी बाहुल्य जिला बालाघाट के वन ग्रामों के सर्वे दल के दौर से यहां के आदिवासी बनवासी समूह के संबंध में कई नई जानकारियां उपलब्ध हुई है। मसलन, प्रदेश में रह रहे आदिवासियों के बीच की बैगा जाति जिसे आदिवासी समाज में अत्यंत पिछडी जाति के रूप में जाना जाता है, उस बैगा जाति के 27प्रतिशत लोग बालाघाट जिले में विकास के सबसे करीब है। वहीं आदिवासी समूह की एक जाति जो प्रधान नाम से जानी जाती है वह इस आदिवासी बाहुल्य जिले में खेतों से जुडी है। सर्वे के दौरान यह ज्ञात हुआ था कि आदिवासी जन्म दर पर नियंत्रण रखने के इस कारण से हिचक रहे है. कि कहीं दवा के प्रभाव में उनकी वंश संख्या कम न हो जाये। जबकि कोई भी पढ़ा लिखा तबका इस बात के लिये आदिवासियों के लिये मध्य व्याप्त अशिक्षा को ही जिम्मेदार ठहराता है जो कि सर्वे के अध्ययन के मुताबिक पूर्णत- गलत सिद्ध हुआ है। जिले के सालेटेकरी, मधुरदा, रघोली, कोपेभाटा के वनवासी स्वास्थ्य सुविधा और सरकार द्वारा चलायी जा रही।

विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित होने के कारण अत्यन्त नारकीय हालत में जिले के लिये मजबूर रहे हैं । यही हाल बैहर विकासखंड के अन्य दूरस्थ ग्रामो का था जहां पर आज भी आदिवासी इस तरह दोपहर में महुआ की शराब पी कर बेहोशी में नंगे पडे रहते है, जिन्हे दूर से देखकर ऐसा लगता है जैसे धूप में कपडा की तरह चमडा सूख रहा हो। वनवासी बाहुल्य ग्राम के दौरे के समय एक आश्चर्य जनक तथ्य यह सामने आया कि आदिवासी युवक और युवतियां एक दूसरे के साथ अर्धनग्न रहने के बाद भी मर्यादित रहन-सहन ही सहज जिन्दगी जीते है. इसका मुख्य कारण यह है कि उनका सहज और स्वछन्द प्रवृति का होना है। इससे यह तथ्य भी पुख्ता हो जाता है कि वनवासी समूह संस्कृति की रक्षा के प्रति कितने संवेदनशील है. यह भी शोध का विषय है कि आदिवासी समाज में आदिवासी युवती के साथ छेडखानी के मामले कितने हुये है? जब सूत्रो ने इस मामले को तलाशा तब यह बात उजागर हुई कि आदिवासी युवती के साथ छेडखानी करने के मामले या तो गैर आदिवासी व्यक्ति से या शहरी क्षेत्र के निवासी से संबंधित होते है. जिसका मुख्य तौर पर आम आदमी का मानव के स्वच्छंद प्राकृतिक रूप से कटा होना है जबकि आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में फैल रहे नक्सलवाद के संबंध में भी कई अन्य आश्चर्यजनक तथ्य सामने आये थे.वनवासी बेरोजगार युवक जो शहरी सभ्यता के अभाव में जीवन को सुख सुविधा पूर्ण बनाने के लिये ही नक्सलवाद से जुडे रहे है न किसी खास मिशन के तहत वनवासियों के बीच में सरकारी मिशनरी की संवादहीनता के कारण मुख्य रूप से नक्सलवाद की जडे जिले में गहराती गयी.वहीं बडे पैमाने पर पता करने पर यह ज्ञात हुआ कि आदिवासी युवक अनजाने में नक्सलवाद से जुडे लोगो द्वारा छोटी मोटी जरूरत की चीजो की पूर्ति किये जाने के कारण उनके छलावे में आते गए।

बालाघाट में मलाजखंड दलम, परसवाडा दलम और टाडा दलम सक्रिय रहें हैं

सतपुडा के वनांचल की सुरम्य पहाडियों के बीच बसे बालाघाट जिले के शांत वातावरण में अब बंदुक और स्टेनगनो की गोलियों और बम बारूदी सुरंगो के विस्फोट गूंजने लगे है जिले की सीमा रेखा जो म.प्र. के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के भंडारा जिलो से लगी हुई है अब नक्सलवादियो की प्रमुख गतिविधियों का गढ़ बनते जा रही है जिले में नक्सलियों के प्रवेश के संबंध में 1989 में ही जिला प्रशासन एवं सरकार का ध्यान आकर्षित कराया गया था किन्तु तब जिला प्रशासन ने इस बात से इंकार किया था कि इस जिले में नक्सली प्रवेश कर चुके है और वे किसी प्रकार की गतिविधियों में लिप्त है जुलाई 89 से जुलाई 91 आते आज यह स्थिति है कि 9 पुलिस जवानों के विस्फोटों में मारे जाने के बाद जबलपुर रेंज के डी. आई.जी. विनय अग्निहोत्री ने चर्चा करते हुये इस बात को स्वीकारा कि नक्सली समस्या से निपटने के लिये इस क्षेत्र में 9 से 10 कम्पनियों की आवश्यकता है जबकि वर्तमान में केवल 4 कम्पनियों की आवश्यकता है जबकि वर्तमान में केवल 4 कम्पनियों ही तैनात है जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच पहली मुठभेड 8 जनवरी 90 को मुरकुटा में हुई थी इसके बाद भी अनेक वन कर्मचारियों की पिटाई करने के बजाय सक्षम कार्यवाही के अभाव में नक्सलियों को यहां स्थापित होने का पर्याप्त अवसर दिया।

जिले में 16 जुलाई 1991 में घटित घटना में उजागर तथ्यों से भी यही बात स्पष्ट होती है कि पुलिस ने नक्सलियों से निपटने में लापरवाही बरती और 9 पुलिस जवानो को मौत के घाट उतरना पड़ा.जिले की लांजी तहसील के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों का केन्द्र रहा है.विगत 15 जुलाई को भिलाई से लांजी आ रहे ट्रक एम.पी. जी.8495 को लांजी से 25 कि.मी. दूरी पर नक्सलियों ने रोककर आग लगा दी नक्सलियों की संख्या 5 थी.जिसमें 4 पुरूष और 1 महिला थी.यह घटना भी घाघरा के पास ही पटित हुई नक्सलियों ने ट्रक में सवार लोगो को किसी प्रकार का नुकसान नही पहुंचाया तथा उन्हें छोड दिया.लांजी थाने में नक्सलियों द्वारा ट्रक जलाये जाने की सूचना प्राप्त होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई पुलिस ने रात्रि में ही एम्बुश लगाया तथा नक्सलियों के भागने के संभावित स्थानों का पता लगाने की कार्यवाही की गई.16 जुलाई को सुबह अतिरिक्त बल के लांजी पहुंचने के उपरान्त एस.ए. एफ. तथा डी.ई.एफ. तथा डी.ई. एफ. के बल के पटना स्थल पर प्रात: 10 बजे पहुंचे थे।

इधर मध्यप्रदेश के नक्सली प्रभावित जिलो बालाघाट, मंडला और छत्तीसगढ़ के बस्तर, राजनांदगांव में नक्सलियों के खिलाफ चलाये गये अभियान की दृष्टि में बीता वर्ष उल्लेखनीय रहने का दावा करते हुये पुलिस ने आने वाले समय में राज्य को इस समस्या से मुक्ति दिलान हेतु विशेष कार्ययोजना भी तैयार की है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार नक्सली विराधी कार्ययोजना के लिये 1911 में चार करोड रुपये और 1992 में तीन करोड रूपये की राशि राज्य शासन ने स्वीकृत की थी। अभियान के तहत पुलिस की कार्यवाहिया से एक ओर जहा पुलिस का मनोबल बड़ा है वही न्क्सलियों में हताशा और बिखराव की स्थिति पैदा हुई है और अब तो नक्सली आत्मसमर्पण भी करने लगे है। नक्सली विरोधी गतिविधिया का अजाम देने के लिए राजनांदगांव में पुलिस की उल्लेखनीय उपब्धियों में उत्तरी बस्तर के अब तक के सबसे सक्रिय और दुर्दान्त नक्सली गिरोह केसकाल दलम के मुखिया अजीत उर्फ कोसन्ना को मार गिराया जाना भी शामिल है, जिसके बाद से नक्सलियों में हडकम्प मच गया है और कई लोगों ने अब इस दलम से नाता तोड लिया है।

प्रवक्ता के अनुसार वर्ष 1992 में राज्य पुलिस को नक्सलवाद विरोधी अभियान में गत वर्ष की अपेक्षा आशातीत सफलताएं प्राप्त हुई है। गत वर्ष जहां नक्सली पुलिस मुठभेड से बचते रहे वहीं इस वर्ष पुलिस द्वारा नक्सलियों में सफल मुठभेडे ली गई। इन मुठभेड़ों के तहत 22 अप्रैल को सोधनडोगरी जिला बालाघाट में जयपाल सिंह टेकाम दलम के इनामी नक्सली गणेश कुम्हारे उर्फ सीताराम, निवासी महाराष्ट्र को धराशाही किया गया, और उसके पास से बंदक एवं भारी मात्रा में नगद राशि एवं नक्सली साहित्य बरामद किया गया। 10 जून को ग्राम नुकुनपाल एवं इसुलनार में मध्य जिला दंतेवाडा में मुददे दत्तम क इनामी नक्सलवादी कुमरन्ना एवं बालम लच्छा का धराशाही किया गया एवं उनके पास से 303 बोरे रात्रफल तथा 315 चोर रावफल मय कारतूस के जप्त की गयी।

प्रवक्ता के अनुसार 14 अक्टूबर को बस्तर के कोसरंडा एवं गढ़पारा के जंगलों के मध्य भानुप्रतापपुर दलम के इनामी नक्सली सुखराम सहदेव को धराशाही कर उसके कब्जे से दो नग 12 बोर बंदूके कारतूस बारूदी सुरंग लगाने का सामान, डिटोनेटर इत्यादि बरामद किया गया तथा दिनांक 24 नवम्बर को जिला बस्तर के ग्राम एकडा के जंगल में कोकाल दलम के ईनामी नक्सली व दलम उप कमांडर श्रीनिवास अजीत उर्फ कोसन्ना को धराशाही कर उसके कब्जे से 12 बोर की एक दनाली चंदक तथा कारतूस इत्यादि जप्त किये गये। आंध्रप्रदेश निवासी श्रीनिवास बारूदी सुरंग लगाने का विशेषज्ञ था और वह अनेक गंभीर अपराध घटित कर चुका था वह केसकाल दलम का नेतृत्व कर रहा था। इसकी मौत से नक्सलियों में काफी हताशा दिखाई दी है।

गत वर्षों में कुल 15 सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता पायी है जिसमें चार महिला नक्सली सदस्य सोनी नंदे उर्फ देवे ताडक्का बलाडीला दलम गिरजाबाई उर्फ पार्वती तथा हिड्यामी मनी उर्फ सोनीतक्का पदमा उर्फ कुतो सरम्य जयपाल सिंह टेकाम दलम भी है। गिरप्तार शुदा नक्सलियों में सक्रिय शंकर उर्फ शंकरदादा निवासी चंद्रपुर महाराष्ट्र भी सम्मिलित है जो कि बालाघाट में सक्रिय दलम का मुखिया था इसके अलावा पवन मलावी निवासी करीमनगर आंध्रप्रदेश जा कि स्वतंत्र रूप से नक्सली दलम का संचालन कर रहा था और म.प्र. एवं महाराष्ट्र में सक्रिय था, भी गिरप्तार शुदा नक्सलियों में शामिल है।

प्रवक्ता के अनुसार पुलिस ने लगातार बनांच्छादित नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के भीतरी अंचलों में दबिश देकर नक्सलियों के गुप्त स्थान पर पता लगाते हुये वहां से काफी मात्रा में हथियार गोला बारूद बिसक्र पेट सामग्री इत्यादि जप्त कर नक्सलवादियों की कमर तोडने में भी कामयाबी हासिल की है। इस वर्ष से जप्तशुदा सामग्री में एक स्टेनगन 85 बंदूके नौ पिस्तौल 27 हैंड ग्रेनेड 55 हथगोले 1724 कारतूस तथा बारूदी सुरंग बनाने की सामग्री 35 नग बारूदी सुरंग की छडे 57डिटोनेटर के साथ साथ लगभग 22 हजार रूपये नगद बरामद किये। इसके अतिरिक्त मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों यूनिफार्म, दूरबीन फार्ट एड बाक्स, दैनिक उपयोग की सामग्री इत्यादि भी जप्त की गयी।

अब तक नक्सलवादियों ने घात लगाकर 20 मई को ग्राम बांगोली, जिला बस्तर में 16 जुलाई को ग्राम सीतापाला जिला चालाघाट में एवं 26 अगस्त में कुल एक घटना चार जून को पटित हुई जिसमें पुलिस को ग्राम आसिरगुडा के पास जिला दंतेवाडा में पुलिस पर हमला किया था जिसमें कुल 24 पुलिस कर्मियों एवं अन्य शासकीय सेवको की मृत्यु हुई. इस प्रकार बारूदी सुरंग की घटनाओ में तीन के मुकाबले एक की कमी इस वर्ष परिलक्षित हुई।

प्रवक्ता के अनुसार तीन वर्षीय तुलनात्मक अपराधिक आंकडों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि बस्तर में गत वर्ष घटित कुल तीस अपराधों के विपरित इस वर्ष कुल 22 अपराध हुये है तथा दंतेवाडा में गत वर्ष पटित 44 अपराधो की अपेक्षा इस वर्ष कुल 31 अपराध पटित हुये है। मंडला व व राजनांदगांव में एक भी अपराध पटित नहीं हुआ है। इस वर्ष की अपेक्षा वृद्धि हुई है किन्तु बालाघाट जिले में ही पुलिस सक्रियता के फलस्वरूप तीन विभिन्न स्थानो पर पुलिस ने सफल मुठभेड भी की है और कुख्यात नक्सली गणेश कुम्हारे को मार गिराने में सफलता पायी है।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक देश में सक्रिय कुछ नक्सलवादी-गुटों के पाकिस्तानी खुपिया एजेंसी-आई.एस. आई. के साथ घनिष्ठ संबंध है। । ऐसे गुटों में पीपुल्सवार ग्रुप और एम.सी.सी. प्रमुख है। मंत्रालय ने वाम उग्रवाद से प्रभावित राज्यों की अनुशंसा पर ऐसे तमाम इलाकों में हवाई-सर्वेक्षण कराने का फैसला लिया है, जंहा नक्सलवादियों के अड्डे या ट्रेनिंग कैम्प अवस्थित है। हवाई-सर्वेक्षण में आधुनिक कैमरायुक्त विमानों का उपयोग किया जाएगा। सरकार इसके लिए मानव रहित विमानों का भी उपयोग कर सकती है। वाम उग्रवाद प्रभावित राज्यों के समन्वय केन्द्र की छठी बैठक के बाद केन्द्रीय गृह सचिव इस आश्य की घोषणा की। समन्वय केन्द्र के सदस्य राज्य है, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उडीसा। एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि पीपुल्सवार और एम. सी.सी. जैसे जिन नक्सलवादी गुटों के आई. एस. आई. से रिश्तों का सरकार के पास पुख्ता प्रमाण है, वे भारत नेपाल सीमा के इर्द गिर्द सक्रिय है। 2000 के दो वर्षों के दौरान इन गुटों के आई. एस. आई. संपकों का तेजी से खुलासा हुआ है।

बालाघाट में 90 के दशक में माओवादियों की दस्तक

बालाघाट जिले में नक्सलवादियों ने जनवरी 1990 में दस्तक दी। इस तरह जिले की पुलिस और नक्सलवादियों के मध्य पहली मुठभेड 8 जनवरी 1990 को पाथरी पुलिस चौकी के मुरकुटा ग्राम के जंगल में हुई, जिसका नेतृत्व तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ए. के. श्रीवास्तव ने किया था। इस मुठभेड में किसी पुलिस कर्मी या नक्सलवादी की मृत्यु नहीं हुई थी। नक्सलियों ने अपनी उस समय की सबसे बड़ी कार्यवाही 16 जुलाई को किया था। जिसमें उन्होने बारूदी सुरंग के जरिये ब्लास्टिंग करके एक पुलिस वाहन को उड़ा दिया था जिससे वाहन में सवार 22 पुलिस कर्मियों में से 9 पुलिस कर्मी मारे गए थे तथा 13 घायल हो गए थे इस घटना में अर्जुन मर्सकोले नामक नक्सलवादी भी मारा गया था, इस घटना से पुलिस अधीक्षक ए. के. श्रीवास्तव असहाय हो गए थे पुलिस दल पर नक्सलवादियों द्वारा घात लगाकर की गई कार्यवाही से पुलिस दल का मनोबल काफी टूट गया था, क्योकि इतनी बडी संख्या में इससे पूर्व कभी भी पुलिस कर्मी नहीं मारे गए थे। इसी बीच जिले से पुलिस अधीक्षक ए. के. श्रीवास्तव का ट्रांसफर हो गया श्रीवास्तव के स्थान पर युवा पुलिस अधीक्षक आलोक पटेरिया ने नक्सललियों के विरुद कमान सम्ब्लाला। श्री पटेरिया के नेतृत्व में एस.डी. ओ.पी. वारासिवनी भगवान सिंह चौहान एव तत्कालीन थाना प्रभारी किरनापुर सलीम खां ने लांजी थानान्तर्गत सोधना डोगरी के जंगल में 22 अप्रैल को जयपाल सिंह टेकाम दलम के एक प्रमुख सदस्य गणेश कुमरे को मार गिराया। गणेश की मौत से बौखलाये नक्सलियों न इस दौरान अनेक हत्याएं कर डाली। नक्सलियों ने वर्ष 1992 में धीरी मुरूम के जंगल में वन कमी इन्दुरकर नवपाल, सुंदर वाही सोनगुड्डा ग्राम के किसान झाडूनाथ गोसाई, कृपाल सोनेवानी में कोटवार ज्ञानदास और चंगेरा किरनापुर थाना के टीकू पटेल की हत्या कर दी। इस दौरान पुलिस भी अपना जाल बिछाने के लिए ताना बाना बुनते रही।

पुलिस अधीक्षक श्री पटेरिया ने नक्सलवादियों के विरूद्ध एक सफल अभियान चलाया। श्री पटेरिया ने अपने अभियान के दौरान नागरिकों ग्रामीणों और पत्रकारों की टोली के साथ जिले के सभी नक्सली प्रभावित क्षेत्रों की पदयात्रा की। श्री पटेरिया की पदयात्रा से ग्रामीणों में एक नई चेतना का संचार हुआ, गणेश कुमरे को मार गिराने और एस. पी. पटेरिया की पदयात्रा ने पुलिस जवानों में भी जोश जगाया। श्री पटेरिया ने अपनी नक्सली विरोधी योजना को अंजाम नहीं दे सकें क्योंकि इसी दौरान श्री पटेरिया का स्थानांतरण हो गया।

श्री पटेरिया के स्थान पर साहसी पुलिस अधीक्षक मुकेश गुप्ता ने पदभार सम्हाला.श्री गुप्ता अपनी धुन के पक्के थे.वे क्राइम का काम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.एस. साकेत को सौप कर सिर्फ नक्सलाईट अभियान में लगे रहे। लोगों ने श्री गुप्त के बारे में यह भी टिप्पणी की थी कि एस.पी. मुकेश गुप्ता को रात का सात समय सपने में नक्सलाईट ही दिखाई देते थे।

उधर नक्सलाइट एक के बाद ग्रामीणों की हत्या करते रहे और उधर एस.पी. मुकेश गुप्ता अपना चक्रव्यूह तैयार करते रहे.जब मुकेश गुप्ता कि पूरी योजना तैयार हो गई तब उन्होंने नक्सलियों को 3 मई 1994 को मण्डवा के जंगलों में घेर लिया. इस मुठभेड में पुलिस ने श्री गुप्ता के मागदर्शन में जयपाल सिंह टेकाम दलम के चार सदस्यों को मार गिराया जिनमें आजाद उईके, सुखलाल एंव विनय मर्मकोले सभी आंध्रप्रदेश एवं बालाघाट जिले के डोरा (मुंडेरी) की सागन बाई शामिल थी। मुकेश गुप्ता चार नक्सलियों को मार कर निश्चित हो गए थे कि अब नक्सलवादियों की कमर टूट गई है। पुलिस कर्मी भी पनी सफलता पर प्रफुलित थे पुलिस प्रशासन ने मुठभेड में शामिल सभी पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया, लेकिन पुलिस की यह खुशी क्षणिक रहीं। चंद दिनों बाद ही उनकी आंखों से अश्रुधारा फूट पडी। माओवादी अपने चार साथियों की मौत का बदला चुकाने और पुलिस को ईट का जवाब पत्थर से देने के लिए बेताब हो उठे। उन्होंने घोषणा कर दी कि पुलिस ने हमारे चार साथियों की हत्या की है हम चार के बदले चार गुना पुलिस कर्मियों को मार कर अपने साथियों की मौत का बदला लेगें। पुलिस ने नक्सलियों की इस चुनौती को हल्के से लिया और उसका परिणाम भुगतना पडा. एस.पी. मुकेश गुप्ता सोच रहे थे कि चार नक्सलियां के मारे जाने के बाद नक्सली गैंग कमजोर हो गई है, अब वे शीघ्र कोई घटना को अजाम नहीं देंगे लेकिन मुकेश गुप्ता यही चूक गए उनकी जरा सी लापरवाही ने 16 पुलिस कर्मियों की जान ले ली ।

नक्सलियों ने अपनी कार्यवाही को अंजाम देने के लिए नारंगी (उकवा रूपझर) ग्राम के नाले को चुना। पुलिस इस नाले की पुलिया से रूपझर थाना से जंगल में बनी पुलिस चौकियों में राशन आदि पहुंचाने जाया करती थी। नक्सलियों को मालूम था कि पुलिस आज नहीं तो कल इस मार्ग से जरूर गुजरेगी। इसलिए उन्होंने 30 जुलाई 1994 को नारंगी ग्राम के नारंगी नाला में बारूद बिछाया और जैसे ही 30 जुलाई को पुलिस बल इस मार्ग से गुजरा, नक्सलियों ने बारूदी सुरंग को रिमोट कंट्रोल के द्वारा उडा दिया जिसमें 16 पुलिस जवानों के चिथडे उड गए। इस घटना में एक मात्र पुलिस कर्मी प्रशांत कतलम एस. आई. घायलावस्था में जिंदा रह गए थे।

नक्सलवादियों द्वारा की गई इस वारदात ने समूचे म.प्र. शासन को हिला कर रख दिया, क्योंकि इतनी बडी संख्या में कही भी पुलिस बल के जवान नही शहीद हुए थे। एस.पी. मुकेश गुप्ता को जवाब देते नहीं बना.उनके द्वारा पूर्व में किये गए सभी सफल मूठमेड असफलता में बदल गए। फि र भी उन्होने हार नहीं मानी। अपनी नक्सली विरोधी गतिविधियों को और तेज कर दिया.उन्होंने कई बार नक्सलियों के दल पर घात लगाये किंतु नक्सली हर बार एस.पी. को चकमा देकर निकल गए। एस.पी. मुकेश गुप्ता को एक और सफलता तब मिली जब उन्होने लांजी थाना के धिरी मुरूम के जंगल में सुनील मरकामदलम,देवरी दलम और दरेकसा दलम के चार नक्सलवादियों का सफाया कर दिया। मुकेश गुप्ता को मुखबिरों से यह जानकारी मिली कि 22 मार्च 1996 को नक्सलवादियों द्वारा घीरी मुरूम के जंगल की घाटी में एक सम्मेलन करने जा रहे है। श्री गुप्ता ने इस संबंध में महाराष्ट्र की भंडारा पुलिस को सूचित किया और बालाघाट,भंडारा की संयुक्त पुलिस टुकडी ने धीरी मुरूम के जंगल में 22 मार्च 96 को घात लगाई। लगभग 40-50 नक्सलवादियों में से प्राय: सभी नक्सलवादी जंगल की बनी झाडियों का सहारा लेकर फरार हो गए, किंतु इनमें चार सदस्य जिनमें तीन महिला और एक पुरुष शामिल था पुलिस की गोली के शिकार हो गए मरने वालों में ज्योति एंव ललिता (गडचिरोली), संतोष (आंध्रप्रदेश) तथा प्रमिला राशिमेटा (बालाघाट) शामिल थे, मारे गए थे। यह क्रम बाद के वर्षों में लगातार जारी रहा।

2020 से 2025 तक माओवादी वारदातें

1. 17 सितंबर 2022-मलाजखंड थाना अंतर्गत बांधाटोला समनापुर जंगल क्षेत्र में 14 लाख के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ सुकमा के गादीरथ थाना अंतर्गत बड़ी मुरकी निवासी बादल उर्फ कोसा उर्फ कोशन मड़ावी को गिरफ्तार किया। जिस पर 14 लाख का ईनाम था।

2. 6 नवंबर 2020 बैहर थाना क्षेत्र के मालखेड़ी जंगल में 14 लाख के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ बीजापुर के पश्चिम बस्तर निवासी 25 वर्षीय शारदा उर्फ पुज्जे को मार गिराया।

3. 11 दिसंबर 2020-किरनापुर थाना अंतर्गत बोरवन-सिरका के जंगल क्षेत्र में 14 लाख की इनामी नक्सली महाराष्ट्र के गढ़चिरौली निवासी 30 वर्षीय शोभा पति उमेश गावडे को मार गिराया।

4. 12 दिसंबर 2020-किरनापुर थाना अंतर्गत बोरवन-सिरका के जंगल क्षेत्र में 14 लाख की ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ क्षेत्र के बस्तर अंतर्गत गंगालूर निवासी सावित्री उर्फ आयते को मार गिराया।

5. 08 मार्च 2021- लांजी क्षेत्र के देवरबेली चौकी अंतर्गत मलकुंआ के जंगली क्षेत्र 14 लाख के ईनामी नक्सली महाराष्ट्र गढ़चिरौली अंर्तत कटेझरी निवासी 55 वर्षीय श्यामलाल उर्फ मोतीराम सनकु जांगधुर्वे को गिरफ्तार किया गया।

6. 10 अगस्त 2021-बिरसा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जैरासी जंगल क्षेत्र में 14 लाख के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ के दंतेवाढ़ा अंतर्गत बैंगुर निवासी संदीप कुंजाम उर्फ लख्खु कुंजाम को गिरफ्तार किया गया।

7. 20 जून 2022- बहेला क्षेत्र अंतर्गत खराडी के जंगल में 29 लाख के ईनामी नक्सली महाराष्ट्र गढ़चिरौली के बोट्ेझरी निवासी नागेश उर्फ नागेश्वर उर्फ राजु तुलावी को मार गिराया गया।

8. 20 जून 2022-बहेला थाना क्षेत्र अंतर्गत खराढ़ी जंगल क्षेत्र में 14 लाख के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ बीजापुर के गंगालूर थाना अंतर्गत गोटपल्ली निवासी 23 वर्षीय मनोज डोडडी पिता स्व. लखमा डोडडी को मार गिराया।

9. 20 जून 2022-बहेला थाना क्षेत्र अंतर्गत खराडी जंगल क्षेत्र में 14 की ईनामी महिला नक्सली छत्तीसगढ़ के बीजापुर के थाना तर्रेम अंतर्गत कोरसागुडेम निवासी 24 वर्षीय रामे पिता आयतु पुनेम को मार गिराया गया।

10. 30 नवंबर 2022-गढ़ी थाना अंतर्गत सूपखार वन क्षेत्र के जामसेहरा वन चौकी में 29 लाख के ईनामी नक्सली महाराष्ट्र गढ़चिरौली के नयनगुढ़ा निवासी 27 वर्षीय गणेश को मार गिराया।

11. 30 नवंबर 2022-गढ़ी थाना अंतर्गत सूपखार वन क्षेत्र के जामसेहरा वन चौकी में 20 लाख का ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ सुकमा के भेज्जी थाना अंतर्गत पालगुडेम निवासी राजेश उर्फ वंदा वंजाम को मार गिराया।

12. 18 दिसंबर 2022-मलाजखंड थाना अंतर्गत पाथरी चौकी के हर्राटोला जंगल क्षेत्र में 14 लाख के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ सुकमा के जगरगुंडा थाना अंतर्गत टेकलगुडेम निवासी रूपेश उर्फ हुंगा डोडी को मार गिराया गया।

13. 22 अप्रैल 2023-गढ़ी थाना अंतर्गत कदला के जंगल में 14 लाख की ईनामी महिला नक्सली छत्तीसगढ़ सुकमा के जगरगुंडा थाना अंतर्गत नागराम निवासी सुनीता उर्फ सोमडी मांडवी को मार गिराया गया।

14. 22 अप्रैल 2023 – गढ़ी थाना अंतर्गत कदला जंगल क्षेत्र में 14 लाख की ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ सुकमा के चिंतलनार थाना अंतर्गत जोनागुडेम निवासी सरिता उर्फ बिज्जे को मार गिराया गया।

15. 29 सितंबर 2023-रूपझर थाना अंतर्गत सोनगुड्डा चौकी के कुंदुल-कोद्दापार जंगल क्षेत्र में 14 लाख के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ बीजापुर के पोंजेर निवासी एसजेडसीएम दामा का गार्ड, टांडा संयुक्त दर्रेकसा एरिया कमेटी का एसीएम कमलु को मार गिराया गया।

16. 14 दिसंबर 2023-गढ़ी थाना अंतर्गत कमकोदादर जंगल क्षेत्र में 14 लाख के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ बीजापुर के पम्मरा निवासी 25 वर्षीय चैतु उर्फ हिडमा मडकाम को मार गिराया गया।

17. 01 अप्रैल 2024- को थाना लांजी अंतर्गत पितकोना-केरझरी जंगल क्षेत्र में 14 लाख के ईनामी नक्सली बालाघ्घाट के डाबरी चौकी के दडेकसा निवासी एससीएम रघु उर्फ शेरसिंह उर्फ सोमजी पंद्रे को मार गिराया गया।

18. 01 अप्रैल 2024-लांजी थाना अंतर्गत पितकोना-केरझरी जंगल क्षेत्र में 29 लाख की ईनामी महिला नक्सली छत्तीसगढ़ सुकमा के भेज्जी थाना अंतर्गत रेगाम निवासी भोरमदेव एरिया कमेटी विस्तार दलम-02 की डीव्हीसीएम साजंती उर्फ क्रांति पति सुरेन्दर को मार गिराया गया।

19. 08 जुलाई 2024-हट्टा थाना अंतर्गत कोठियाटोला जंगल क्षेत्र में 14 लाखप के ईनामी नक्सली छत्तीसगढ़ सुकमा के जगरगुंडा थाना अंतर्गत पुवर्ती निवासी सोहन उर्फ उकास उर्फ आयतु को मार गिराया गया।

20. 05 सितंबर 2024-बैहर थाना अंतर्गत परसाटोला-चिचरंगपुर जंगल क्षेत्र में 14 लाख की ईनामी नक्सली महाराष्ट्र गढ़चिरौली के कोटमी थाना अंतर्गत नैनगुडा निवासी 32 वर्षीय साजंती पति गणेश को गिरफ्तार किया गया।

21. 2 नवंबर 2025-बालाघाट पुलिस के सामने महिला नक्सली सुनीता ओयाम ने आत्मसमर्पण किया। जो एमएमसी जोन प्रभारी रामदेर की हथियारबंद गार्ड थी। सशस्त्र महिला नक्सली पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 14 लाख का ईनाम था। जो मलाजखंड-दर्रेकसा दलम में एसीएम थी।

22. 19 नवंबर 2025- हॉकफोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा, नक्सलियो की तीन गोलियां लगने से शहीद हो गए। जिन्हें दो बार वीरता पदक मिल चुका है और वह एक संवेदनशील, कर्तव्यनिष्ट और कर्मठ अधिकारी थे। जो लंबे समय बाद बालाघाट में किसी पुलिसकर्मी की हुई शहीदी है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0039/ड-154/2025-26
मौजा जाम, रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णकुमार खैरवार पिता केशोराय खैरवार जाति मरार, निवासी ग्राम जाम, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा जाम, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादा चरणलाल पिता जोध्या का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 03.11.2020 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम जाम के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 15.12.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 08.12.2025

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 08 दिसंबर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

ईट भट्टे में काम करने वाले मजदूर का शव मिलने से मचा हड़कंप

ग्राम देवरी बाबुलबंद मैदान का मामला, बैहर के ग्राम झागुल निवासी सुखचंद मरावी के रूप में की गई शव की शिनाख्त

पदमेश न्यूज ।बालाघाट।

हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवरी में सोमवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगो को गांव के समीप बाबूलबंद मैदान में एक अज्ञात व्यक्ति शव दिखाई दिया। जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर अज्ञात शव को बरामद किया। जिसकी पहचान बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम झांगुल निवासी 40 वर्षीय सुखचन्द पिता चैतू मेरावी के रूप में की गई है ।बताया गया कि सुखचन्द ईट भट्टे का काम करने के लिए अपने गांव के तीन-चार ग्रामीणों के साथ हट्टा आया था। हालांकि मजदूर की मौत कैसे हुई फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन अत्यधिक मात्रा में शराब पीने और ठंड की वजह से उसकी मौत होने की बात कही जा रही है। जिसके शव की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए शव जिला अस्पताल पहुंचाया ।जहां सोमवार शाम को शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों की सुपुर्द किया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

गाँव से आता हूं कहकर निकला था भट्टे से

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर के ग्राम झांगुल निवासी सुखचन्द मरावी का कुछ माह पूर्व अपनी पत्नी उर्मिला मरावी के साथ झगड़ा हो गया था ।जिसके चलते पत्नी उर्मिला सुखचंद से अलग ग्राम सलगट में निवास करती है ,जबकि झगड़ा फसाद के चलते सुखचन्द को पहले जेल भी हो चुकी है ।जिसका एक लड़का और दो लड़की है। बताया गया कि वह अपने गांव के साथी हरिलाल,मुरारी यादव, कमल, समल और जय सिंह सैयाम व अन्य के साथ ईद भट्टे में काम करने के लिए गांव से आया हुआ था। जानकारी के मुताबिक उसके तीन साथी करीब 2 दिन काम करने के बाद, बाल बच्चों को लाने के लिए वापस अपने गांव चले गए थे। जबकि सुखचंद अपने साथी हरिलाल के साथ ईट भट्टे के पास बनी झोपड़ी में निवास करता था। जो घटना के एक दिन पूर्व पास के गांव से घूम कर आता हूं कहकर निकला था,लेकिन वह देर रात तक घर वापस नहीं आया ।जिसकी अगली सुबह ग्राम देवरी के बाबुलबंद मैदान में उसका शव पड़ा होने की जानकारी मिली।

अत्यधिक शराब और ठंड से मौत होने की कही जा रही बात

हालांकि सुखचन्द की मौत कैसे हो गई, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन उसकी मौत अत्यधिक शराब का सेवन और ठंड की वजह से हुई होगी ऐसी आशंका जताई जा रही है ।जानकारी के मुताबिक सुखचंद के शरीर पर चोट के निशान नहीं थे ,जबकि शव से कुछ दूरी पर शराब का आधा पावा रखा हुआ था। वही एक पन्नी में सब्जी बनाने के लिए भटे रखे हुए थे ।वही उसकी टी-शर्ट हाथों और कंधों में फसी हुई थी। अंदेशा लगाया जा रहा है कि अत्यधिक मात्रा में शराब पीने के चलते वह बेहोश हो गया होगा और कड़कड़ाती ठंड की वजह से उसकी मौत हुई होगी।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर सुखचन्द के शव को बरामद कर हट्टा पुलिस द्वारा जिला अस्पताल लाया गया। जहां आवश्यक कार्यवाही कर शब का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपर्द किया गया है ।तो वही हट्टा पुलिस द्वारा इस मामले में मृतक के परिजनों और साथियों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जहां पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह का पता लगने की बात कही गई है।

नगर में बढ़ रहा श्वानों का आतंक!!

कुत्ते के काटने से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। नगर में आवारा कुत्तों का आतंक जानलेवा बनता जा रहा है। लगभग 15 दिन पहले आवारा कुत्ते के काटने से घायल हुए एक व्यक्ति की लंबे उपचार के बाद मौत हो गई। मृतक का नाम वार्ड नंबर-9 निवासी 55 वर्षीय जमीर खान उर्फ बब्बी भाई बताया गया है ।जो मेकेनिक (वाहनों में वायरिंग) का काम करते थे ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 नवंबर को जमीर खान नमाज पढ़ने जामा मस्जिद जा रहे थे। रास्ते में पुलिस कालोनी के पास उन्हें एक पागल कुत्ते ने काट दिया। जिन्हें स्थानी लोगों की मदद से उपचार के लिए तत्काल अस्पताल ले जाया गया ।जहां उन्हें इंजेक्शन लगाए गए थे। बताया गया कि घटना के कुछ समय बाद अंतराल में उन्हें तीन इंजेक्शन लग चुके थे। चौथा इंजेक्शन 20 दिसंबर को लगना था, लेकिन दो दिसंबर को जमीर का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। जिस पर उनके परिजनों ने उन्हें गोंदिया के प्राइवेट हास्पिटल में उपचार के लिए भर्ती कराया ।जहा के चिकित्सक इस बात पर हैरान हो गए की रेबीज का इंजेक्शन लगने के बाद भी मरीज की हालत कैसे बिगड़ गई। हालत बिगड़ने पर जमीर को गोंदिया से मेडिकल कालेज नागपुर रिफर कर दिया गया। उन्हें शनिवार रात एडमिट किया गया था, लेकिन देर रात उपचार के दौरान उनका दुखत निधन हो गया।

आवारा श्वान पहले भी कई लोगों पर कर चुका है हमला

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना वाले दिन जमीर खान सुबह पांच बजे की नमाज पढ़ने पैदल जामा मस्जिद जा रहे थे, तभी उन पर एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने जमीर के दाएं की हाथ की छोटी ऊंगली काट लिया था, जिससे वह लहूलुहान हो गए थे। बताया गया कि जिस कुत्ते ने जमीर पर हमला किया था, वह पहले भी राह चलते कई लोगों पर हमला कर चुका है। लोग उसे पागल मानकर अक्सर पास जाने या भगाने से बचते थे।

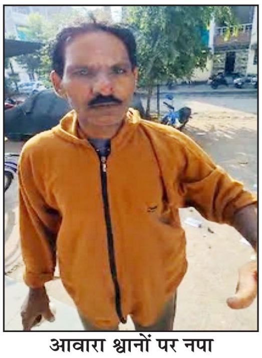

आवारा श्वानों पर नपा नही लगा सकी पाबंदी

उक्त घटना के बाद से ही स्थानीय लोगों में नगर पालिका के प्रति नाराजगी देख रही जा रही है। स्थानीयजनों के अनुसार शहर में नगर पालिका की ढिलाई के चलते आवारा कुत्तों की संख्या पर ब्रेक नहीं लग पा रहा है। इनके बधियाकरण और टीकाकरण को लेकर नपा का उदासीन रवैया कायम है ।ज्ञात हो कि इसी साल पिपरझरी के बालक की भी आवारा कुत्ते के काटने से मौत हो गई थी। एक महीने उपचार के बाद बालक ने दम तोड़ दिया था। तो वही अब नगर में आवारा कुत्ते के काटने से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है ।आशंका जताई जा रही है कि समय रहते यदि आवारा कुत्तों पर पाबंदी नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में घायलों और मृतको को संख्या भी बढ़ सकती है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आवारा श्वानों पर पाबंदी लगाई जाने की मांग की है।

राईस मिल एसोसिएशन की बैठक संपन्न

नई कार्यकारिणी का किया गया गठन

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। जिले में राईस मिल का संचालन करने में आने वाली विभिन्न परेशानियों को ध्यान में रखते, उनके निराकरण के लिए राईस मिल संचालकों की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया ।आयोजित इस बैठक में जिले भर के राईस मिलर्स ने बारी बारी से राईस मिल संचालन के दौरान आने वाली विभिन्न परेशानियों का उल्लेख करते हुए उनके निदान के लिए अपने अपने विचार व्यक्त किए ।जिसके उपरांत सर्व सहमति से राईस मिल एसोसिएशन का पुनर्गठन कर नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई ।जिसमेंअनिल चतुरमोहता बालाघाट,

गंभीर संचेती वारासिवनी, राजकुमार कावरे बालाघाट, प्रकाश सचदेवा बालाघाट, राकेश भटेरे लांजी और जितेंद्र (मोनू) भगत गर्रा को राइस मिल एसोसिएशन का संरक्षक बनाया गया है तो वही आनंद ठाकरे के हाथों में संगठन अध्यक्ष की कमान सौपी गई है ।वही इस नवीन कार्यकारणी में समीर सचदेवा और,अंकित अग्रवाल को महासचिव बनाया गया है ।तो वही विनोद शर्मा, खेमचंद धनवानी गर्रा,हिरदेश हीरवाने परसवाड़ा, अंकित संचेती वारासिवनी, डुलेन्द्र (पिंटू) टेम्भरे कटंगी, विजय मस्करे लांजी, और अंकित अग्रवाल लांजी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है ।इनके अलावा विजय घोष लालबर्रा, अंशुल पाराशर लांजी, ज्ञान चौरड़िया कटंगी और मकेश पटले अतरी खैरलांजी और आशीष असाटी बैहर को सह सचिव बनाया गया है ।वही विनोद राहंगडले बालाघाट को कोषाध्यक्ष,तो आकाश चावला गर्रा को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है ।इनके अलावा दर्शन (राजा) चौरड़िया, जयप्रकाश अग्रवाल, गागनदास सोमानी वारासिवनी, जितेंद्र वैद्य बालाघाट, विजय सुराना, सुनील (गुड्डा) जैन, दिपक रामचंदानी, अजय रामचंदानी वारासिवनी, सुनील अग्रवाल लिंगा, राजेश करमेले लालबर्रा, महेंद्र कोठारी, जितेंद्र टेम्भरे बालाघाट, राजेश पटले खापा, लालचंद धनवानी गर्रा, सुरेश पटले रामपायली विनय संचेती, नीरज (सोनू) अग्रवाल कटंगी, बालकृष्ण बिसेन खमरिया, आकाश अग्रवाल उकवा, महेंद्र पारधी केरा, सतीश छुट्टानी, विनोद धनवानी गर्रा, अंशुल बोथरा कटंगी, दिपक शर्मा लालबर्रा, राकेश अग्रवाल खैरलांजी और आशीष सचदेवा बालाघाट को जिला संगठन कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर स्थान दिया गया है।

राईस मिल एसोसिएशन बालाघाट के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष आनंद ठाकरे ने बताया कि मप्र के सबसे बड़े चावल उद्योग महासंघ जैसे संगठन के तहत सबसे कम उम्र में मुझ जैसे एक छोटे से व्यक्ती को बालाघाट जिला राईस मिल एसोसिएशन का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर मैं सर्वप्रथम मेरे मार्गदर्शक पूर्व मंत्री म.प्र. शासन मेरे नानाजी गौरीशंकर बिसेन,मेरे बड़े भैय्या जिन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, मेरे गुरु जिन्होंने पहली बार मुझमे इस पद के निर्वाहन की क्षमता को पहचाना ऐसे मध्य प्रदेश चावल उद्योग महासंघ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष गम्भीर संचेती,हमारे वरिष्ठ अनिल चतुर्मोहता, प्रकाश सचदेवा, बड़े भैय्या राजकुमार कावरे और राकेश भटेरे सहित समस्त राईस मिलर्स भाइयों ने मुझे निर्विरोध अध्यक्ष के रूप में चुना है मै सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और साथ ही यह विश्वास भी दिलाता हूं कि मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा ।संगठन की गरिमा को बनाए रखने के लिए सभी सदस्यों से सुझाव लेकर ही आगे किसी भी कार्य को करने का प्रयास करूँगा।

300 से अधिक पदाधिकारियों को सौंपी जिले की जिम्मेदारी

जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी, ओबीसी महासभा ने जिला सहित प्रदेश कार्यकारिणी का किया पुनर्गठन

कहां- सड़क से लेकर सदन तक लड़ेंगे आरक्षण की लड़ाई, ओबीसी एसटी एससी वर्ग के हक अधिकारो को लेकर किया जाएगा जागरूक

किसान मोर्चा, महिला मोर्चा ,छात्र मोर्चा सहित अन्य विंग का किया गठन, कार्यकारिणी की घोषणा कर पदाधिकारी को किया गया सम्मानित

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। जनसंख्या के आधार पर ओबीसी वर्ग को उनका आरक्षण दिलाने और ओबीसी, एसटी एससी वर्ग को उनका हक अधिकार दिलाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ने की के संकल्प के साथ बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में ओबीसी महासभा कार्यकारणी का पुनर्गठन कर, नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। यह घोषणा ओबीसी महासभा प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी और छात्र विंग राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत साहू की प्रमुख उपस्थिति में सोमवार को नगर के सर्किट हाउस में की गई। जिन्होंने 300 से अधिक पदाधिकारियो की नियुक्ति जिला कार्यकारिणी में करते हुए उनके नाम की घोषणा की, तो वहीं उन्हें नियुक्ति पत्र देकर फूल मालाओं से उनका स्वागत किया पदाधिकारी को सम्मानित भी किया। पदाधिकारियो का यह सम्मान समारोह नगर के सर्किट हाउस में आयोजित किया गया। जहां उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियो ने ओबीसी महासभा के अंतर्गत जिला कार्यकारिणी, ब्लाक कार्यकारिणी की घोषणा के साथ-साथ किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, छात्र मोर्चा, सहित अन्य विंग में पदाधिकारियो की नियुक्ति की। जिन्होंने ओबीसी आरक्षण को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए ओबीसी वर्ग को हर हाल में उनका हक अधिकार दिलाने, ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिए जाने और ओबीसी एसटी एससी को मिलाकर 85त्न लोगों को संख्या के आधार पर सरकारी नौकरी, शिक्षा, राजनीतिक सहित हर क्षेत्र में हिस्सेदारी दिए जाने की बात कही है। तो वहीं उन्होंने ओबीसी वर्ग की इस लड़ाई को गांव से लेकर शहर तक और सड़क से लेकर सदन तक लड़कर शोषित वंचित और उपेक्षित वर्ग को उनका हक अधिकार दिलाए जाने की बात कही है।

गांव गांव में चौपाल लगाकर किया जएगा जागरूक

जिला कार्यकारिणी की घोषणा और पदाधिकारी के सम्मान समारोह के उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता में पदाधिकारी ने चर्चा के दौरान बताया कि वे जल्द ही महाकौशल के सभी जिलों में युवाओं को जोड़कर संगठन को मजबूत करेंगे ।लोगों को उनके हक अधिकारो के प्रति जागरूक करने के लिए गांव-गांव में चौपाल लगाकर ओबीसी आरक्षण सहित उनके हक अधिकार की जानकारी दी जाएगी ।उन्होंने जातिगत जनगणना और

ओबीसी वर्ग को संख्या के अनुपात में आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर आने वाले समय में प्रदेश स्तरीय आंदोलन किए जाने की बात कही है ।तो वहीं उन्होंने किसानों के लिए 3100 धान का समर्थन मूल्य दिए जाने, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशो को लागू कराने के साथ- साथ केंद्र और राज्य सरकार के समस्त विभागों में ओबीसी व बैकलॉग के सभी रिक्त पदों को यथाशीघ्र भरे जाने की भी मांग को लेकर आवाज बुलंद करने की भी चेतावनी दी है। जिन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि चाहे कुछ भी हो जाए वह हर हाल में ओबीसी आरक्षण और जनसंख्या के अनुपात में हर क्षेत्र में हिस्सेदारी लेकर रहेंगे।

इन्हें सौपी गई जिम्मेदारी

ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी ,राष्ट्रीय कार्यकारिणी, ओबीसी महासभा प्रदेश अध्यक्ष की अनुशंसा पर संभाग प्रभारी एवं कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी की सहमति से ओबीसी महासभा द्वारा जिला व प्रदेश की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई है जिसमें, जिले में करीब 300 युवाओं को स्थान दिया गया है इसमें दीनदयाल बिसेन को जिला प्रभारी, राधेश्याम भोयर को जिला अध्यक्ष, प्रशांत मोहारे किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष भीम बोरकर को अनुसूचित जाति अध्यक्ष का दायित्व सौपा गया है ।इसके अतिरिक्त देवा मोरकुरे और संगम नागपूरे की कार्यकारी जिलाध्यक्ष अभय पिछोड़े को युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष ,आदित्य रहांगडाले को छात्र मोर्चा अध्यक्ष तो वही अंजलि पेंडारकर छात्रा मोर्चा अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है ।वही पुष्पेंद्र पटले को जिला उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी माणिक ठाकरे, विवेक दुफ़ारे, अब्दुल सलाम रजा और पन्नालाल कुतराहे को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाते हुए, जितेंद्र मोनू भगत,लोचन शिवहरे, इंद्रपाल पटले और गजेंद्र देशमुख को प्रदेश महासचिव की कमान सौपी गई है ।उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी ओमप्रकाश मरठे को दी गई है। इसके अलावा अन्य युवाओ के नामो का भी कार्यकारणी में शमावेश है जिनको प्रदेश व जिला कार्यकारिणी विभिन्न विंग में स्थान दिया गया है।

मार्च 2026 में बालाघाट में होगा प्रदेश स्तरीय सम्मेलन-सौरभ

प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी ने बताया की कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है सभी को उनकी जिम्मेदारियो से अवगत करा दिया गया है आगामी मार्च 2026 में ओबीसी महासभा का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन बालाघाट में भव्य रूप से किया जाएगा। पिछड़े वर्ग के लोगों को महासभा से जोड़कर उनके हक अधिकार की लड़ाई लड़ी जाएगी, हमारा प्रयास ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ने का है इसीलिए कार्यकारिणी में सर्वाधिक युवाओं को जोड़ा गया है और आगे भी युवाओं को जोड़ने का हम प्रयास करेंगे। ओबीसी महासभा पिछले कई वर्षों से ओबीसी एसटी एससी वर्ग की लड़ाई लड़ते आ रही है,शासन के खिलाफ हमारी यह लड़ाई आगे भी जारी रहेगी ।जब तक ओबीसी वर्ग को उसका आरक्षण और हक अधिकार नहीं मिल जाता तब तक हम लड़ाई लड़ते रहेंगे और उन्हें जनसंख्या के आधार पर प्रत्येक क्षेत्र में आरक्षण दिलाने का काम किया जाएगा।

ओबीसी आरक्षण की जगह मिल रही तारीख पर तारीख - हेमंत साहू

ओबीसी महासभा छात्र मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत साहू ने बताया कि संगठन के माध्यम से ओबीसी वर्ग को उनका हक अधिकार दिलाने का काम किया जा रहा है, देश में यह 85त्न ऐसा वर्ग है जो आरक्षण से वंचित है, हर क्षेत्र में इनको हक, अधिकार दिलाने का प्रयास किया जा रहा है ।ओबीसी महासभा एक गैर राजनीतिक संगठन है जिसमें आज प्रदेश व जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है, इस गठन के बाद अब गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनसंख्या के हिसाब से प्रत्येक क्षेत्र में ओबीसी एससी एसटी वर्ग को आरक्षण, जातिगत जनगणना और उनके हक अधिकार दिलाने के लिए हमारा संगठन वर्षों से कार्य कर रहा है और आगे भी मजबूती के साथ कार्य करेगा। क्योंकि वर्तमान समय में भाजपा सरकार ओबीसी आरक्षण विरोधी है, जो ओबीसी के हक अधिकार पर कुंडली मारकर बैठी है। ओबीसी वर्ग को आरक्षण देने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। इसीलिए सरकार बड़े-बड़े वकील खड़ी कर कोर्ट में तारीख पर तारीख ले रही है ।आगामी समय में यदि ओबीसी वर्ग को उसका हक अधिकार नहीं मिला तो पंचायत से लेकर प्रत्येक चुनाव में ओबीसी वर्ग की ताकत दिखाई जाएगी।

ऊंट के मुंह में जीरा है समर्थन मूल्य- प्रशांत

ओबीसी महासभा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रशांत मोहारे ने बताया कि बालाघाट जिला कृषि प्रधान जिला है जिसमें 70त्न ओबीसी वर्ग के लोग व किसान है,लेकिन जिले में किसानों की सबसे बुरी स्थिति है ।उनकी इस स्थिति को सुधारने और ओबीसी वर्गों को उनका हक अधिकार दिलाने के लिए संगठन मजबूती से कम कर रहा है ।अभी राज्य सरकार ने समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू की है उसमें महज 69 पैसे बढाए गए हैं जो की काफी कम है। बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। जबकि सरकार ने 3100 समर्थन मूल्य दिए जाने का वादा किया था, लेकिन सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया, इसलिए किसान और ओबीसी वर्ग को संगठन के माध्यम से जागने का कार्य किया जाएगा, वही किसानो व ओबीसी के मुद्दों,उनके हक अधिकारों को लेकर सरकार को घेरने का काम करेंगे।

बालाघाट एजुकेशन सोसायटी के प्रबंधकारिणी निर्वाचन संपन्न

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। सोमवार को नगर के बालाघाट इंग्लिश हा. से. स्कूल के सभागार में बालाघाट एजुकेशन सोसायटी के तीन वर्षीय प्रबंधकारिणी समिति के लिए आमसभा के माध्यम से निर्वाचन संपन्न कराया गया ।इस आमसभा में उपस्थित समिति के समस्त सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से प्रबंधकारिणी समिति बनाई, जहा सर्वसम्मति से चयनित कुल 15 सदस्यीय समिति की घोषणा कर आगामी तीन वर्ष के लिये चयनित पदाधिकारी को समिति की बागडोर सौंप गई है। जहां सर्व सहमति से बालाघाट एजुकेशन सोसाइटी में अध्यक्ष के रूप में गोपाल अग्रवाल, सचिव के लिए विश्वजीत मण्डल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए प्रदीप परांजपे, कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए वहीद मियां और सह-सचिव के रूप में अनीश दीवान का चयन किया गया है ।तो वही जी.डी. दीवान, आनंद सिंह, बलदेव गुप्ता, विजय तिवारी, हेमराज वेगड़, अनुराग जैसवाल, श्रीमति मुनव्वर जहाँ, श्रीमति पूनम अग्रवाल, श्रीमति अरूंधति मंडल और अमित रंगलानी को समिति के कार्यकारिणी के लिए चयनित कर सभी पदाधिकारियो के नामो की घोषणा कर दी गई है।

दुर्गा प्रसाद पेड़ काटते समय कटर मशीन से हुआ घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बोदलकसा निवासी ३२ वर्षीय दुर्गा जैतवार पेड़ काटते समय कटर मशीन छूटने से गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गा पिता उमेदलाल जैतवार ३२ वर्ष बोदलकसा निवासी पेड़ों की कटाई करने का कार्य करता है । जो प्रतिदिन की तरह ग्राम शेरपार पेड़ की कटाई करने के लिए गया हुआ था। जहां खेत में पेड़ काटने का कार्य किया जा रहा था तभी एक पेड़ जमीन पर धराशाई होकर अचानक करवट लिया। जिससे उसके हाथ की मशीन छूट कर पलट गई और पैर में मशीन से कटने से वह घायल हो गया। मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा तत्काल उसे सिविल अस्पताल मिलकर भर्ती किया गया जहां उसका उपचार जारी है।

कंजई-नगपुरा मार्ग पर मानुटोला पुल क्षतिग्रस्त, आवागमन ठप!!

किसानों के लिए बढ़ी मुसीबत : धान खरीदी केंद्र पहुंचने में होगी भारी परेशानी

क्षतिग्रस्त पुल का जल्द मरम्मत कार्य या फिर नवीन पुल का निर्माण करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत कंजई से नगपुरा को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर मानुटोला के पास बना पुल के ऊपर से बीती रात्रि में ओवरलोड़ वाहन के गुजरने से पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है। वहीं पुल के नीचे की मिट्टी पूरी तरह से धसक जाने और पुल की संरचना को गंभीर नुकसान पहुंचने के कारण इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। जिसके कारण स्थानीय ग्रामीणों और विशेष रूप से धान खरीदी केंद्रों तक अपनी उपज ले जाने वाले किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण एवं किसानों ने शासन-प्रशासन से क्षतिग्रस्त पुल का जल्द मरम्मत या फिर नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग की है।

पुल क्षतिग्रस्त होने से आवागमन हुआ बाधित

आपकों बता दें कि ग्राम पंचायत कंजई से नगपुरा पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क के साथ ही मानुटोला के समीप बना पुल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण ओवरलोड वाहन के गुजरने से पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है। जबकि यह मार्ग कंजई से पंढरापानी, पाथरशाही सहित दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ता है जो शनिवार की रात्रि में अचानक किसी भारी वाहन के गुजरने से धसक गया है। जिससे आवागमन बाधित हो चुका है और लोगों को अन्य मार्गों से आवागमन करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल के नीचे की मिट्टी काफी समय से धसक रही थी, जिसकी सूचना संबंधित विभाग को दे दी गई परंतु उनके द्वारा अनदेखी की गई। इस तरह से पुल के नीचे की मिट्टी काफी समय पहले से ही धसकने, लगातार भारी वाहनों के आवागमन के कारण यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। अगर समय रहते प्रशासन के द्वारा इस समस्या को गंभीरता से लेकर इसकी मरम्मत या सुरक्षा के उपाय किये जाते, तो यह पुल अभी सुरक्षित रहता। प्रशासन की इस लापरवाही ने अब मार्ग को अवरूध्द कर दिया है और यह दिखाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि क्षमता से अधिक भार वाले भारी वाहनों के लगातार गुजरने के कारण ही पुल की नींव कमजोर हुई और अंतत: वह टूट गया। ग्रामीणों और किसानों ने स्थानीय प्रशासन से तत्काल प्रभाव से पुल की मरम्मत शुरू करने की मांग की है।

धान खरीदी पर संकट

कंजई-नगपुरा मार्ग एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसका उपयोग क्षेत्र के अधिकांश किसान अपनी उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए करते हैं। ग्राम कंजई और नेवरगांव ला. के धान खरीदी केंद्रों पर इस क्षेत्र के किसान बड़ी संख्या में अपनी उपज विक्रय करने इसी मार्ग से आते है। लेकिन पुल टूटने से किसानों को अब धान खरीदी केंद्र तक पहुंचने के लिए अत्यधिक दूरी तय करनी पड़ेगी और वैकल्पिक व कच्चे मार्गों का उपयोग करना पड़ेगा। जिससे उनका समय, ईंधन और परिवहन लागत काफी बढ़ जायेगी। समर्थन मूल्य में धान खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। ऐसे में यह पुल टूटना किसानों के लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है।

क्षतिग्रस्त पुल का जल्द मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन - राजकुमार

राजकुमार चौधरी ने बताया कि पुल की स्थिति पहले से ही खराब हो चुकी थी एवं नीचे से मिट्टी धीरे-धीरे धसक रही थी और छोटे वाहन आसानी से आवागमन कर रहे थे परंतु ऐसा प्रतीत हो रहा है कि रात्रि में एक भारी भरकम वाहन इस पुल से गुजरा है जिसकी वजह से यह पुल टूट गया है। पुल क्षतिग्रस्त हो जाने से आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री चौधरी ने बताया कि वर्तमान में धान खरीदी का समय चल रहा है और इस मार्ग से अधिकांश किसान अपनी उपज लेकर खरीदी केन्द्र उपज लेकर जाते है। लेकिन पुल टूटने के कारण अब मजबूरन किसानों को लगभग 5 किमी. की अधिक दूरी तय करके अपनी फसल खरीदी केन्द्र कंजई व नेवरगांव ला. तक लेकर जाना पड़ेगा। प्रशासन से मांग है कि जल्द क्षतिग्रस्त पुल का मरम्मत कार्य करवाये।

आवागमन में हो रही है परेशानी - भागवत

भागवत चौधरी ने बताया कि पुल क्षतिग्रस्त हो जाने से आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी वर्तमान में किसानों को हो रही है क्योंकि किसान इसी मार्ग से अपनी उपज लेकर कंजई खरीदी केन्द्र उपज विक्रय करने जाते है। मार्ग अवरूध्द होने से अब किसानों के साथ ही स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणजनों को आवागमन करने में परेशानी होगी। श्री चौधरी ने बताया कि सड़क निर्माण कंपनी के द्वारा पुल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही किया गया था। जिसके कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है, शासन-प्रशासन से मांग है कि वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

सड़क विभाग की लापरवाही से क्षतिग्रस्त हुआ पुल - मनीष

सरपंच प्रतिनिधि मनीष बडघरे ने बताया कि कंजई से नगपुरा पहुंच मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में दर्जनों ग्राम के ग्रामीणजन, स्कूली बच्चें एवं राहगीर आवागमन करते है परंतु पुल क्षतिग्रस्त होने से अब आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पुल क्षतिग्रस्त होने की वजह मुख्यत: गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य का ना होना है क्योंकि यदि गुणवत्तापूर्ण निर्माण होता है तो पुल क्षतिग्रस्त नहीं होता है और मजबूती से खड़ा रहता है। श्री बड़घरे ने बताया कि छ: माह पूर्व संबंधित विभाग के द्वारा इस सड़क का मरम्मत कार्य करवाया गया है उस समय ग्रामीणों के द्वारा विभाग को इस पुल की स्थिति से अवगत करवाया गया था और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत करने की मांग की गई थी परंतु विभाग के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यदि उस समय पुल का मरम्मत कार्य हो जाता तो यह स्थिति निर्मित नहीं होती। सड़क विभाग की घोर लापरवाही के चलते पुल क्षतिग्रस्त हुआ है, जल्द पुल का मरम्मत कार्य किया जाये।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि कंजई से नगपुरा पहुंच मार्ग स्थित पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है। जल्द ही स्थल का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाया जायेगा।

माया परते
प्रभारी महाप्रबंधक
प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग
बालाघाट।

बघोली में डॉ. बाबा साहेब को दी गई श्रध्दांजली

सर्व समाज समिति का हुआ स्वागत समारोह

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से 5किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली के स्कूल ग्राउंड स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर सर्व समाज समिति बघोली के द्वारा शनिवार की शाम 7 बजें विश्व रत्न, भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रध्दांजली अर्पित की गई। साथ ही सर्व समाज समिति का स्वागत समारोह कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। इस अवसर पर सर्व समाज समिति के पदाधिकारियों ने सामाजिक समरसता और बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वहीं श्रध्दांजली कार्यक्रम के दौरान सर्व समाज समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन कर अध्यक्ष एवं पदाधिकारी नियुक्त किये गये। जिनका उपस्थितजनों ने फुल-मालाओं से स्वागत किया। तत्पश्चात समिति के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मंच से अपने विचार सांझा किये। इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य झनकारसिंह उईके, सरपंच अरशद अली पापा पटेल, उपसरपंच देवराम साहू, सर्व समाज के अध्यक्ष पन्नालाल समरीत, एनएसजी कमांडो निशांत ठाकरे, नारायण यादव, थानसिंह ठाकरे, कैलाश रंगारे, खेमलाल साहू, सरोपसिंह मर्सकोले, शिवलाल केकती, रेखसिंह उइके, लतिफ खान, मनोज समरित, ओमकार पटले, खालिक खान, लालचंद यादव, सोहनलाल भगत, अशोक मेश्राम, शंकरलाल माने, प्रवीण बहरे, पन्नालाल बनवाले, जीवनलाल विश्वकर्मा, विष्णुदास ब्रम्हे, मुन्नालाल अर्जुनवार, पंच आरिफ खान, नजब खान, नईम खान, सत्यशील मेश्राम, खिलेश यादव, योगेश केकती, कंजेश यादव, भवानीलाल यादव, बलराम बोपचे, अनिल पाटिल, सेवकराम ठाकरे, कृपाशंकर साटोने और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बस स्टैण्ड में मनाया गया बाबा साहेब का 69 वां महापरिनिर्वाण दिवस

बौध्द अनुयायियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के बताये मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हद्यस्थल बस स्टैंड में स्थित भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के प्रतिमा स्थल पर 6 दिसंबर को जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के तत्वाधान में 69 वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम समाजसेवी अधिवक्ता केडी एल चौरे के मुख्य आतिथ्य सहित अन्य पदाधिकारियों की प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्र'वलित किया तत्पश्चात उपस्थितजनों ने माल्यार्पण कर सामूहिक रूप से त्रिशरण पंचशील का वाचन किया। जिसके बाद दो मिनट का मौन धारण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। साथ ही बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात कर उनके बताये मार्ग पर चलते हुए देश एवं समाज विकास हेतु कार्य करने का संकल्प लिया। आपकों बता दे कि संविधान निर्माता भारत रत्न, बोधिसत्व डॉ. भीमराव अंबेडकर का निधन सन् 1956 में हुआ है। जिसके पश्चात उनके अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का संकल्प लेते हुए बौध्द समाज के द्वारा प्रतिवर्ष 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस मनाकर श्रध्दांजली अर्पित की जाती है। इसी कड़ी में लालबर्रा बस स्टैण्ड स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के प्रतिमा स्थल पर बौध्द उपासक-उपासिकाओं ने उपस्थित होकर महापरिनिर्वाण दिवस मनाकर बाबा साहेब को श्रध्दांजली अर्पित किये और उनके जीवनगाथाओं पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। चर्चा में जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि 6 दिसंबर को बाबा साहेब का 69 वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया और बाबा साहेब ने करोड़ों दलितों व महिलाओं को इंसानियत की जिन्दगी दी है एवं आज भारत अच्छे रूप से संचालित हो रहा है। उनके द्वारा रचित संविधान है जो मानवीय मूल्यों पर आधारित है और इस देश में एकता, अखण्डता यदि बरकरार रखनी है तो बाबा साहेब के संविधान पर श्रध्दा सुमन तभी सही होगा कि संविधान पर यह देश विश्वास करें और बाबा साहेब ने संविधान लिखकर सभी को शिक्षा का अधिकार दिया है। इसलिए हम सभी को बाबा साहेब के संविधान के अनुसार चलकर देशहित में काम करना है। बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के महासचिव ताराचंद कावड़े ने बताया कि भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का 6 दिसंबर 1956 को महापरिनिर्वाण हुआ था, इसलिए सारे देश सहित विश्व में आज के दिन शोक की लहर है। जिनकी पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है और ऐसे महापुरूष जिन्होने भारत देश का संविधान लिखकर एससी, एसटी व ओबीसी को संविधान आरक्षण की सुविधा देकर दबे कुचले समाज का उत्थान किया है। श्री कावड़े ने बताया कि बाबा साहेब ने संविधान लिखकर सभी को शिक्षा का अधिकार दिया ताकि सभी वर्ग के लोग पढ़ लिखकर स्वयं एवं समाज का विकास कर सके। इस अवसर पर जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के पदाधिकारी एवं बौध्द उपासक-उपासिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पांढरवानी की टीम विजेता तो समनापुर बनी उपविजेता

खोंगाटोला में के-25 टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोंगाटोला में के-25 टेनिस बॉल क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में गत दिवस से जारी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का 7 दिसंबर को फाइनल मैच के साथ समारोहपूर्वक समापन किया गया। क्रिक्रेट प्रतियोगिता का फाइनल मैंच विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। फाइनल मैंच पांढरवानी एवं समनापुर के मध्य खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर पांढरवानी की टीम ने बेटिंग करने का निर्णय लिया और 12 ओवर की मैंच में पांढरवानी टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 157 रन बनाये और समनापुर की टीम को 158 रन बनाने का लक्ष्य दिया। वहीं दुसरी पाली देखने उतरी समनापुर टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 12 ओवर में 148 ही रन बना पाई। इस तरह से पांढरवानी की टीम ने 9 रनों से समनापुर की टीम को पराजित कर फाइनल मैंच का खिताब जीत लिया। वहीं अतिथियों के हस्ते पांढरवानी की टीम को प्रथम पुरस्कार 21 हजार रूपये, ट्राफी एवं उपविजेता टीम समनापुर को द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रूपये, ट्राफी, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं विगत दिवस से जारी इस टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में जिलेभर की आधे सैकड़ा से अधिक टीमों ने भाग लेकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिसमें पांढरवानी एवं समनापुर की टीम फाइनल में पहुंची थी। जिनके मध्य रविवार को फाइनल मैंच खेला गया और यह मैंच खासा रोमांचिक रहा एवं सैकड़ों दर्शकों ने इस फाइनल मैंच का लुप्त भी उठाये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के द्वारा बेहतर प्रदर्शन किया गया, विजेता और उपविजेता दोनों ही टीमों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया है। हमें खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है जैसे जब तक जीत संभव हो तब तक लड़ते रहना चाहिए। इस प्रतियोगिता में जो खिलाड़ी सम्मिलित हुए हैं उनके हौसले और प्रतिभा को मैं बधाई देती हूं। साथ ही यह भी कहा कि जीवन के जो उतार-चढ़ाव है वह हमारे अंदर हौसला को बनाने का काम करते हैं इसलिए कभी भी हमें निराश नही होना चाहिए प्रयास करते रहना चाहिए सफलता अवश्य मिलेगी। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि खोंगाटोला से मुरझड़ के बीच नदी के ऊपर करोड़ों रूपयों की लागत से पुल का निर्माण किया जायेगा जिसका टेंडर हो चुका है, जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ होगा एवं खेल मैदान के समीप से नदी गुजरी है, मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाने का भी पुरा प्रयास किया जायेगा। वहीं कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। आयोजन समिति के पदाधिकारी मोहित दमाहे ने बताया कि खोंगाटोला (मोहगांव ध.) में गत दिवस से जारी टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैंच के साथ समापन किया गया। जिसमें पांढरवानी की टीम विजेता एवं समनापुर की टीम उपविजेता रही और इस प्रतियोगिता में जिलेभर की आधा सैकड़ा से अधिक टीमों ने भाग लेकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।

श्री दमाहे ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी समय में सभी के सहयोग से भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक मोहित दमाहे, मंजू बसेने, अध्यक्ष देवेन्द्र बसेने, सोनू नगपुरे, नितेश नगपुरे, भावेश बघेले, सचिव दिनेश राउत, गुरूवेश बनकर, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र लिल्हारे, संजय नगपुरे, सहसचिव विजेन्द्र नगपुरे, गुल्लू नगपुरे, बुगलेश्वर दमाहे, कप्तान पीतम नगपुरे, उपकप्तान बंटी नगपुरे, टीम प्रभारी खेमचंद्र बसेने, लालाराम नगपुरे, मीडिया प्रभारी जयसिंह नगपुरे, सिध्दार्थ बसेने, मीडिया संरक्षक पूनम राउत, वरिष्ठ संरक्षक सदस्य तिलकराम नगपुरे, बलराम नगपुरे, घनश्याम बरैया, मंजन बसेने, संग्राम बघेले, डॉ धनाराम बसेने, ओमकार दशरिये, चैतराम बसेने, बुधराम बसेने, भागरती नगपुरे, डालचंद बसेने, गणेश लिल्हारे, उत्तम नगपुरे, गयाप्रसाद बसेने, ज्ञानीराम बसेने, परदेशी नगपुरे, सोमालाल बघेले, दिनेश बघेले, बेनीराम बसेने, नोकचंद बसेने, मंशाराम दशरिये, रतिराम नगपुरे, मस्तराम बसेने, नानकराम नगपुरे, गज्जू बसेने सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

कौलीवाडा नदी पहुंच मार्ग पर धुल का उड़ रहा गुबार!!

दुर्घटना की बनी हैं संभावना मार्ग का पक्का निर्माण करने ग्रामीणों ने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कौलीवाड़ा के नदी पहुंच मार्ग की स्थिति खस्ताहाल हो गई है। यह एक क'चा मार्ग है जिसका निर्माण वर्षों पहले किया गया था। जिसके बाद मुरुमीकरण भी मार्ग का दोबारा नहीं किए जाने से मार्ग की स्थिति बहुत 'यादा खराब हो गई है। जहां से आवागमन करने में किसान और ग्रामीणों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिनके द्वारा पक्की सीमेंट रोड़ बनाने के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। किंतु पंचायत के द्वारा वर्तमान तक उक्त मार्ग का निर्माण नहीं किया गया है। वर्तमान में इस मार्ग में सूखे समय में धूल के गुब्बारे उड़ रहे हैं एवं बरसात में कीचड़ लोगों के लिए परेशानी का सबब बना रहता है। यह मार्ग सीधे ग्राम महदोली और देवगांव से लोगों को जोड़ता है और इस मार्ग पर करीब 500 एकड़ से 'यादा की कृषि भूमि स्थित है। जहां पर किसानों के द्वारा अपने खेती कार्य और ग्रामीणों के द्वारा नदी पार कर दूसरे ग्राम जाने के लिए उपयोग किया जाता है। वहीं इस मार्ग पर करीब 10 से अधिक परिवार निवासरत है जिनके द्वारा सड़क किनारे मकान का निर्माण किया गया है। ऐसे में खेती या अन्य कार्यों के लिए छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहन मार्ग से आने जाने पर धूल के बड़े बड़े गुब्बारे उड़ते हैं। पीछे आ रहे व्यक्ति को धूल के कारण कुछ दिख नहीं पता है इस प्रकार धूल उड़ती है। यह धूल के गुब्बारे लोगों के मकान के अंदर तक जा रहे हैं जो उनके स्वास्थ्य पर भी असर डालते दिख रहे हैं। इसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा कई बार शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षण भी कराया गया है ,किंतु किसी के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया है। उक्त मार्ग पर निवासरत लोग प्रशासन की अनदेखी से आज भी धूल के बीच अपना जीवन जीने के लिए मजबूर नजर आ रहे। यह मार्ग पर बरसात के समय आवागमन बेहतर करने के लिए और कीचड़ कम करने के लिए गिट्टी की बारीक चिल्ली डाली गई थी जो वर्तमान में रोड के ऊपर फैली हुई है । इससे साइकिल मोटरसाइकिल सहित अन्य वाहन अनियंत्रित भी हो रहे हैं। इस दौरान मोटरसाइकिल स्लिप होने से कई लोग दुर्घटनाग्रस्त भी हो रहे हैं । हालांकि अभी तक कोई बड़ी जनहानि हुई नहीं है परंतु भविष्य में इसकी संभावना बनी हुई है।

मार्ग को बनाने शासन प्रशासन को ध्यान देना चाहियें- दुर्गेश्वरी

ग्रामीण दुर्गेश्वरी मेश्राम ने बताया कि कौलीवाड़ा के हम रहने वाले हैं यहां 10 वर्ष से अधिक का समय हो गया है धूल उड़ती रहती है। यह घरों के अंदर तक आती है किसी भी वाहन के गुजरने से भारी दिक्कत है। नदी और मोक्षधाम तक जाने में भी लोगों को समस्या होती है रोड़ बनाने पंचायत को पहले भी कहा था। अभी भी यहां पर कुछ हुआ नहीं है पंचायत से यह रोड़ नहीं बन रही है हम चाहते हैं कि सीमेंट सड़क् मोक्षधाम तक बनना चाहिए। सूखे एवं बारिश के समय काफी समस्या इस मार्ग पर हो जाती है ,खेत इसी मार्ग पर है देवगांव में खेत आता है यहीं से आना जाना पड़ता है। सड़क की बहुत बुरी हालत है। वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या उड़ने वाली धूल है जिससे परिवार के सभी लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है सर्दी खांसी जैसी बीमारी से ब'चे ग्रसित हो रहे हैं।

मार्ग की जर्जर हालत से ग्रामीणजन परेशान है-नरेश

ग्रामीण नरेश मेश्राम ने बताया की गांव के मवेशी भी यहीं से चराने जाते हैं किसान काफ ी दिक्कतों के बीच यहां से आते जाते है। मोटरसाइकिल कई बार स्लिप होकर दुर्घटनाग्रस्त भी लोग हो जाते हैं यहां पर रोड़ बनना चाहिए क्योंकि मोक्षधाम नदी जाने आने में सुविधा होगी यहाँ भयंकर धूल उड़ती है। इसी मार्ग पर हमारे घर है डस्ट इतनी उड़ती है कि हर समय दरवाजा लगाकर रखना पड़ता है। बहुत दिक्कत है मार्ग पर करीब 500 एकड़ से अधिक की खेती भूमि है। यह रोड़ सीधा महदोली ,देवगांव निकलता है इसका मुरूमीकरण भी आज तक नहीं हुआ है। खेती में आने जाने वाले वाहनों से जमकर धूल उड़ती है जो हमारे घर पर बैठ रही है।

इस मार्ग को बनाने जिला कलेक्टर, विधायक और सांसद को पत्र लिखा है-सुनील

सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा ने दूरभाष पर बताया कि यह रोड़ गांव का मुख्य मार्ग है इस मार्ग पर सबसे ज्यादा किसानों की खेती स्थित है। मोक्षधाम भी बना हुआ है गांव में जिसकी भी मौत होती है उसका दाह संस्कार इसी मार्ग से जाकर किया जाता है। बरसात में यहां आना जाना मुश्किल हो जाता है हमारी पंचायत के पास निर्माण करने के लिए इतनी राशि नहीं है। जिससे हम असमर्थ है हमने शासन से गौण खनिज से मार्ग स्वीकृत करने के लिए कलेक्टर से मांग की है। वहीं विधायक और सांसद को भी पत्र दिया है कि यह महदोली पहुंच मार्ग है तो इसको प्रधानमंत्री ग्राम सडड़ योजना में जोड़ा जायें। यह सड़क जल्द बन जाती है तो सभी को राहत होगी अभी मार्ग पर निवासरत को धूल से बहुत ज्यादा परेशान है।

पुलिस थाने ने निकाला फ्लैग मार्च, किया नगर भ्रमण

शांति एवं आपसी सौहार्द बनाए रखना की अपील

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस के द्वारा नगर में फ्लैग मार्च निकल गया। यह फ्लैग मार्च वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एसड़ीओपी अभिषेक चौधरी,प्रभारी थाना प्रभारी पवन यादव के नेतृत्व में निकला। जिसके द्वारा नगर के मुख्य मार्ग एवं संवेदनशील स्थानों का भ्रमण किया गया। यह मार्च थाने से निकला जो कदमताल करता हुआ नगर के बस स्टैंड ,दीनदयाल चौक वापस जय स्तंभ चौक नेहरू ,चौक आंबेडकर चौक और गोलीबारी चौक सहित अन्य चौक चौराहा एवं गलियों का भ्रमण करते हुए पुलिस थाने पहुंचा जहां मार्च का समापन किया गया। इस दौरान पुलिस के द्वारा नगर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर लोगों को शांति अमन चैन और सौहार्दपूर्वक आपस में भाईचारा बनाकर रखने का संदेश दिया गया। वहीं असामाजिक तत्वों को भी शांति बनाए रखना संदेश दिया गया। इस अवसर पर पुलिस बल मौजूद रहा।

जिला बैडमिंटनशिप बैहर २०२५ में विजेता खिलाड़ी बने विशाल, मौलिक, वंश एवं अमित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सुभाष मेमोरियल चक्रवर्ती पब्लिक स्कूल बैहर के परिसर में २ दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं समापन समारोह २०२५ पारितोषिक वितरण कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। स्वर्गीय तपन चक्रवर्ती के स्मृति में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता २०२५ में विभिन्न आयु वर्गों के ६० से अधिक प्रतिभागी खिलाडियों ने अपने खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये वरीयता स्थान प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों को अतिथियों के हस्ते नगद राशि, स्मृति चिन्हए ट्राफी एवं प्रमाण पत्र देकरें सम्मानित किया गया। वारासिवनी सिविल बैडमिंटन क्लब के सचिव एवं टीम मेनेजर गणेश सिंह ठाकुर ने बैहर बैडमिटन चैम्पियनशिप २०२५ के संबंध में जानकारी देते हुये बताया कि उक्त प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर विभिन्न आयु वर्ग समूहों में बैडमिंटन खिलाडियों ने अपना अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन करते हुये विजेता एवं सान्तवना पुरस्कार का अपने आपको भागीदार बनाया है। बैडमिटन एकल १३ वर्ष में विशाल, १५ वर्ष में मौलिक एवं १७ वर्ष में वंश पवार ओपन में अमित उइके विजेता बने। इस प्रतियोगिता में १३ वर्ष आयु समूह में एकल बैडमिंटन स्पर्धा में विजेता विशाल सिरसाज, प्रजेता वयम माहेश्वरी बालाघाट बने। आर्ष कटरे वारासिवनी सांत्वना पुरस्कार। १५ वर्ष में विजेता मौलिक देशमुख, प्रजेता दिव्यांश नगपुरे वारासिवनी, तृतीय अविनाश भरतगान मलाजखण्ड रहे। १७ वर्ष आयु वर्ग में विजेता वंश पंवार राजपुत बैहर प्रजेता अनमोल आहूजा वारासिवनी, सांत्वना पुरुस्कार के भागी नैतिक मलाजखण्ड रहे। ओपन प्रतियोगिता में विजेता अमित उइके प्रजेता डॉ विशेषनाग ने गौरव हासिल किया है। युगल ओपन में बालाघाट के खिलाड़ी अमित उइके एवं पार्टनर हर्ष भीमटे ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं वारासिवनी सिविल बैडमिटन क्लब के युवा खिलाडियों में अनमोल आहूजा एवं मौलिक देशमुख ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुये उप विजेता की ट्राफी पर कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कब्जा जमाने में सफ लता अर्जित किया। अन्य वर्गों में भी प्रतिभागी वरिष्ठ खिलाड़ियों को बैडमिटन टुनर्नामेंट आयोजन समिति के द्वारा पुरस्कार प्रदान कर समापन एवं परुस्कार समारोह में सम्मानित किया गया। जिसमे रूपेश रिंकु मिश्रा,कोच एवं पार्टनर राजेश हनवत बालाघाट शामिल है। इस प्रतियोगिता में वारासिवनी सिविल बैडमिटन क्लब के युवा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिसमें शामिल रहे अनमोल आहूजा ,मौलिक देशमुख, दिव्यांश नगपुरे, चिराग चिमनानी, अंशु दलवानी, आर्ष कटरे, उपांशु चौबे एवं मान खण्डेलवाल टीम मेनेजर एवं कोच की भूमिका गणेश सिंह ठाकुर ने कुशलता पूर्वक निभाई। दो दिवसीय जिला स्तरीय बैहर टुनर्नामेण्ट २०२५ आयोजन को सफ ल बनाने में डी चकवर्ती, अजय यादव, रूपेश रिंकु मिश्रा, अमित उइके ,रितेश मरावी, वंश पंवार, अक्षित गर्ग की सक्रीय भूमिका रही। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में डी चतुर्वेदी ,श्रीमतीचतुर्वेदी, गणेश सिंह ठाकुर, डां.मेश्राम, चंदन विश्वकर्मा के हस्ते प्रतिभा सम्पन्न वरीयता स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को स्व तपन चक्रवर्ती रमृति बैहर टुनमिष्ट २०२५ के पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

शिवधाम मोहल्ले में अतिक्रमण हटाने धरना आंदोलन आज-प्रवीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के शिवधाम मोहल्ले में ८ दिसंबर को धरना आंदोलन का आयोजन किया गया है। यह आंदोलन ग्रामवासियों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर किया जाना हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए पूर्व जनपद सदस्य प्रवीण खरोले ने बताया कि वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर वारा रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जहां पर गत दिनों से मध्य भाग निर्माण के लिए आवागमन बंद कर दिया गया है। ऐसे में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के प्रारंभ से ही शिवधाम मार्ग को डाइवर्ट मार्ग घोषित कर दिया गया था। जहां से बड़ी मात्रा में ट्रैफ्फिक डायवर्ट किया गया था ग्राम में जो सड़क है वह ग्राम स्तर की पंचायत के द्वारा बनाई गई थी जो पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। वहीं आवागमन करने में सड़क क्षतिग्रस्त होने से कई दिक्कतें खड़ी हो गई है जिसके लिए हर बार प्रशासन से मांग की गई। किंतु अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है केवल यातायात को इस मार्ग पर मोड़ दिया गया है। जिससे यहां निवासरत लोगों को भी समस्या हो रही है। मार्ग पर सबसे बड़ी समस्या अतिक्रमण की है उस पर भी ध्यान नहीं दिया गया है । ऐसे में हमारे द्वारा शासन की अनदेखी के कारण धरना आंदोलन की रहा चुनना पड़ रहा है। हमारे द्वारा यह आंदोलन शिवधाम मोहल्ला मुख्य सड़क का सीमांकन करने, मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाने, उसके बाद मार्ग पर सड़क और नाली का निर्माण करने, इस मार्ग से अनियंत्रित गति से चल रहे वाहन एवं भारी माल वाहकों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर किया जाना हैं। इस अवसर पर अधिक संख्या में लोगो से उपस्थित होकर आंदोलन को सफ ल बनाने की अपील ग्राम सरपंच सूर्यभानसिंह पुसाम सहित वार्ड वासियों ने की हैं।

रमाबाई बुद्ध विहार में महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खास तौर पर दलितों पिछड़ों कमजोर एवं महिलाओं को समाज में समता , स्वतंत्रता ,बंधुत्व न्याय दिलाने वाले मसीहा बोधिसत्व डॉ भीमराव रामजी आंबेडकर का महापरिनिर्वाण ६ दिसंबर १९५६ की रात्रि में दिल्ली में हुआ । यह खबर सुनकर खासतौर पर उनके चाहने वालों में काफी शौक की लार छा गई । और चारों तरफ से उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा । लाखों की तादाद में उनके अंतिम संस्कार में लोग शामिल हुए । उनका अंतिम संस्कार मुंबई महाराष्ट्र में किया गया। जिसे आज चैत्य भूमि के नाम से जाना जाता है । तब से आज भी उनके चाहने वाले मुंबई चैत्य भूमि आते हैं । और आज भी हर जगह उनका महापरिनिर्वाण दिवस ६ दिसंबर को मनाया जाता है । इसी क्रम में दिनांक ६ दिसंबर २०२५ को नगर के रमाबाई बुद्ध बिहार में महापरिनिर्वाण दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम बिहार के प्रांगण में स्थित डॉक्टर भीमराव रामजी आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा के समक्ष बौद्ध उपासक उपासिकाओं के द्वारा मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्प हार एवं पुष्पों से स्वागत सत्कार किया गया । एवं गगन भेदी नारे जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा तेरा नाम रहेगा डॉ बाबासाहेब आंबेडकर अमर रहे अमर रहे आदि नारे लगाए गए । पश्चात २ मिनट का मौन रखकर अपने मसीहा को शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई । पश्चात सभी बौद्ध उपासक उपासिकायें बुद्ध बिहार पहुंचे । यहां पर तथागत बुद्ध की प्रतिमाओं के समक्ष मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्पमाला एवं पुष्पों से स्वागत सत्कार किया गया । डॉक्टर आर के डोंगरे के द्वारा सामूहिक त्रिशरण पंचशील एवं बुद्ध धम्म एवं संघ वंदना करवाई गई । एवं त्रिशरण पंचशील का हिंदी अनुवाद किया गया । इस दौरान हीरा मेश्राम ,वंदना दुफारे ,अरूणा गजभिए ,रुक्मणी रंगारे, सी एल डोंगरे ने अपने उद्बोधन के माध्यम से डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर के खास खास घटनाओं को सामने रखते हुए उनके कृतियों पर प्रकाश डालने का प्रयास किया। बाबा साहब का सारा जीवन अपने अनुयायियों के लिए समर्पित रहा । रमाबाई बुद्ध विहार के अध्यक्ष आनंद बंसोड़ ने कहा कि बाबा साहब ने सभी के लिए संविधान लिखकर समता स्वतंत्रता बंधुत्व न्याय की व्यवस्था कर समानता के लिए प्रयास किया। एवं अंत में आए हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इसी तरह हर कार्यक्रम में उपस्थित की अपील की और कहा कि बाबा साहब के द्वारा दी गई २२ प्रतिज्ञाओं का पालन प्रत्येक बौद्ध अनुयायियों को अनिवार्य रूप से करना चाहिए तभी हमारा सर्वांगीण विकास हो सकता है । कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में पी डी रंगारे, डी आर रावते ,बी जल मेश्राम ,बी एल खोबरागड़े ,पवन रेखा शिंदे , श्वेता चौहान, सीमा चौहान ,अर्चना राजकमल खोबरागड़े, ममता बंसोड़,प्रीति वासनिक, लता डोंगरे ,मंजूषा चौहान ,अर्चना खोबरागड़े आदि का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

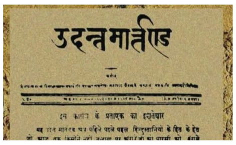

दो बड़े युद्ध वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ा ही रहे हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिकी टैरिफ नीति ने दुनिया में हलचल मचा दी है। इस बीच पश्चिमी प्रतिबंधों को झेल रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इस दौरे के जरिये यह संदेश देने की कोशिश की है कि रूस अकेला नहीं है।

समझौते का सन्देश

ऐसे वक्त में जब भारत, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहा है, ताकि उसके रूस से तेल खरीदने की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्कों में कटौती हो सके, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के चार वर्षों में पहली बार हुए दो दिवसीय भारत दौरे के पीछे छिपे कूटनीतिक संदेश अधिक गहरे हैं। इस दौरान पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी में जो गर्मजोशी दिखी, वह महज औपचारिकता नहीं, बल्कि इससे दोनों देशों के बीच सोवियत काल से चली आ रही घनिष्ठता का ही पुनःस्मरण होता है। हालांकि 2021 के कोविड प्रभावित संक्षिप्त दौरे के बाद पुतिन की यह यात्रा महत्वपूर्ण इसलिए भी है, क्योंकि तब से आज तक दुनिया काफी हद तक बदल चुकी है। दो बड़े युद्ध वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ा ही रहे हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिकी टैरिफ नीति ने दुनिया में हलचल मचा दी है। इस बीच पश्चिमी प्रतिबंधों को झेल रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इस दौरे के जरिये यह संदेश देने की कोशिश की है कि रूस अकेला नहीं है। वहीं भारत के लिए पुतिन का दौरा उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखने और ट्रंप की कठोर नीतियों से बदल रहे वैश्विक समीकरणों में संतुलन बनाने का एक अवसर बना। आपसी भरोसा भारत व रूस के संबंधों में हमेशा से एक केंद्रीय तत्व रहा है, जिसकी एक बार फिर पुष्टि तब हुई, जब पुतिन ने स्पष्ट कहा कि रूस तेजी से बढ़ते भारत के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति हर हाल में जारी रखेगा। गौरतलब है कि रूस भारत के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र कुडनकुलम में भी सहयोग कर रहा है। यही नहीं, नई दिल्ली का जल्द ही रूसी नागरिकों के लिए तीस-दिवसीय मुफ्त ई-पर्यटक वीजा और समूह पर्यटक वीजा शुरू करने का फैसला द्विपक्षीय सांस्कृतिक रिश्तों के लिहाज से अहम है। यह देखते हुए कि दोनों ही देश 2025 तक 50 अरब डॉलर के आपसी निवेश और 2030 तक 100 अरब डॉलर के वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पाने की ओर बढ़ रहे हैं, दोनों देशों के बीच एक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम और यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने पर सहमति भमहत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के संबंधों के ध्रुव तारे की तरह अटल बताया, तो पुतिन ने बाहरी दबाव के बावजूद साझा संबंधों में निवेश के लिए अपने भारतीय समकक्ष की प्रशंसा की। लिहाजा, समझौतों से इतम सर्वाधिक महत्वपूर्ण दोनों देशों द्वारा दिया गया संदेश कि उनकी द्विपक्षीय साझेदारी बढ़ती वैश्विक दरारों से अछूती रहेगी।

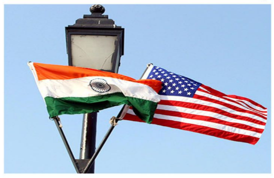

पुलिस अच्छा व्यवहार कर अपनी छवि बदल सकती है

हाल ही में 28से 30 नवंबर को रायपुर में प्रदेशों के पुलिस महानिदेशकों एवं पुलिस महानिरीक्षकों की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में माननीय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में देश की आंतरिक सुरक्षा के अंतर्गत माओवाद से लेकर महिला सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसे समस्त मुद्दों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने विजन 2047पर भी चर्चा की ताकि पुलिस आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हो सके। परंतु माननीय प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस को जनता में अपनी छवि सुधारनी चाहिए। पुलिस कई अच्छे काम करती है, परंतु अपने आप को जनता की सेवक के रूप में प्रस्तुत नहीं कर पाती।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पुलिस के पास रिस्पांस समय कम करने के लिए अर्थात मौके पर शीघ्र पहुंचाने के लिए अच्छी गाड़ियां होनी चाहिए। स्पीड के मामले में पुलिस को अपराधियों से एक कदम आगे होना चाहिए। पुलिस को एक साथ अच्छी कंपनी की नई गाड़ियां खरीदनी चाहिए। कानून-व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने पर या गंभीर अपराध घटित होने पर यदि पुलिस मौके पर जल्दी पहुंचती है तो लोगों का पुलिस में विश्वास कायम होता है।

सरकार की छवि बनाने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनता के बीच पुलिस सरकार का एक महत्वपूर्ण चेहरा है। इसलिए पुलिस का जनता व पीड़ितों के साथ व्यवहार अच्छा होना चाहिए। अर्थात मारपीट व गाली-गलौज से पुलिस को दूर रहना चाहिए। %कानून का राज% स्थापित करने के लिए जरूरी है कि पुलिस नियम-कानून (प्रोफेशनलिज्म) पर ज्यादा ध्यान दें। अर्थात कानून में प्रक्रियाओं का पालन पुलिस को बखूबी करना चाहिए। इसलिए जरूरी है कि बदलते हुए कानून और सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थापित सिद्धांतों के साथ पुलिस अपने आप को अपडेट रखें ।

प्रधानमंत्री का यह कहना था कि राज्य अपनी-अपनी पहल पर कई एप्लीकेशन तैयार करते हैं जो राज्यों की सीमा के भीतर लागू होते हैं, यह अच्छी बात है। परंतु कोशिश करें कि देश में सुरक्षा से जुड़े ऐसे एप्लीकेशंस में एकरूपता हो, क्योंकि एक नागरिक यदि दिल्ली से बैठकर नागपुर या चेन्नई जाता है, तो उसे रास्ते में बार-

बार राज्यों के पृथक-पृथक एप्लीकेशन ढूंढने की आवश्यकता न पड़े। जैसे देश में इमरजेंसी सेवा के लिए 112 सर्विस लागू की गई है, पुलिस सुरक्षा से जुड़ी हुई अन्य एप्लीकेशंस में भी इसी प्रकार की एकरूपता हो। महिलाओं में बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री जी का यह सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरकार का यह दावा है कि नक्सलवाद देश से 31 मार्च 2026तक समाप्त कर दिया जाएगा। सुरक्षा-बल इसी दिशा में लगातार आगे भी बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद पर काबू पाने के लिए पुलिस अधिकारियों की पीठ थपथपाई। परंतु यह भी स्पष्ट किया कि अब ऐसे इलाकों का विकास हो और वहां गवर्नेंस स्थापित हो ताकि लोगों की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके और उनके दुख-दर्द दूर किए जा सके। अर्थात, प्रशासनिक व राजनीतिक शून्यता ऐसे इलाकों से समाप्त की जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पुलिस द्वारा तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जो प्रशंसनीय है। परंतु तकनीक कभी भी मानवीय मूल्यों की पूर्ति नहीं कर सकता। इसलिए जरूरी है कि पुलिसकर्मी जनता से लगातार संपर्क बनाए रखें। जब भी कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होती है, ऐसे पुलिसकर्मी बहुत उपयोगी होते हैं जिनके जनता से संपर्क अच्छे होते हैं और वह खराब स्थिति को भी बहुत जल्द संभाल लेते हैं।

देश में आपदाओं से निपटने के लिए नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एन.डी.आर.एफ.) अच्छा काम कर रही है। गुलाबी (पिंक) वर्दी पहने हुए एन.डी.आर.एफ. के जवान जहां और जब भी आपदा से निपटने के लिए मौके पर पहुंचते हैं, प्रभावित लोगों को लगता है कि वे उनकी जान बचा लेंगे। यदि उनके साथ हमारे पुलिस जवान भी ऐसे मोको पर उनके साथ रहे तो पुलिस की छवि सुधर सकती है।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि पुलिस को महिलाओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। जहां भी संभव हो, महिला सुरक्षा के लिए तकनीक का उपयोग जरूर किया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को एक-एक थाना गोद लेना चाहिए और जो भी सुधार पुलिस में वे चाहते हैं, उन थानों में लागू करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक थाना अपने अंतर्गत दो-तीन स्कूलों को गोद ले और बच्चों से लगातार संपर्क रखें। न केवल बच्चों से संबंधित कानून से उनको विभिन्न तरीकों जैसे प्रस्ताव-राइटिंग पेंटिंग आदि के माध्यम से अवगत कराया जाए बल्कि उनसे बेहतर व्यवहार कर पुलिस के प्रति उनका रुख भी बदलने का प्रयास किया जाए।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि विशिष्ट स्थानो पर पर्यटकों की संस्कृति अनुसार और सुरक्षा के लिए पुलिस की विशिष्ट इकाई हो। ऐसी 50 पर्यटक स्थलों की मैपिंग करने के लिए कहा गया। नारकोटिक्सके विस्तार को रोकने के लिए प्रधानमंत्री ने कहा कि जेल के अंदर भी डि-एडिक्शन कार्यक्रम संचालित किए जाएं और अपराधियों की काउंसलिंग की जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अग्निवीर कुछ समय बाद पुलिस की भर्ती में आने लगेंगे, इसलिए उनके अनुभव का लाभ लिया जाए और उनके लिए रिजर्वेशन का प्रावधान किया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि जितने भी ऐसे ऑर्गेनाइजेशन जो सरकार द्वारा प्रतिबंधित है, उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए, ताकि कोई आतंकी घटना घटित न हो सके। पुलिस इस और भी ध्यान दें की जो डिवाइसेज आयात किए गए हैं उनकी स्पूफिंग न हो रही हो क्योंकि इससे न केवल निजता भंग होती है, बल्कि बाहरी लोगों को अपराध करने में भी सहायता मिलती है। अपराधों पर नियंत्रण करने के लिएजो कैमरे लगाए जाते हैं वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक-युक्त हो। इसी प्रकार सोशल मीडिया का उपयोग भी अर्बन पुलिसिंग में करने के लिए प्रधानमंत्री ने आह्वान किया।

-आर के विज
पुलिस पूर्व महानिदेशक, रायपुर

जीवन धारा

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी

एक नन्हा पक्षी अपने परिजनों से बिछड़ कर घोंसले से बहुत दूर आ गया था। नन्हा पक्षी समझ नहीं पा रहा था कि वह अपने घोंसले तक कैसे पहुंचे? वह उड़ान भरने की भरसक कोशिश कर रहा था लेकिन बार-बार कुछ ऊपर उड़कर नीचे गिर जाता। कुछ दूरी पर दो पक्षी यह दृश्य बड़े ध्यान से देख रहे थे। कुछ देर देखने के बाद वे नन्हे पक्षी के करीब पहुंचे। नन्हा पक्षी उन्हें देखकर थोड़ा घबरा गया। उन पक्षियों में से एक पक्षी थोड़ा बूढ़ा और समझदार था, उसने नन्हे पक्षी से पूछा, %क्या हुआ नन्हे पक्षी काफी परेशान दिख रहे हो?% वह बोला, %मैं रास्ता भटक गया हूं और मुझे शाम होने से पहले अपने घर लौटना है। मेरे घरवाले बहुत परेशान हो रहे होंगे। क्या आप मुझे उड़ना सिखा सकते हैं? मैं काफी देर से कोशिश कर रहा हूं पर कामयाबी नहीं मिल पा रही है।卐 बूढ़ा पक्षी (थोड़ी देर सोचने के बाद) बोला, %जब उड़ान भरना सीखा नहीं, तो इतनी दूर आने की क्या जरूरत थी?卐 वह नन्हे पक्षी का मजाक उड़ाने लगा। उसकी बातों से नन्हा पक्षी बहुत क्रोधित हो रहा था। बूढ़ा पक्षी हंसते हुए बोला, %देखो हम तो उड़ान भरना जानते हैं और अपनी मर्जी से कहीं भी जा सकते हैं।% इतना कहकर बूढ़े पक्षी ने नन्हे पक्षी के सामने पहली उड़ान भरी। वह थोड़ी देर बाद लौटकर आया और दो-चार कड़वी बातें बोल कर पुनः उड़ गया। ऐसा उसने पांच-छह बार किया और जब इस बार वह उड़ान भर कर वापस आया तो नन्हा पक्षी वहां नहीं था। बूढ़े पक्षी ने अपने मित्र से पूछा, %नन्हे पक्षी ने उड़ान भर ली न?% उस समय बूढ़े पक्षी के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। मित्र पक्षी बोला, %हां नन्हे पक्षी ने तो उड़ान भर ली लेकिन तुम इतना खुश क्यों हो रहे हो? तुमने तो उसका कितना मजाक उड़ाया था।卐 बूढ़ा पक्षी बोला, मित्र तुमने मेरी सिर्फ नकारात्मकता पर ध्यान दिया लेकिन नन्हा पक्षी मेरी नकारात्मकता पर कम और सकारात्मकता पर ज्यादा ध्यान दे रहा था। इसका मतलब यह है कि उसने मेरे मजाक को अनदेखा करते हुए मेरी उड़ान भरने वाली चाल पर ज्यादा ध्यान दिया और वह उड़ान भरने में सफल हुआ।卐 मित्र पक्षी बोला, %जब तुम्हें उसे उड़ान भरना सिखाना ही था, तो उसका मजाक बनाकर क्यों सिखाया?% बूढ़ा पक्षी बोला, %मित्र, नन्हा पक्षी अपने जीवन की पहली बड़ी उड़ान भर रहा था और मैं उसके लिए अजनबी था। अगर मैं उसको सीधे तरीके से उड़ना सिखाता, तो वह सारी जिंदगी मेरे उपकार के नीचे दबा रहता और आगे भी शायद ज्यादा कोशिश नहीं करता। मैंने उस पक्षी के अंदर छिपी लगन देखी थी। जब मैंने उसको कोशिश करते हुए देखा था, तभी समझ गया इसे बस थोड़ी-सी दिशा देने की जरूरत है और जो मैंने अनजाने में उसे दी और वह अपनी मंजिल पाने में कामयाब रहा।

जीवन में असफल हुए कई लोग वे होते हैं, जिन्हें इस बात का आभास नहीं होता कि जब उन्होंने हार मान ली तो वे सफलता के कितने करीब थे।

सीखः सच्ची मदद वही है, जो सहायता पाने वाले को यह महसूस न होने दे कि उसकी मदद की गई है। बहुत बार लोग मदद तो करते हैं पर उसका ढिंढोरा पीटने से नहीं चूकते, ऐसी मदद किस काम की। यह कहानी हम इन्सानों के लिए एक सीख है है कि हम लोगों की मदद तो करें पर उसे जताएं नहीं।

-थॉमस ए एडिसन

चेतना की स्वाधीनता

हम मनुष्य, इस विशाल ब्रह्मांड रूपी रंगमंच पर स्वयं को कर्ता, 'निर्णायक' की उपाधि से विभूषित करते हैं। हमारी चेतना का दीपक जलता है और हम सोचते हैं कि यह प्रकाश हमारी अपनी इच्छाशक्ति का है, जिससे हम जीवन के मार्ग की हर पगडंडी को अपनी मर्जी से चुनते हैं, ठीक वैसे ही जैसे नर्तक अपनी हर मुद्रा का चयन करता है। पर क्या यह अहंकार नहीं? क्या यह 'मैं करता हूं' का भाव मात्र एक मोहक आवरण नहीं है, जिसके पीछे 'हो रहा है' का सनातन सत्य छिपा है? अगर हम आंखें मूंदकर विचार करें तो पाएंगे कि हमारा हर चुनाव, एक जटिल समीकरण का अपरिहार्य हल है, न कि कोई स्वतंत्र आविष्कार। जब हम कोई संकल्प लेते हैं, तो वह संकल्प कहां से फूटता है? क्या वह अनायास हमारी आत्मा से प्रस्फुटित होता है, या वह पूर्वजन्मों के संस्कारों का, बाल्यकाल की स्मृतियों का, और इस क्षण मस्तिष्क में चल रहे त्रिगुणात्मक स्पंदनों (सत्त्व, रजस, तमस) का अनिवार्य परिणाम है?

यह हमारी जन्मकुंडली की तरह है। एक ऐसा सूत्रपात, जो उसी क्षण हो गया था, जब प्रकृति और पुरुष का संयोग हुआ। हमारे विचार उसी धारा के बुलबुले हैं, जिसे वंशानुक्रम, शिक्षा और परिवेश की शक्तियां अपनी दिशा देती हैं। हम जिस 'स्वतंत्रता' का दावा करते हैं, वह उस नदी की धारा जैसी हो सकती है, जो पहाड़ की ढलानों, चट्टानों के विन्यास और वर्षा की मात्रा से पहले ही निश्चित हो चुकी है। वह नदी बहने के लिए स्वतंत्र है, पर क्या वह अपनी दिशा चुनने के लिए स्वतंत्र है? उसका वेग और उसका मार्ग पहले से ही काल के मानचित्र पर अंकित है। यह ज्ञान, हमारे 'स्व' के सिंहासन को हिला देता है और हमें आत्म-नियंत्रण के एक गहरे विरोधाभास में उलझा देता है।

अगर हमारा 'निर्णय' केवल कर्मफल की एक अटूट श्रृंखला का हिस्सा है, जहां आज का विचार कल के अनुभव का फल है, और कल का अनुभव परसों के विचार को जन्म देगा, तो 'स्वाधीनता' कहां टिकती है? एक बात तो यह भी है कि स्वाधीनता की खोज हमने अपने भीतर कितनी की है, उसे पहचाना कितना है और उसे बरता कितना है। हम स्वयं को उस रथ के सारथी समझते हैं, जिसका नियंत्रण दरअसल रथ के अश्वों (इंद्रियों) और रास्ते (नियति) के हाथों में है। हमारी %इच्छाशक्ति% उस मोहग्रस्त यात्री की तरह है, जो यह मान बैठा है कि वह पहियों को घुमा रहा है, जबकि रथ स्वतः ही अपने पूर्व निर्धारित गंतव्य की ओर खिंचा जा रहा है।

हमारी नैतिक जिम्मेदारी का भव्य भवन इसी भ्रम पर खड़ा है। अगर किसी प्राणी ने घोर पाप किया, तो हमारी न्याय की तुला यह मानती है कि उसके पास धर्म का मार्ग चुनने का विकल्प था, लेकिन अगर उसके चित्त की गति, उसके पूर्व कर्मों की वासनाओं और उसके वर्तमान भौतिक तत्त्वों के मिश्रण से अपरिहार्य थी, तो हम उसे अपराधी कहकर कैसे दंडित करें? क्या वह केवल उस ब्रह्मांडीय नाटक का एक पात्र नहीं था, जिसने अपने विवश स्वभाव के कारण एक निश्चित भूमिका निभाई?

यह चिंतन हमें दंड और पुरस्कार की सारी अवधारणाओं पर पुनः विचार करने पर बाध्य करता है। अगर नियतिवाद ही अंतिम सत्य है, तो हमारी क्षमता क्या है? क्या संसार के सारे प्रयास, तपस्या और साधनाएं निरर्थक हैं, क्योंकि परिणाम तो पहले से ही तय है? इस

निराशा में भी, दर्शन का एक गुप्त मार्ग खुलता है। यह मार्ग हमें नियति के सम्मुख पूर्ण आत्मसमर्पण की ओर ले जाता है, जहां %मैं% के बोझ से मुक्ति मिलती है और ईश्वर की लीला या कर्म के विधान की सर्वोपरिता स्वीकार होती है। मगर चेतना का एक कोना अब भी विद्रोह करता है।

जब हम गहरे ध्यान में उतरते हैं, तो हमें लगता है कि हमारे भीतर एक अव्यक्त साक्षी है, जो प्रकृति के खेल को तटस्थ भाव से देख रहा है। यही वह शुद्ध बोध है, जो हमें माया के जंजाल से बाहर खींचने की क्षमता रखता है। संभव है कि हमारी भौतिक क्रियाएं (कर्म) और विचार (मन) नियति के अधीन हों, पर उस क्षण जब हम जानते हैं कि हम नियति के अधीन हैं, वही बोध ही हमारी एकमात्र और सच्ची स्वतंत्रता

अगर हमारा 'निर्णय' केवल कर्मफल की एक अटूट श्रृंखला का हिस्सा है, जहां आज का विचार कल के अनुभव का फल है, और कल का अनुभव परसों के विचार को जन्म देगा, तो 'स्वाधीनता' कहां टिकती है? हम स्वयं को उस रथ के सारथी समझते हैं, जिसका नियंत्रण दरअसल रथ के अश्वों (इंद्रियों) और रास्ते (नियति) के हाथों में है। हमारी 'इच्छाशक्ति' उस मोहग्रस्त यात्री की तरह है, जो यह मान बैठा है कि वह पहियों को घुमा रहा है, जबकि रथ स्वतः ही अपने पूर्व-निर्धारित गंतव्य की ओर खिंचा जा रहा है।

यह बोध, कर्म की बेड़ियों को नहीं तोड़ता, बल्कि उन बेड़ियों के अस्तित्व को जानने की स्वतंत्रता देता है।

इसलिए शायद कर्म (क्रिया) और विकल्प (चयन) का विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह द्वैत है। हमारा शरीर और मन प्रकृति के नियमों से बंधा है, पर हमारी आत्मा (चेतना) उन बंधनों को जानने और स्वीकारने के लिए स्वतंत्र है। यह 'ज्ञान' 'ज्ञान' ही वह दुर्लभ प्रकाश है, जो हमें 'मैं करता हूं' के अहंकार से मुक्त करता है और 'सब होता है' के अनासक्त भाव की ओर ले जाता है। 'मैं' और 'सब' को पहचानने की शक्ति हमें अनासक्ति तक पहुंचाती है और उसके बाद फिर अनासक्ति ही हमें नियति के लिखे को जीते हुए भी उससे ऊपर उठने की शक्ति देती है। यह आखिर यही प्रश्न छोड़ जाता है कि क्या हम वह पात्र हैं, जो विवशता में अभिनय कर रहा है, या वह साक्षी, जो उस अभिनय को केवल देख रहा है और क्या यह देखना ही वास्तविक स्वाधीनता है, जिससे हमारे चित्त की विवशता समाप्त होती है और चेतना परम स्वाधीनता को प्राप्त करती है।

-राजेंद्र मोहन शर्मा

इस जासूसी योजना के पीछे कौन थे?

अच्छी बात है कि भारत सरकार ने आम लोगों का विरोध देख कर संचार साथी योजना रद्द कर दी है। फिलहाल। सवाल लेकिन अभी भी यह है कि इस जासूसी योजना के पीछे कौन लोग थे और उनकी मंशा क्या थी! साइबर सुरक्षा के बहाने किस आला मंत्री या अधिकारी ने सोचा कि साइबर डकैतों को रोकने के लिए एक ऐसा ऐप बनाया जाए जो भारत में बनने वाले हर सेलफोन में डालना अनिवार्य किया जाए? इन सवालों के जवाब ढूंढ़ना इसलिए जरूरी है कि वैसे भी सरकारी नजर हमारे निजी जीवन पर कुछ ज्यादा होती है आजकल।

आम लोग बेशक इस सरकारी दखलंदाजी से बच सकते हैं, लेकिन अगर हर फोन में एक जासूस बैठाने की कोशिश सफल हो जाती, तो भारतीय लोकतंत्र दुनिया की दृष्टि में कमजोर दिखने लगेगा। इस किस्म की जासूसी होती है अक्सर रूस, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों में जहां लोकतंत्र नहीं, लोकतंत्र का ढोंग रचा जाता है झूठे चुनाव कराके। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अभी दिल्ली में थे, इसलिए बात उन्हीं से शुरू करते हैं। पुतिन का आधे से ज्यादा जीवन बीता था रूस की शक्तिशाली केजीबी में काम करते। यह ऐसी जासूसी संस्था है, जिसने शीत युद्ध के समय से जासूसी द्वारा अपनी विदेश नीति बनाई थी। जासूसी पर इतना भरोसा था रूस के कम्युनिस्ट शासकों को कि अपने जासूसों को पश्चिमी देशों में रहने के लिए भेजा करते थे, जहां उनको अपनी रूसी पहचान मिटा कर बिल्कुल स्थानीय नागरिक की तरह बनने बनने के लिए कहा जाता था। बरसों तक ये पकड़े नहीं जाते थे। इन चीजों के बारे में तब पता लगने लगा पश्चिमी देशों को जब, केजीबी के बड़े अफसर रूस से तंग आकर किसी दूसरे देश में भाग जाते थे। ऐसा ही एक आला अफसर था वसीली मित्रोखीन, जिसने रूस से भाग जाने के बाद केजीबी के सारे राज %मित्रोखीन आर्काइव% नाम की किताबों में बता दिए थे। इन किताबों के जरिए मालूम हुआ कि इंदिरा गांधी के कई मंत्री केजीबी से जासूसी के लिए वेतन लेते थे। यह भी मालूम हुआ कि कुछ वामपंथी पत्रकार भी रूस का साथ विचारधारा के आधार पर नहीं, पैसों के लिए दे रहे थे। इन चीजों से %संचार साथी% का क्या वास्ता है? गहरा वास्ता है, क्योंकि यह ऐप अगर डाले जाते हैं हमारे सेलफोन में, तो यकीन मानिए कि इनका असली काम साइबर सुरक्षा नहीं, जासूसी होगा। बिल्कुल वैसे, जैसे कुछ साल पहले सरकार ने %पेगासस% नाम का ऐप इजराइल से खरीद कर पत्रकारों, राजनेताओं, वामपंथियों और विरोधियों के मोबाइल फोन में डालने की कोशिश की थी। असल में बात साइबर सुरक्षा की है ही नहीं। चुनावों के नतीजे बताते हैं कि मोदी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है, तो प्रधानमंत्री अपने आपको इतना असुरक्षित क्यों महसूस करते हैं? क्यों नहीं उनमें कम से कम इतना आत्मविश्वास है जिसके बिना इतने बड़े देश को ढंग से चलाना मुश्किल है? थोड़ा-सा आत्मविश्वास दिखाते, तो संभव है कि विश्व के बड़े राजनेताओं में उनकी भी गिनती होती। राजनेता जितने बड़े हो जाते हैं, उतना ही वे अपने आपको असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। इस दौर में हाल यह है कि प्रधानमंत्री खुद अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं इतना कि पिछले ग्यारह साल में उन्होंने एक भी प्रेस वार्ता को संबोधित नहीं किया है। है। सच यह भी है कि जब भी कोई पत्रकार उनकी आलोचना करता है अपने किसी अनजान %पाडकास्ट% पर, तो उसके खिलाफ सरकार कार्रवाई किए बगैर नहीं रहती है। कुछ लोगों पर इतनी सख्त कार्रवाई होती है कि उनके %पाडकास्ट% ही बंद हो जाते हैं। इस तरह की जासूसी में नई कड़ी बनने वाला था %संचार साथी%। जब इसका विरोध होने लगा, तो सरकार ने पहले तो सफाई देने की कोशिश की यह कह कर कि इसको अपने फोन में डालना अनिवार्य नहीं होगा और इसको कभी भी हटाया जा सकता है, लेकिन बात नहीं बनी। इसलिए कि

सोशल मीडिया पर खूब हल्ला मचाया पत्रकारों और नेताओं ने। अभी के लिए इस योजना को सरकार ने वापस ले लिया है, लेकिन एक बार फिर नुकसान हुआ है नरेंद्र मोदी की निजी छवि का। न्यूयार्क में मुझे पिछले दस दिनों में ऐसे लोग मिले जिन्होंने स्पष्ट कहा कि उनकी नजरों में नरेंद्र मोदी एक लोकतांत्रिक राजनेता नहीं, तानाशाही फितरत के राजनेता हैं। ऐसा नहीं है कि यही बात डोनाल्ड ट्रंप के बारे में भी नहीं कही जाती है, लेकिन इसलिए कि ट्रंप रोज मिलते हैं पत्रकारों से और बेबाक तरीके से अपनी बातें रखते हैं, उनकी छवि अपने प्रधानमंत्री से थोड़ी बेहतर है।

चुनावों के नतीजे बताते हैं कि मोदी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है, तो प्रधानमंत्री अपने आपको इतना असुरक्षित क्यों महसूस करते हैं?

सोयाबीन तेल और तिलहन के दाम में सुधार, सरसों और मूंगफली स्थिर

सोयाबीन तेल में मौसम और मांग के चलते सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय बाजार में सर्दियों और शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग के चलते शनिवार को सोयाबीन तेल और अन्य तिलहन के भाव में सुधार देखा गया। बाजार सूत्रों के अनुसार कुछ आयातक बैंक ऋण भुगतान और लेटर ऑफ़ क्रेडिट को प्रचलन में रखने के लिए सोयाबीन डीगम तेल 6-7 प्रतिशत कम दाम पर बेच रहे हैं। इससे हाजिर बाजार के दाम प्रभावित हुए, जबकि अन्य आयातकों को नुकसान हुआ। आयात में कमी और बढ़ती घरेलू मांग के कारण सोयाबीन तेल के भाव में सुधार हुआ। सरकार ने पंजीकृत किसानों से एमएसपी पर कुछ मात्रा में सोयाबीन खरीदी की, लेकिन किसानों की पूरी ऊपज नहीं खरीद पाई। इसके परिणामस्वरूप बची हुई ऊपज किसानों द्वारा कमजोर हाजिर बाजार के भाव पर बेची जा रही है। वर्तमान में हाजिर बाजार का भाव एमएसपी से लगभग 16-17 प्रतिशत कम है। सटोरियों द्वारा भाव ऊंचा बोलने से पामोलीन के दाम में सुधार दिखा, लेकिन ऊंचे दाम और कमजोर मांग के कारण लिवाल कम रहा। मलेशिया एक्सचेंज शनिवार को बंद होने से कच्चा पामतेल के दाम स्थिर रहे। हल्के तेल होने और औद्योगिक मांग के कारण बिनौला तेल में मामूली सुधार देखा गया। सरसों तेल में मिलों के पास स्टॉक होने और ऊंचे दाम के कारण लिवाल प्रभावित रही, इसलिए भाव स्थिर रहे। मूंगफली तेल भी सामान्य कारोबार के बीच स्थिर बना रहा।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे-

सरसों तिलहन- 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल।
मूंगफली- 6,175-6,550 रुपये प्रति क्विंटल।
मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 14,500 रुपये प्रति क्विंटल।
मूंगफली रिफाइंड तेल- 2,370-2,670 रुपये प्रति टिन।
सरसों तेल दादरी- 14,650 रुपये प्रति क्विंटल।
सरसों पक्की घानी- 2,460-2,560 रुपये प्रति टिन।
सरसों कच्ची घानी- 2,460-2,595 रुपये प्रति टिन।
सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 13,525 रुपये प्रति क्विंटल।
सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 13,150 रुपये प्रति क्विंटल।
सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 10,450 रुपये प्रति क्विंटल।
सीपीओ एक्स-कांडला- 11,375 रुपये प्रति क्विंटल।
बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 12,575 रुपये प्रति क्विंटल।
पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,150 रुपये प्रति क्विंटल।
पामोलिन एक्स- कांडला- 12,150 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।
सोयाबीन दाना- 4,600-4,650 रुपये प्रति क्विंटल।
सोयाबीन लूज- 4,300-4,350 रुपये प्रति क्विंटल।

वैश्विक खाद्य कीमतों में नवंबर में गिरावट, उपभोक्ताओं को मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2025 में वैश्विक खाद्य कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। एफएओ का वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक 125.1 अंक पर रहा, जो अक्टूबर की तुलना में 1.2 फीसदी कम है और मार्च 2022 के रिकॉर्ड स्तर से करीब 22 फीसदी नीचे है। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर भी यह नवंबर 2024 की तुलना में 2.1 फीसदी कम रहा। दूध, तेल, चीनी और मीट जैसी प्रमुख वस्तुएं सस्ती हुईं, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली। हालांकि अनाज के दाम बढ़े। अनाज मूल्य सूचकांक नवंबर में 105.5 अंक पर पहुंचा, जो अक्टूबर से 1.8 फीसदी अधिक है। गेहूं के दाम 2.5 फीसदी बढ़े, कारण चीन का अमेरिका से बड़ा आयात, ब्लैक सी क्षेत्र में तनाव और रूस में कम बुवाई का अनुमान है। मक्के की कीमतें ब्राजील में मजबूत मांग और अर्जेंटीना-ब्राजील में बारिश के कारण बढ़ीं। जौ और ज्वार की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई, जबकि चावल मूल्य सूचकांक 1.5 फीसदी घटा। खाद्य तेल मूल्य सूचकांक 165 अंक पर पहुंचा, जिसमें 2.6 फीसदी की कमी आई। पाम, सूरजमुखी और रेपसीड तेल सस्ते हुए, जबकि सोया तेल ब्राजील में बढ़ती बायोडीजल मांग के कारण महंगा हुआ। चीनी मूल्य सूचकांक 88.6 अंक पर पहुंचा, जो अक्टूबर से 5.9 फीसदी और पिछले साल से 29.9 फीसदी कम है। ब्राजील में गन्ना इथेनॉल की बजाय चीनी उत्पादन में गया, भारत में फसल अच्छी रही और थाईलैंड में अनुकूल मौसम ने उत्पादन बढ़ने की उम्मीद को मजबूती दी। नवंबर 2025 उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा रहा, क्योंकि अधिकांश खाद्य वस्तुएं सस्ती हुईं, जबकि अनाज के कुछ उत्पादों में कीमतों में उछाल देखने को मिला।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कई महत्वपूर्ण उपाय घोषित किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने और देरी के कारण यात्रियों को हो रही परेशानियों को देखते हुए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कई महत्वपूर्ण राहत उपायों की घोषणा की है। दोनों एयरलाइनों ने बताया कि इन कदमों का उद्देश्य फंसे हुए यात्रियों को शीघ्र गंतव्य तक पहुंचाना और किराए में अनिश्चित बढ़ोतरी को रोकना है। एयरलाइनों ने 4 दिसंबर से घरेलू नॉन-स्टॉप उड़ानों में इकोनॉमी क्लास किराए सीमित करने का फैसला किया है, ताकि व्यवधान की स्थिति में अचानक बढ़ते किराए से यात्रियों को बचाया जा सके। साथ ही, दोनों कंपनियां नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 6 दिसंबर को जारी नए किराया निर्देशों का पालन कर रही हैं। यात्रियों को और सुविधा देने के लिए टिकट बदलने व रद्द करने पर एक बार की विशेष छूट दी गई है। जिन यात्रियों ने 4 दिसंबर तक टिकट बुक की है और जिनकी यात्रा 15 दिसंबर तक प्रस्तावित है, वे 8 दिसंबर तक बिना किसी शुल्क के तारीख बदल सकते हैं या फिर पूरा पैसा वापस पा सकते हैं। हालांकि नई तारीख चुनने पर किराए का अंतर लागू होगा। यात्रियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए दोनों एयरलाइनों ने 24 घंटे कॉल सेंटर में अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया है। यात्रियों के लिए वेबसाइट, मोबाइल ऐप और व्हाट्सऐप चैटबोट के माध्यम से भी सहायता उपलब्ध है। उड़ानों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एयरलाइंस अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रही हैं।

इस सप्ताह महंगाई, विदेशी निवेश और वैश्विक संकेत रहेंगे फोकस में

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए आगामी सप्ताह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार 12 दिसंबर को खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े जारी करेगी। अक्टूबर में महंगाई लगभग 0.25 फीसदी दर्ज की गई थी। इस बार यदि महंगाई नियंत्रित रहती है, तो निवेशकों को राहत मिलेगी और बाजार में तेजी की उम्मीद बढ़ सकती है। वहीं महंगाई बढ़ने की स्थिति में बाजार सतर्क रवैया अपना सकता है। उसी दिन विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक वृद्धि (जीडीपी) से जुड़े आंकड़े भी सामने आएंगे। विदेशी मुद्रा भंडार में उतार-चढ़ाव रुपये की स्थिति और विदेशी निवेश धारणा पर असर डालता है, जिससे बाजार की दिशा पर सीधे प्रभाव पड़ता है। वैश्विक कारक भी अगले सप्ताह बाजार को प्रभावित करेंगे। अमेरिका की फेडरल रिजर्व बैठक से ब्याज दरों पर फैसला आएगा। दरों में स्थिरता या कटौती का संकेत भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहेगा, जबकि बढ़ोतरी या सख्त रुख की स्थिति वैश्विक बाजारों में दबाव ला सकती है। इसके अलावा अमेरिका के रोजगार डेटा, औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति से जुड़े संकेत भी निवेशकों की नजर में रहेंगे।

हाल ही में रूस-भारत संबंधों में प्रगति हुई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और संस्कृति समेत 16 समझौते किए। पुतिन ने भारत को ईंधन की निरंतर आपूर्ति का आश्वासन भी दिया। वहीं, अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते की बातचीत भी जारी है। निवेशक इस संतुलन और सकारात्मक संकेतों पर नजर रखेंगे। मिडकैप और स्मॉलकैप में हाल की कमजोरी के बाद मूल्य आधारित खरीदारी लौट सकती है। आईटी और मेटल सेक्टर पर निगाह बनी रहेगी। ऊर्जा और एफएमसीजी सेक्टर में फिलहाल स्थिर दृष्टिकोण रहने की संभावना है।

बच्चों के भविष्य की सुरक्षा के लिए एलआईसी ने पेश की अमृत बाल' पॉलिसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना हर माता-पिता की प्राथमिक चिंता बन गई है। बढ़ती शिक्षा लागत, प्रोफेशनल कोर्स की फीस और शादी जैसे बड़े खर्चों को देखते हुए एलआईसी ने 'अमृत बाल' पॉलिसी लॉन्च की है। यह पॉलिसी बच्चों के लिए दीर्घकालिक बचत और बीमा सुरक्षा दोनों प्रदान करती है। 'अमृत बाल' नॉन-लिंक्ड लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी विशेष रूप से बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बनाई गई है। इस पॉलिसी को बच्चे के नाम पर लिया जा सकता है, जिसकी उम्र न्यूनतम 30 दिन और अधिकतम 13 वर्ष हो सकती है। पॉलिसी मैच्योरिटी बच्चे की उम्र 18 से 25 वर्ष पर मिलती है, जिससे शिक्षा, करियर या शादी के महत्वपूर्ण अवसरों पर आर्थिक मदद उपलब्ध होती है। इस योजना में न्यूनतम बीमा राशि 2 लाख रुपए है, जबकि अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं है। ग्राहक मासिक, तिमाही, छमाही या वार्षिक प्रीमियम भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा सिंगल प्रीमियम या 5, 6 और 7 साल की सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि का विकल्प भी उपलब्ध है। पॉलिसी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से आसानी से खरीदी जा सकती है। पॉलिसी में वेवर बेनिफिट राइडर भी शामिल है, जो माता-पिता की अचानक मृत्यु या गंभीर स्थिति में बाकी प्रीमियम माफ करता है। इसके अलावा हर साल मिलने वाला गारंटीड बोनस निवेश को और मजबूत बनाता है। जरूरत पड़ने पर पॉलिसीधारक शर्तों के अनुसार लोन भी ले सकते हैं।

इस सप्ताह देशभर में सोने-चांदी के दामों में तेजी जारी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में सोने की कीमतों में इस हफ्ते तेजी जारी रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है, जो पिछले सात दिनों में 330 रुपये की बढ़ोतरी है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,19,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,30,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,31,350 रुपये और 22 कैरेट 1,20,400 रुपये प्रति 10 ग्राम है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की चमक कायम है। सोना हाजिर बाजार में 4,223.76 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे कीमतों में और तेजी आने की संभावना है। दिल्ली में पिछले 10 दिनों में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। 24 कैरेट सोना 12,861 रुपये से बढ़कर 13,030 रुपये प्रति ग्राम हो गया है। 22 कैरेट सोना भी इसी अवधि में 11,790 रुपये से बढ़कर 11,945 रुपये प्रति ग्राम पर पहुंचा है। वहीं सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त तेजी है। 30 नवंबर को 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही चांदी वर्तमान में 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 58.17 डॉलर प्रति औंस दर्ज की गई है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह जल्द ही 70 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। इस साल सोने में अब तक 60 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो निवेशकों के लिए आकर्षक विकल्प बना हुआ है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपको किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचना होगा। आपको अपने भाई के स्वास्थ्य को लेकर यदि कोई चिंता है, तो आप उनके कुछ जरूरी टेस्ट आदि अवश्य कराएं। घूमने जाने के लिए आप योजना बना रहें हो, तो आपको अपने माता-पिता से पूछकर जाना बेहतर रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए बेहतर रहेगा। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी, लेकिन आपके मन में आज कुछ कामों को लेकर उलझनें रहेगी, जिनको लेकर आप बिल्कुल आगे ना बढ़ें। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपको अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आप यदि किसी परिजन से कोई मदद मांगेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आगे आएंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए किसी कानूनी मामले में बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि आपको अच्छी सफलता हासिल होगी और आपके कोई मन की इच्छा भी पूरी हो सकती है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लगने से माहौल खुशनुमा रहेगा, तो किसी बात को लेकर कोई वैचारिक मतभेद हो, तो आप उसमें अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखें और आपकी बेवजह क्रोध करने की आदत के कारण आपकी समस्याएं बढ़ेंगी, इसलिए आपको अपनी आदत में बदलाव लाना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में थोड़ा कम़जोर रहेगा। सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से आपका मन रहेगा। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं दिखानी है। किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी। आप किसी को धन को लेकर सलाह देने से बचें। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आपकी तरक्की के मार्ग रास्ते खुलेंगे। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। घर में सुख-सुविधाओं की वस्तुओं की खरीदारी पर आप अच्छा खासा खर्चा करेंगे, लेकिन आपको अपने भाई- बहनों से किसी बात को लेकर खरी खोटी सुनने को मिल सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा और आपकी शत्रु भी आपके मित्र बन सकते हैं। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको अपने सगे संबंधियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपका कोई करीबी दोस्त आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकता है, जो आपके लिए बेहतर रहेगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों का अच्छा समय बीतेगा। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। विदेशो से व्यापार कर रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिसको लेकर आपको ढील बिल्कुल नहीं देनी है।

धनु- आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। संपत्ति से भी आपको अच्छा फायदा होगा और यदि आपने कोई पुराना इन्वेस्टमेंट किया था, तो उससे भी आपको अच्छे बेनिफिट मिलते दिख रहे हैं। आप आय को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन फिर भी आपको थोड़ा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आप अपने कामों में कोई बदलाव बहुत ही सोच समझकर करें।

मकर- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। पारिवारिक संपत्ति को लेकर यदि कोई वाद-विवाद बात चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। अवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नये मेहमान की दस्तक हो सकती है। माता-पिता के सहयोग से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप दिखावे के चक्कर में ना पड़ें और संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए आप कहीं बाहर भेज सकते हैं।

मीन- आज आपका मान सम्मान बढ़ने से आपको खुशी होगी और कार्यक्षेत्र में भी आपको कोई पुरस्कार आदि मिल सकता है। आप बड़ों की बातों पर पूरा ध्यान दें और आप अपनी किसी शारीरिक समस्या को लेकर आपने किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं। यदि आपने किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ आपका अच्छा समय बीतेगा।

शब्दजाल - 8103

शब्द जाल में स्मिता पाटिल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

हा	द	सा	ला	प	र	तू	ग	झ	क	नि
ग	ल	च	ह	रिं	मं	डी	दि	शा	को	शां
इ	पु	म	र	दा	ल	ग	र	ला	ल	त
कु	दा	रु	धा	ण	क	प	म	श	र	म
आ	श	न्न	ष	क	दा	री	ग	न	ता	द
रं	क्रो	प	व	गा	र्त	स	ती	प	ह	ती
गा	ल	श	अं	प	म	प	चो	ला	व	क
बा	अ	र्थ	ला	क	छ	श	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	च	ज	द	क्ति	जू	नी	द
र	ल	प	ति	रं	ऋ	ऐ	बें	न	रु	थे
ड	स	न	म	क	ह	रा	म	प	क	र

हादसा, मंडी, चक्र, आक्रोश, निशांत, गमन, नमक हराम, चरणदास चोर, शक्ति, अर्थ

शब्दजाल - 8102 का हल

शा	न	मे	रि	का	पा	तू	फा	रु	ही	क
न	ख	क	ह	इं	ड्रे	ने	त	या	इ	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	हे	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	जी	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	ड्री	स	रा	ल	क	ला
गी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7047

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7046

ब्लै	क	मे	ल		सौ	दा	ग	र	
	र्ज		की	म	त		द		माँ
आं		सू	र		न	फ	र	त	
दो	रा	हा		खे		की		नु	
ल		ग	ज	ल		रा	जा	जा	नी
न			मी		सं		ल		य
	गॅ	वा	र		जो	र		अं	त
को		रि		आ	ग		जो	श	
ह	व	स		द		खु	शी		लै
रा			ज	मी	न		ला	ड	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2025 वर्ष का 342 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 16.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 02.53 बजे रात्र को समाप्त।
योग ब्रह्म 17.02 बजे को समाप्त।
करण बालव 16.04 बजे तदनन्तर कौलव 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872552
जूलियन दिन 2461017.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 16

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.09 बजे से
चंद्र	कर्क में	मकर	09.14 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	11.01 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	14.04 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.44 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.42 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.56 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.12 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	कन्या	00.24 बजे से
		तुला	02.34 बजे से
		वृश्चिक	04.49 ब.से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05.53 से 07.22 बजे तक	चर	05.43 से 07.14 बजे तक
काल	07.22 से 08.50 बजे तक	रोग	07.14 से 08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से 10.19 बजे तक	काल	08.45 से 10.17 बजे तक
रोग	10.19 से 11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से 11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से 01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से 01.19 बजे तक
चर	01.17 से 02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से 02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से 04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से 04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से 05.43 बजे तक	चर	04.22 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः न्याय का सम्मान

इंग्लैंड के मुख्य न्यायाधीश के सामने सम्राट एडवर्ड सप्तम अपराधी के रूप में खड़े थे। सम्राट ने स्वयं अपने अपराध का विवरण देते हुए न्यायाधीश से न्याय की मांग की। न्यायाधीश को समझ में नहीं आया कि अपने सम्राट को क्या सजा दी जाए, मगर बिना कुछ व्यवस्था दिए भी स्थिति को टाला नहीं जा सकता था। उसने काफी सोच- विचार के बाद निर्णय दिया, 'चूंकि मामला सम्राट का है इसलिए इसकी न्याय प्रक्रिया भी विशेष होनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि मामले को उन सब न्यायालयों को भेजा जाए जो सम्राट की शासन-सीमा में आते हैं। फिर सभी न्यायाधीशों के बहुमत को ही उचित ठहराया जाए।' सम्राट समझ गए कि न्यायाधीश ने चतुराई से अपनी बला दूसरे के सिर मढ़ दी है, लेकिन मुख्य न्यायाधीश के निर्णय को भला चुनौती कौन देता! जिन-जिन देशों में एडवर्ड सप्तम का शासन फैला था उन-उन देशों के न्यायालयों में वह केस न्याय के लिए भेज दिया गया। एक निश्चित समय के भीतर सब अदालतों ने अपना निर्णय इंग्लैंड भेज दिया किंतु उन सभी फैसलों में सम्राट को क्षमा किया गया था, हालांकि युक्तियां तर्क और दांव-पेच सबके भिन्न थे। हां मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस सर टी. मुथ्थुस्वामी ने अपना निर्णय लिखा, 'हमें सबसे पहले तो यह बात भूलनी होगी कि फैसला सम्राट के केस का है। क्योंकि कानून की नजर में न कोई सम्राट होता है और न भिखारी। फिर न्यायालय का यह भी कर्त्तव्य हो जाता है कि फैसला इस ढंग से दिया जाए कि वह एक उदाहरण बन सके। मेरे विचार से सम्राट का ताज उतार कर एक करोड़ सिक्कों में उन्हें नंगे सिर वाला दिखाया जाए और उन सिक्कों को पूरे साम्राज्य में फैला दिया जाए। मैं समझता हूं कि सम्राट की शोभा भी इसी में है कि वह इस फैसले से स्वयं को अपमानित न महसूस कर इसे सहर्ष शिरोधार्य करें।' सम्राट ने सर मुथ्थुस्वामी का फैसला मान लिया।

सूडोकु नवताल- 7356

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7355 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 8571

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8570 का हल

ह	क		सा	ग	र		म	जा
द	म	न		म	वा	ली		म
	र	म	ल		ना	प	ना	
स		क	ह	र		ना	का	म
ली	न		जा	त	क		रा	जा
का	र	क		न	ह	र		क
	म	म	ता		वा	च	न	
ना		ल	क	वा		ना	य	क
व	र		त	र	फ		न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

बहेला सोसायटी में 7 दिन बाद भी नहीं हुई धान खरीदी प्रारंभ

किसानों ने जांच कर की दोषियों पर कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज़। लॉजी।

जिले में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। धान की खरीदी करने हेतु सोसायटियों के द्वारा तैयारियां पूर्ण कर किसानों की धान खरीदी के लिये स्लॉट भी बुक होना प्रारंभ होकर किसान खरीदी केन्द्रो तक अपनी उपज को लेकर पंहुच भी रहा है तथा केन्द्रों में किसानों की धान का तौल प्रारंभ होकर खरीदी की जा रही है। लेकिन लांजी क्षेत्र के ग्राम बहेला में सेवा सहकारी समिति मर्यादित बहेला पंजीयन क्रमांक 621 में 1 दिसंबर से लेकर 7 दिसंबर तक धान की खरीदी नही की गई। बतादे कि बहेला सेवा सहकारी समिति के अन्तर्गत आने वाले ग्राम जिनमें बहेला, सीतापाला, रिसेवाड़ा, ठेमा, अमेड़ा, जामुनटोला, अंधियाटोला, कट्टीपार आदि ग्राम के किसान उक्त केन्द्र में धान लेकर पंहुचते है। 1 दिसंबर से जारी खरीदी के तहत किसानों को स्लॉट बुकिंग हेतु संदेश भी प्राप्त हो चुके तथा कुछ किसानों के द्वारा स्लॉट बुकिंग कर लगभग 1500 कट्टे खरीदी केन्द्र में लाया भी गया है। लेकिन विगत 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक किसी भी प्रकार से इन किसानों का धान तौला नही गया है। इसके पीछे कारण जानने पर संबधित अधिकारी कर्मचारियों ने बताया कि बारदानों का नही होना, बारदानो में छापा नही लगा होना, बोरो की सिलाई करने वाले ऑपरेटरो का नही होना साथ अन्य कारणों के चलते अब तक धान की खरीदी नही की जा सकी है।

किन कारणों से अब तक नहीं हुई खरीदी जांच की जाएं -

बहेला सेवा सहकारी समिति में 1 दिसंबर से लेकर 7 दिसंबर तक जिन किसानों ने अपनी धान लाकर रखा है लगभग 1500 कट्टे बताये जा रहे है। वर्तमान में जब तक खरीदी नही होती तब तक रोजाना इन किसानों को दिन रात इस कड़ाके की ठण्ड में भी अपने धान को तकना या रखवाली करना पड़ रहा है। दिन में तो किसान रखवाली कर लेता है लेकिन रात्रि में किसानों को अपनी उपज की रखवाली करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं किसानो का कहना है कि शासन की तरफ से हमें स्लॉट प्राप्त हुये है तथा उसी आधार पर हमारे द्वारा धान केन्द्रों तक लाई जा रही है तथा यहां आने पर पता चलता है कि धान की खरीदी नही हो पा रही है और किसानों को जब तक उनकी धान खरीदी नही हो जाती तब तक उसकी रखवाली करना पड़ रहा है। वहीं किसानों ने मांग की है क्यों 1 दिसंबर से आज 7 दिसंबर तक खरीदी नही हो पाई इस संबध में जांच की जाये तथा जिसके द्वारा भी इस संदर्भ में लापरवाही बरती गई है उन पर नियमानुसार कार्यवाही की जानी चाहिये।

इनका कहना है-

उक्त संबध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कमलचंद सिंहसार से जानकारी ली गई तो उन्होने कहा कि अब तक ऐसी कोई जानकारी नही आई है। यदि खरीदी नही कि गई है तो जांच करवाकर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

बोलबम चौक में किया गया वृक्षारोपण

फलदार सहित अन्य प्रजातियों के पौधे लगाए

पद्मेश न्यूज़। लॉजी। लांजी नगर परिषद अन्तर्गत वार्ड क्रमांक 15 बोल बम चौक में बोल बम सेवा समिति एवं वार्ड वासियों के द्वारा बोल बम चौक में 6 दिसंबर को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बतादे कि वार्ड वासियों के द्वारा करीब 25 फलदार, फुलदार सहित अन्य प्रजातियों के वृक्षों को रोपण हेतु लाया गया तथा उन्हे विधिवत रोपा जा कर उनकी सुरक्षा हेतु गार्डिन्ग भी की गई है। जिसमें नगर परिषद लांजी की सहायता प्राप्त हुई है। सभी वृक्षों को सुरक्षित रोपा गया तथा वार्ड वासियों के द्वारा संकल्प लिया गया है सभी रोपे गयें पौधों की सुरक्षा की जावेगी समय समय पर इनको खाद्य, पानी प्रदान वार्ड वासियों के द्वारा किया जायेगा। इस दौरान बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव सहित अन्य वार्ड वासी उपस्थित रहे सभी के द्वारा उक्त पौधो का रोपण किया गया। वहीं आपने यह भी बताया कि हमारा लक्ष्य है कि हम बोल बम चौक सहित अन्य मार्ग के आस पास और भी अधिक पौधो का रोपण करेंगे , इस हेतु अग्रिम कार्यवाही जारी है जल्द ही मार्गो पर फलदार, फुलदार, ईमारती पौधो का रोपण किया जायेगा। आपने नगर परिषद लांजी को सहयोग के लिये धन्यवाद प्रेषित किया गया है।

खेडुलें कुनबी समाज का हुआ गठन

लक्ष्मण नाकतोड़े बने कार्यकारी अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज़। लॉजी। लांजी एवं किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले समस्त खेडुलें कुनबी समाज की बैठक विगत चार सप्ताह से चल रही थी, जिसमें नवीन कार्यकारिणी का गठन, सामाजिक रीतिरिवाज़ों एवं समाज कल्याण एवं उत्थान को लेकर चर्चा की गई। इसी तारतम्य में 7 दिसम्बर को भानेगांव के शीतला माता मंदिर परिसर में बैठक आहूत की गई, जिसमें सर्वसम्मिति से लक्ष्मण नाकतोड़े पूर्व सरपंच टेडवा को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। आगामी दिनों में इनके सानिध्य में समाज को नई दिशा एवं कार्यकारणी सदस्यों का विस्तार किया जाएगा। इस दौरान छोटेलाल भागड़कर, राधेश्याम नखाते, छन्नूलाल पारधी, रमेश रावते, तानुलाल बुराड़े, शेषराम नाकतोड़े, तेजलाल रावते, भिवराम नाकतोड़े, दिनेश चोरनेले, संतोष नाकतोड़े, कमल डिवठे, योगेश्वर खरखाटे, मुरलीधर नखाते, भूपेंद्र भागड़कर, संजय बुराड़े, संतोष दोनाड़कर, शिवराम नाकतोड़े, गणपत बेदरे, उमेंद्र टोंडरें, इंद्रकुमार ठाकरे, भुनेश्वर रावते, धीरेन्द्र बुराड़े, रूपेश कुथे, प्रभुशंकर भर्रे, सीताराम रावते, प्रकाश आठोडे, जागेश रावते, पप्पू कुथे, विशाल कुथे, भूपेन्द्र बेदरे, भोला भगत, भुनेश्वर रावते, गुड्डु कार, प्रकाश बेदरे, नरेंद्र रावते, प्रकाश रावते, मनीराम ढ़ोरे, बुधराम बुराडे, सुभाष ठाकरे, वेदप्रकाश रावते, तुलसी बुराडे, दिनेश बेदरे, यशवंत सिल्हारे, अंकित कुथे, मनोज ठाकरे, सुरेश रावते आदि सदस्यगण उपस्थित रहे।

जैन कलार सेवा न्यास (ट्रस्ट) लांजी की नई प्रबंध कार्यकारिणी का गठन 13 दिसंबर को

पद्मेश न्यूज़। लॉजी। जैन कलार सेवा न्यास (ट्रस्ट) लांजी की नई प्रबंध कार्यकारिणी का गठन आगामी 13 दिसंबर 2025 (शनिवार) को श्री कलार समाज भवन, आमगांव रोड, लांजी में किया जाएगा। वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस कार्यकारिणी के गठन (चुनाव) प्रक्रिया में केवल संस्थापक सदस्य एवं आजीवन सदस्य ही मतदान करने के पात्र होंगे। समाज के नए इच्छुक सदस्यों का न्यास में हार्दिक स्वागत है। जो नए व्यक्ति नई कार्यकारिणी के गठन में भाग लेना चाहते हैं, वे 12 दिसंबर 2025 तक संस्थापक सदस्यता अथवा आजीवन सदस्यता की राशि जमा करके चुनाव प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। सदस्यता राशि जमा करने के लिए इच्छुक नए सदस्य 12 दिसंबर 2025 तक प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे के बीच कार्यालय श्री कलार समाज भवन, आमगांव रोड, लांजी में संपर्क करें।

वीरांगना रानी अवंतीबाई विद्यालय में नवोदय मॉक टेस्ट परीक्षा संपन्न

पद्मेश न्यूज़। लॉजी। नगर के वीरांगना रानी अवंतीबाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रविवार 7 दिसंबर 2025 को आलोक संघ एवं छू लो आसमान किसने रोका है नवोदय जागृति अभियान के तहत नवोदय प्रवेश परीक्षा का मॉक टेस्ट सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस मॉक परीक्षा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के कक्षा 5वीं के छात्र-छात्राओं को 13 दिसंबर 2025 को होने वाली मुख्य जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तैयारी कराना और उन्हें वास्तविक परीक्षा का अनुभव देना था।

परीक्षा में कुल 106 पंजीकृत छात्र-छात्राओं में से 96 बच्चे उपस्थित रहे। पिछले पांच वर्षों से निरंतर चल रहे इस अभियान को आलोक संघ ब्लॉक लांजी एवं छू लो आसमान किसने रोका है की डायरेक्टर श्रीमती साक्षी लिल्हारे तथा जीएसटी कमिश्नर जबलपुर लोकेश लिल्हारे के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।

आलोक संघ ब्लॉक अध्यक्ष राजेश मस्करे के विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा परीक्षा व्यवस्था में सहयोग किया।

परीक्षा निरीक्षण एवं संचालन में अवंती साधना मंच के पूर्व अध्यक्ष सेवानिवृत्त प्राचार्य टी.डी. लिल्हारे, सेवानिवृत्त शिक्षक सुखचंद लिल्हारे, रुपलाल मस्करे, भरत नेवारे, प्रशांत मेश्राम, पार्षद किशोर रामटेक्कर (वार्ड क्र. 9), पवन कश्यप, सेवानिवृत्त प्राचार्य टी.डी. बिहोने, शिक्षक जे.डी. हनोते एवं श्रीमती ममता उमरे आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यालय की शिक्षिकाओं श्रीमती दमयन्ति राणे, कुमारी पुनम नेवारे, कु. दिक्षा कुशले, श्रीमती काजल किरमे तथा परिवेक्षक के रूप में श्रीमती प्रेमकुमारी तिड़के, कु. आंचल भंडारकर, कु. रिया भोंडेकर, झनकार कुशले, श्रीमती छाया हरिनखेड़े, कु. रोशनी वासनिक, श्रीमती भारती धारणे, श्रीमती सुचिता विजयवारे, श्रीमती पूर्णिमा पटले, श्रीमती वंदना बोहने, श्रीमती नम्रता दुरुगकर, श्रीमती तुमेश्वरी एड़े एवं श्रीमती सरिता नेवारे का सराहनीय योगदान रहा।

विद्यालय के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले ने परीक्षा को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराया तथा सभी परीक्षार्थियों व उनके अभिभावकों को 13 दिसंबर को होने वाली मुख्य नवोदय परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं।

आलोक संघ ब्लॉक अध्यक्ष राजेश मस्करे ने बताया कि इस तरह के मॉक टेस्ट से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे मुख्य परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। पिछले वर्षों में इस अभियान से जुड़े कई बच्चे नवोदय विद्यालय में चयनित भी हो चुके हैं।

गणित-विज्ञान ओलंपियाड परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

24 शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंड्री स्कूलों के 439 विद्यार्थी हुए शामिल

पद्मेश न्यूज़। लॉजी। मध्य प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों हेतु आयोजित जिला स्तरीय गणित एवं विज्ञान ओलंपियाड परीक्षा रविवार 07 दिसंबर 2025 को विकासखंड मुख्यालय स्तर पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विकासखंड लॉजी के परीक्षा केंद्र क्रमांक 234508 शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लॉजी में यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई।

पहली पाली (विज्ञान) प्रातः 11ः00 बजे से 01ः00 बजे तक तथा दूसरी पाली (गणित) दोपहर 02ः00 बजे से 04ः00 बजे तक चली। केंद्र पर कुल 507 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। इसमें पहली पाली में 403 विद्यार्थी उपस्थित रहे जबकि 104 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 439 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 68 अनुपस्थित रहे।

विकासखंड लॉजी के अंतर्गत आने वाले 24 शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंड्री स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित एवं विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना, उनकी मानसिक क्षमता का विकास करना तथा भविष्य में इन विषयों में बेहतर योगदान देने हेतु उन्हें तैयार करना है।

परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा कोई भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। केंद्राध्यक्ष के रूप में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डी.के. फुल्लारे, सहायक केंद्राध्यक्ष रविता टांडेकर, परीक्षा लिपिक जी.आर. चिखले एवं महेश ढोक तथा 29 पर्यवेक्षकों पवन चौधरी, आर.जी. नगपुरे, बी.एस. सोनवाने, आर.के. नागदेवे, भूमेश्वरी बघेल, नंदकिशोर मेश्राम, मनोज नेवारे, मुनेश्वर उइके, पद्मा धारने, निशा सोलंकी, निशा पटले, रीता घोंगडे, आनंद सोनकर, सोविंद येडे सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यालय के चार भृत्यों ने परीक्षा संचालन में विशेष सहयोग प्रदान किया।

परीक्षा परिणाम 18 दिसंबर 2025 को ऑनलाइन जारी किया जाएगा। जिला स्तर पर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी 21 दिसंबर 2025 (रविवार) को संभाग स्तरीय परीक्षा में भाग लेंगे। संभाग स्तर पर मेरिट में चयनित छात्र राज्य स्तरीय परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे, जहां प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता को 51,000 रुपये, द्वितीय को 31,000 रुपये, तृतीय को 21,000 रुपये तथा दो सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को 11,000-11,000 रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में क्षेत्रीय परिजनों की बैठक 10 को

पद्मेश न्यूज़। लॉजी। अखिल विश्व गायत्री परिवार ट्रस्ट के तत्वावधान में गायत्री शक्तिपीठ लांजी में आगामी 10 दिसंबर 2025 (बुधवार) को दोपहर 12 बजे एक अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई है।

इस बैठक में गायत्री परिवार के क्षेत्रीय परिजन, ब्लॉक समन्वयक समिति के सभी सदस्य, चेतना केंद्र प्रभारी तथा मंडल संचालक सम्मिलित होंगे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य = 18 दिसंबर 2025 को मनाए जाने वाले गायत्री शक्तिपीठ स्थापना दिवस के आयोजन की रूपरेखा तैयार करना, 24 से 26 दिसंबर 2025 तक लांजी में पधारने वाली पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जन्म शताब्दी अखंड दीप रथ यात्रा के स्वागत एवं भव्य कार्यक्रमों की विस्तृत योजना पर विचार-विमर्श करना। शक्तिपीठ प्रभारी एवं आयोजकों ने सभी सम्मानित परिजनों से समय का विशेष ध्यान रखते हुए अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आज से मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित पूरा मंत्रिमंडल खजुराहो में करेगा मंथन, कैबिनेट सहित विभागीय समीक्षाएं भी होंगी

2 दिन खजुराहो में चलेगी मोहन सरकार

भोपाल/ खजुराहो। मप्र सरकार का संचालन दो दिनों तक खजुराहो से होगा। सोमवार और मंगलवार को विभागों की समीक्षा के बाद दोपहर में कैबिनेट की बैठक होगी। खजुराहो में होने वाले कैबिनेट बैठक की तैयारियां जोरो पर हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में यह मीटिंग आयोजित होगी। जिसमें मोहन सरकार के 30 मंत्री और सचिव से मुख्य सचिव स्तर तक 40 अधिकारी मौजूद रहेंगे।

दो दिनों तक चलने वाली बैठक में मंत्रियों के अलावा अलग-अलग विभागों के 40 से ज्यादा अधिकारी भी खजुराहो पहुंचेंगे। बैठक सहित तमाम आयोजन की व्यवस्थाएं पर्यटन और संस्कृति विभाग द्वारा की गई हैं। मंत्रियों और अधिकारियों को रूकवाने की व्यवस्था पर्यटन और संस्कृति विभाग द्वारा की जा रही है। खजुराहो के दो होटल मंत्रियों और अधिकारियों के लिए बुक किए गए हैं। 8 दिसंबर को मुख्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास, जनजातीय कार्य, तकनीकि शिक्षा और कौशल विकास, खनिज, राजस्व, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, एमएसएमई, खाद्य एवं नागरिक उपभोक्ता संरक्षण सहित कई विभाग की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। समीक्षा बैठक के

बाद कुछ स्थानीय कार्यक्रम भी होंगे।

9 दिसंबर को होगी कैबिनेट बैठक

9 दिसंबर को खजुराहो में ही कैबिनेट की बैठक होगी। इसमें कूनो और गांधीसागर सेंचुरी के बाद नौरादेही अभयारण्य को चीतों का नया घर बनाने का निर्णय लिया जा सकता है। नौरादेही सेंचुरी सागर, नरसिंहपुर और दमोह में फैला हुआ है। कैबिनेट की बैठक के पहले 8 दिसंबर को मुख्यमंत्री अलग-अलग विभागों की बैठकें लेंगे। कैबिनेट कमेटी फॉर इनवेस्टमेंट प्रमोशन की बैठक भी होगी। इसमें सागर के मसवासी ग्रांट में 1500 एकड़ जमीन पर निवेश के लिए उद्योगों को इंसेटिव दिए जाने पर चर्चा की जाएगी।

खजुराहो के मंदिर का अवलोकन करेंगे मंत्री

खजुराहो में बैठक और कैबिनेट के बाद खजुराहो में लाइट एंड साउंड शो का भी आयोजन होगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री, मंत्री और अधिकारी खजुराहो के मंदिरों का भी अवलोकन करेंगे। खजुराहो के पास स्थित कुटनी डैम भी मंत्री पहुंचेंगे। जहां बुंदेलखंडी गायन और नृत्य का कार्यक्रम रखा गया है। 9 दिसंबर की सुबह मुख्यमंत्री सभी मंत्रियों के साथ पन्ना टाइगर रिजर्व भी जाएंगे।

राजनगर में लाड़ली बहना सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 दिसम्बर को छतरपुर जिले के राजनगर के सती की मढिया में लाड़ली बहना सम्मेलन में भी शामिल होंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में माह दिसम्बर की राशि अंतरित की जायेगी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहनों से संवाद भी करेंगे।

बुंदेली व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे मंत्री

खजुराहो में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लंच और डिनर में बुंदेलखंडी व्यंजनों को भी परोसा जाएगा। इसमें पन्ना के महुआ के लड्डू, दूध से बनने वाली खुरचन को खासतौर से मीठे के रूप में परोसा जाएगा। इसके अलावा बाजरा, ज्वार, मिलेट की रोटी और मक्का से बनने वाली महेरी भी परोसी जाएगी।

आईएएस संतोष वर्मा हो सकते हैं निलंबित!

भोपाल। अजाक्तस के अध्यक्ष आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा की बेटियों को लेकर दिए गए विवादित बयान में मुश्किल बढ़ गई हैं। बयान सामने आने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्मा को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। वर्मा ने सामान्य प्रशासन विभाग को नोटिस का जवाब दे दिया है। विभाग द्वारा जवाब का परीक्षण कराया जा रहा है। इसके बाद वर्मा पर निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। सामान्य प्रशासन विभाग के सूत्रों ने बताया कि 4 दिसंबर को वर्मा ने शासन के समक्ष अपना पक्ष लिखित तौर पर उपलब्ध करा दिया है। उन्होंने अपने जवाब में बताया कि उनके बयान को तोड़-मरोडक़र प्रस्तुत किया गया है। मैंने किसी भी समाज की बेटी को लेकर आपत्तिजनक बात नहीं की है। नोटिस के साथ उन्होंने बयान की पेनड्राइव भी दी है। जिसमें उन्होंने कहा कि पूरा बयान सुने बिना ही उन पर बेटियों के बारे में विवादित बयान कहने के आरोप लगाए गए। बताया गया कि वर्मा ने अपने जवाब के साथ समाज के प्रसिद्ध लोगों द्वारा पूर्व में दिए गया बयानों को कोड किया है। जिसमें सामाजिक समरता और रोटी-बेटी जैसी रिश्तों बढ़ाने और जातिवाद को खत्म करने की बात कही गई है। जीएडी सूत्रों ने बताया कि वर्मा के जवाब का परीक्षण किया जा रहा है। साथ ही वर्मा के बयान के संबंध में वर्मा पर कार्रवाई को लेकर सरकार को जो ज्ञापन मिले हैं, उनका भी परीक्षण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने के आखिरी में 2012 बैच के प्रमोटी आईएएस संतोष वर्मा ने अजाक्स के कार्यक्रम में बेटियों को लेकर विवादित बयान दिया था। वर्मा का बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। बयान के विरोध में लोगों ने सडक़ पर उतरकर वर्मा को बर्खास्त करने की मांग की है। विवादित बयान सरकार ने नोटिस भेजकर जवाब मांगा। जीएडी सूत्रों ने बताया कि वर्मा के खिलाफ पुरानी शिकायतों को खंगाला जा रहा है। जिसके आधार पर उन्हें निलंबित किया जा सकता है। हालांकि इस मामले में सामान्य प्रशासन विभाग का कोईअधिकारी खुलकर बोलने से बच रहा है। सूत्रों ने बताया कि वर्मा के जवाब के परीक्षण के बाद कार्रवाई प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। कार्रवाई का निर्णय वरिष्ठ स्तर से होगा।

मप्र स्थानीय निधि संपरीक्षा के वार्षिक प्रतिवेदन में सामने आई हकीकत

भोपाल । मप्र के नगरीय निकाय आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है नगरीय निकायों का जो बजट प्रबंधन है, वह पूरी तरह से गड़बड़ाया हुआ है। दरअसल, अधिकांश नगरीय निकाय अपनी संपत्तियों का किराया वसूली में लापरवाही कर रहे हैं। यही नहीं आय का ठीक से आकलन किए बिना बजट अनुमान लगाया जा रहा है। यही कारण है कि नगर निगम और नगरीय निकाय का व्यय आय से अधिक हो रहा है। वे आय अर्जित करने में पीछे तो हैं ही राजस्व वसूली भी नहीं कर पा रहे हैं। यह तथ्य मप्र स्थानीय निधि संपरीक्षा के वर्ष 2021-22 के वार्षिक प्रतिवेदन में सामने आए हैं, जो विधानसभा के पटल पर रखा गया।

दरअसल, संचालक स्थानीय निधि संपरीक्षा ने विधानसभा में पेश 2021-22 की अपनी रिपोर्ट में नगरीय निकायों की बड़ी कमियां उजागर की है। प्रदेश में विभिन्न नगरीय निकायों द्वारा दुकानों का निर्माण तो कराया गया पर वह इन्हें न तो समय पर आवंटित कर सके और न ही समय रहते इनकी नीलामी हो पाई। इन दुकानों के आवंटन से पूर्व समय पर प्रीमियम राशि भी कई मामलों में जमा नहीं कराई गई। इसके अलावा अनुबंध की शर्तों का भी पालन नहीं कराया गया। इससे नगरीय निकायों को 438 करोड़ से अधिक की आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। इसके अलावा अधिकांश नगरीय निकाय अपनी सम्पत्तियों का किराया भी नहीं वसूल पा रहे हैं। इससे भी करोड़ों का नुकसान हर साल हो रहा है। रिपोर्ट में बाजार बैठकी एवं ठेकों से कम वसूली का जिक्र करते हुए कहा गया है कि कई नगरीय निकायों में तो वसूली के लिए जितने कर्मचारी लगे थे उनके वेतन के बराबर भी वसूली नही हो पाई। आडिट में बाजार बैठकी ठेका नहीं किया जाना, ठेका की अनुबंध शतों का पालन नहीं किया जाना, बाजार बैठकी की वसूली का अभाव, विभागीय स्तर पर वसूली करने से कम वसूली हो पाना, निर्धारित शुल्क से कम मूल्य के स्टाम्प पर अनुबंध किया जाने से निकायों को बड़ी आर्थिक क्षति हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निकायों को निरन्तर हो रही वित्तीय हानि का एक बड़ा कारण यह भी है।

आडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि नगर निगम छिंदवाड़ा ने निकाय के विभिन्न कांप्लेक्सों में आवंटित दुकानों के प्रीमियम बकाया राशि न वसूल करने से चार करोड़ 57 लाख से अधिक की आर्थिक क्षति संभावित है। इसी तरह नगरनिगम जबलपुर ने निगम की कुछ छह खाली दुकानों को नीलमा न करने से 51 लाख से अधिकक्षति संभावित है। इसी तरह रीवा नगरनिगम, इंदौर, खंडवा में नीलामी समय पर न होने से लाखों की आर्थिक क्षति का अनुमान बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नगरीय निकायों द्वारा किराए पर आवंटित स्थावर सम्पत्तियों के किराए की राशि शत प्रतिशत वसूल नहीं की जा रही है। संचालनालय नगरीय निकाय द्वारा इस संबंध में निर्देश जारी करने के बाद भी इसका पालन नहीं हुआ। अधिकांश नगरीय निकाय अपनी किराए पर दी सम्पत्ति का 50 प्रतिशत भी किराया वसूल नहीं कर पाए। इसके अलावा नगरनिगम रीवा, नगरपालिका दमोह, नगरपालिका टीकमगढ़, शिवपुरी, कोतमा, अनूपपुर समेत 19 नगरीय निकायों में तो बीस प्रतिशत से कम किराया वसूली हो पाई। नगरपालिका निगम 33, नगरपालिकाएं 15 और नगरपरिषदे 36 प्रतिशत ही औसत किराया वसूली कर सकीं। रिपोर्ट में बैंक खातों और कैश बुक के मिलान पर भी टिप्पणियां की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्येक माह के अंत में कैश बुक की शेष राशि और बैंक पास बुक का मिलान एवं सत्यापन किया जाना निर्देशित है। निकाय के वित्तीय संव्यवहारों की शुद्धता, सत्यता एवं पारदर्शिता के लिए यह आवश्यक है कि निकाय की कैश बुक में लेखांकित वित्तीय संव्यवहारों का मिलान बैंक पासबुक अथवा बैंक स्टेटमेंट में दर्शित इंट्री से किया जाए पर अधिकांश नगरीय निकायों ने मासिक एवं वित्त बर्ष की समाप्ति पर बैंक समाधान विवरण पत्रक तैयार नहीं किए। इसके अलावा कई निकायों में कैश बुक में दिखाई राशि से बैंक में जमा राशि कम पाई गई। यह गंभीर वित्तीय अनियमितता का परिणाम हो सकता है।

21 जिला सहकारी बैंकों में सीईओ की नियुक्ति

भोपाल । मध्य प्रदेश के 21 जिला सहकारी बैंकों में 21 नए सीईओ की नियुक्ति कर दी गई है। जिन जिला सहकारी बैंकों में यह नियुक्ति की गई हैं। उनमें भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन के बड़े बैंक भी शामिल हैं।

अभी तक जिला सहकारी बैंकों में अनुभवी लोगों को ही यह जिम्मेदारी दी जाती थी। पहली बार नए लोगों को सीधे जिला सहकारी बैंक का सीईओ बनाया गया है। अपेक्स बैंक ने भर्ती परीक्षा आयोजित की थी। इसमें इन सभी का चयन हुआ है।

नियुक्ति के साथ ही सीईओ बनाए जाने से इनका विरोध शुरू हो गया है। जिला बैंक से जुड़े हुए सभी अधिकार इन्हीं के पास होंगे। अपेक्स बैंक से जुड़े पूर्व पदाधिकारियों ने इस तरह की नियुक्ति पर आपत्ति जताई है। बिना किसी अनुभव के इस तरह के अधिकार दिए जाने का विरोध किया गया है।

आशा-उषा संगठन की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं मप्र की नर्मदा ठाकरे

- 16 दिसंबर को जंतर-मंतर पर होगा प्रदर्शन

भोपाल। दिल्ली में हुई राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मध्यप्रदेश की आशा-उषा महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष नर्मदा ठाकरे को संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। सभी राज्यों की प्रतिनिधि आशा-उषा पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगाई। नर्मदा ठाकरे जिला पांढुरना (मध्यप्रदेश) से हैं और वह अब देशभर की करीब 10 लाख आशा-उषा सहयोगिनी बहनों का राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करेंगी।

दिल्ली बैठक में हुआ निर्णय

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित बैठक में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों की आशा-उषा संगठन की प्रदेश अध्यक्ष और पदाधिकारी मौजूद रहीं। बैठक के दौरान आशा-उषा कर्मियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसके बाद सर्वसम्मति से नर्मदा ठाकरे को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

16 दिसंबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि शीतकालीन संसद सत्र के दौरान आशा-उषा बहनों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर 16 दिसंबर 2025 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्य मांगों में सम्मानजनक मानदेय तय करना, नियमितीकरण और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इस प्रदर्शन में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में आशा-उषा बहनों के शामिल होने की संभावना है।

राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने की कवायद

राष्ट्रीय बैठक में संगठन के अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। पदाधिकारियों ने भरोसा जताया कि नर्मदा ठाकरे के नेतृत्व में आशा-उषा महिलाओं की आवाज और मजबूती से केंद्र सरकार तक पहुंचेगी।

संघर्ष तेज करने का ऐलान

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नर्मदा ठाकरे ने कहा कि आशा-उषा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन आज भी उन्हें सम्मानजनक मानदेय और सुरक्षित भविष्य नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि 16 दिसंबर का प्रदर्शन बहनों के अधिकारों की दिशा में निर्णायक कदम साबित होगा।

बोर्ड परीक्षाएं... बेहतर परिणाम लाने वाले प्राचार्य व शिक्षक राज्य स्तर पर होंगे पुरस्कृत

भोपाल । मध्य प्रदेश पहली बार बोर्ड की 10वीं-12वीं परीक्षाएं एक महीना पहले 7 फरवरी से शुरू हो रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से तिमाही, 6 माही और प्री बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, ताकि विद्यार्थियों के मन से परीक्षा का डर दूर हो और बेहतर परिणाम की ओर अग्रसर होते रहें, वहीं मुख्यमंत्री की अगुवाई में यह निर्णय लिया गया कि शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले स्कूल प्राचार्य एवं शिक्षकों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए तिमाही और छमाही परीक्षाओं में 30 फीसदी या इससे काम परिणाम लाने वाले स्कूलों और विषयों के विद्यार्थियों के लिए प्राचार्यों को सख्त हिदायत दी गई है कि इनकी अलग से कक्षाएं लगाई जाए और तैयारी भी कराई जाए, ताकि बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम आ सके, वहीं स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि प्री बोर्ड परीक्षा की तैयारी सतही स्तर पर क्लास रूम में बेहतर हो सके, इसके लिए प्रयास किए जाए, अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जाए, ताकि विद्यार्थियों का परिणाम और आत्मविश्वास दोनों संतुलित हो सके। जिला स्तर पर इसकी समीक्षा की जाएगी। खराब परिणाम वाले स्कूलों को चिन्हांकित भी किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों का शैक्षणिक वर्ष अच्छे से गुजरे। शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले स्कूल प्राचार्य एवं शिक्षकों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। यह योजना शिक्षकों की गुणवत्ता को और ज्यादा बेहतर करेगी, वहीं स्कूल प्राचार्य को व्यवस्था संचालन के मद्देनजर उत्कृष्ट कार्य करने के सहभागी होगी। हालांकि जमीनी स्तर पर इसका कितना असर नजर आएगा, यह तो बोर्ड परीक्षा के परिणाम ही बताएंगे, लेकिन स्वयं का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शिक्षक और प्राचार्य के लिए फिलहाल प्रोत्साहन की ये योजना बेहतर बताई जा रही है।

5 जनवरी से प्री बोर्ड परीक्षाएं

31 दिसंबर से 4 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के तुरंत बाद 10वीं-12वीं की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। कक्षा 12वीं की परीक्षा 5 जनवरी और कक्षा दसवीं की परीक्षा 6 जनवरी से शुरू होंगी। इन परीक्षाओं के दौरान भी अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश हैं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई में किसी प्रकार की दिक्कत ना आए और उनमें परीक्षा का आत्मविश्वास बना रहे, ताकि वह परीक्षा की तैयारी भी कर सके।

नहीं सुधर रहा विभागीय ढर्रा..!

शिक्षकों की नेतागीरी और संगठन चलाने के साथ अधिकारी और नेताओं के आसपास परिक्रमा लगाने वाले शिक्षकों की संख्या भी सैकड़ों में है। यह शैक्षणिक गतिविधियों से दूर अपनी अलग कहानी जमाने में माहिर हैं। लाख कोशिशों के बाद भी अधिकारी इन पर लगाम नहीं लग पा रहे हैं और यह अपने मूल कार्य कक्षा में विद्यार्थियों की पढ़ाई तो कतई नहीं करवाते। विभागीय ढर्रा कब सुधरेगा और बड़े अधिकारी इन पर कार्रवाई कर भी पाएंगे या नहीं, यह बड़ी चुनौती के रूप में बना हुआ है।

12वीं के विद्यार्थियों के लिए कॉलेज चलो अभियान... स्कूलों में पहुंचेंगे अधिकारी, प्राचार्य और सामाजिक संगठन

भोपाल। शैक्षणिक क्षेत्र 2026- 27 के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के बीच कॉलेज चलो अभियान की रणनीति तैयार कर ली है। तकरीबन 6 महीने पहले उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी, कॉलेज प्राचार्य, प्रोफेसर स्कूलों में पहुंचेंगे और विद्यार्थियों को कॉलेज से जुडऩे के लिए प्रेरित करेंगे और उन्हें विषय अनुसार जानकारी भी प्रदान करेंगे, ताकि कॉलेज में ज्यादा प्रवेश हो सके।

उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कॉलेज चलो अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं में अध्यनरत विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश विषय वस्तु की जानकारी दी जाएगी। कॉलेज चलो अभियान के लिए सभी यूनिवर्सिटी के कुलपति एवं कॉलेज के प्राचार्य को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया गया है कि सामाजिक संगठनों, पूर्व छात्र और सामाजिक कार्यकर्ताओं को कॉलेज चलो अभियान से जोड़ा जाए। यही नहीं ग्राम पंचायत सरपंच सचिव, पंच और प्रबुद्धजनों की सहभागिता ग्रामीण स्तर पर इस अभियान को जोडऩे के लिए रहेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अभिभावक और शिक्षकों के बीच बेहतर संबंध हो और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसरों से जोडऩे के लिए भी कॉलेज चलो अभियान को महत्वपूर्ण बनाया गया है।

हजारों सीटें खाली... निजी कालेज संचालकों पर लगाम

उच्च शिक्षा विभाग चाहता है कि सरकारी कॉलेज की शत-प्रतिशत सीट पर विद्यार्थियों का एडमिशन हो जाए। हर साल तीन से चार लाख सीट खाली रह जाती हैं। यही नहीं एडमिशन की प्रक्रिया सितंबर के आखिर तक जारी रहती है, जिससे प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की समय पर पढ़ाई शुरू नहीं होती, वहीं निजी कॉलेज संचालक विद्यार्थियों को प्रलोभान देकर अपने यहां प्रवेश दे देते हैं और बाद में विद्यार्थियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस व्यवस्था से निजी कालेज संचालकों की मनमानी पर लगाम भी लग सकती है, अगर यह सही तरीके से लागू हो तो।

कॅरियर के अवसर जानेंगे विद्यार्थी

उच्च शिक्षाविभाग की मंशा है कि कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश से पहले विषय और उनके कॅरियर संबंधी जानकारी पहले ही हो जाए, ताकि 12वीं के परिणाम के बाद वह अपनी पसंद के विषय में प्रवेश आसानी से ले सके।

वन मुख्यालय में दो पीसीसीएफ के बीच में कोल्ड वॉर

भोपाल। वन मुख्यालय में दो सीनियर आईएफएस अफसरों के बीच कोल्ड वॉर शुरू होने की खबर है। इस वॉर का अंत कहां कैसे होगा, इसका उत्तर समय के गर्भ में छिपा है। इसकी शुरुआत 1993 बैच के आईएफएस की ओर से हुई। हालांकि आईएफएस की बिरादरी में इस अफसर की छवि दूसरों में ताक-झांक और खामियां निकालने की बनी हुई है। शायद यही वजह रही कि फील्ड से मुख्यालय तक जहां भी पदस्थ रहे, वहीं विवादों की सुर्खियों में ही रहे। पिछले दिनों 1993 बैच के पीसीसीएफ महोदय ने 1991 बैच के अधिकारी को पत्र लिखकर उनको यह बताने की कोशिश की कि आपके शाखा अंतर्गत फील्ड में पकड़ने और छोड़ने का काम चल रहा है। उनका पत्र पढ़कर सीनियर पीसीसीएफ के चेहरा लाल-पीला होने लगा। सीनियर अफसर ने जूनियर पीसीसीएफ को उनकी ही भाषा में लौटती डाक से जवाब भी भेज दिया। वन मुख्यालय और फील्ड के अफसर तो समझ गए होंगे कि ये महाशय कौन है? हां, इतना जरूर संकेत देना चाहूंगा कि ये महाशय जब संरक्षण थे तब इनके कार्यकाल में इटारसी रेंज के एक बीट में 2 करोड़ 82 लाख की कीमत की सागौन के टीक कट गए और वे मुख्यालय में दूसरों की खामियां निकालने में व्यस्त रहे। बुंदेलखंड के एक जिले में इनके कार्यकाल में पकड़ने और छोड़ने का खेल खूब चला। आजकल वे जूनियर अफसरों को उनकी ऐनुअल अप्रेजल रिपोर्ट (सीआर) बिगाड़ने की धमकी देते हैं। इनके बारे यह भी कहा जाता है कि मालवांचल के केबिनेट मंत्री के खास हैं।

29 को मतदान, 31 को नतीजे

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप-निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। उप-निर्वाचन के लिए मतदान 29 दिसंबर को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दीपक सिंह ने जानकारी दी कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन पत्र स्वीकार करने की प्रक्रिया 8 दिसंबर से शुरू होगी। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसंबर तक लिये जाएंगे। नाम निर्देशन पत्रों की जांच 16 दिसंबर को होगी।

नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 18 दिसंबर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जाएगा। नगरीय निकायों में मतदान 29 दिसंबर को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना एवं परिणामों की घोषणा 31 दिसंबर को सुबह 9 बजे से की जाएगी। पंचायतों में मतदान 29 दिसंबर को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिए मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केंद्र पर ही की जाएगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए ईवीएम से मतगणना 2 जनवरी 2026 को सुबह 8 बजे से विकासखण्ड मुख्यालय पर होगी। इसी दिन सरपंच तथा जनपद पंचायत सदस्य के परिणाम घोषित किए जाएंगे। जिला पंचायत सदस्यों एवं पंच पद के लिए परिणामों की घोषणा 5 जनवरी 2026 को सुबह 10:30 बजे से की जाएगी।

1 अध्यक्ष और 8 पार्षद पदों पर उप-निर्वाचन

जिला सीधी के नगर परिषद मझौली के अध्यक्ष पद तथा विभिन्न नगरीय निकायों में 8 पार्षद पदों के लिए उप-निर्वाचन होगा। पार्षद पदों के लिए उप-निर्वाचन निम्नानुसार होंगे। नगर निगम सिंगरौली-वार्ड 34, नगर पालिका परिषद मंडला-वार्ड 8, नगर पालिका परिषद लहार-वार्ड 5, नगर परिषद मौ- वार्ड 4, नगर परिषद मेहगांव-वार्ड 5, नगर परिषद आलमपुर- वार्ड 13, नगर परिषद सतवास-वार्ड 9, नगर परिषद पानसेमल- वार्ड 2 में चुनाव होंगे। इसके अलावा जिला पंचायत के 4, जनपद पंचायत के 14 और सरपंच के 67 पदों पर निर्वाचन होगा। पंचायत उप-निर्वाचन के तहत जिला पंचायत सदस्य के 4 पद, जनपद पंचायत सदस्य के 14 पद, सरपंच के 67 पद, पंच के 3872 पद पर निर्वाचन कराया जाएगा।

पराली जलाने में मप्र अव्वल

भोपाल। मध्य प्रदेश ने पराली जलाने के मामले में देश के सारे राज्यो से आगे निकल रहा है। राज्य में मैहर और सतना में किसान पराली को जलाने में बाजी मार रहे हैं। जबकि कृषि विभाग द्वारा खेतों में पराली नहीं जलाने के लिए लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसके बावजूद सेटेलाइट से की गई निगरानी में 1105 घटनाएं सामने आई हैं। अब कृषि विभाग द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है।

देशभर में हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों के किसानों को आमतौर पर पराली जलाने से जोड़ा जाता है, लेकिन पराली जलाने के मामले में मध्य प्रदेश का नाम अब पहले नंबर पर पहुंच गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की संस्था कंसोर्टियम फॉर रिसर्च ऑन एग्रोकोसिस्टम मॉनिटरिंग के अनुसार, प्रदेश में 15 नवंबर से 30 नवंबर तक सेटेलाइट से की गई निगरानी में 17067 घटनाएं दर्ज की गई, जो कि पूरे देश में सबसे ज्यादा है। 7290 घटनाओं के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर, 5114 घटनाओं के साथ पंजाब तीसरे नंबर पर और 2890 घटनाओं के साथ राजस्थान चौथे नंबर पर है।

पराली जलाने को लेकर साल 2016 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में याचिका लगाने वाले पर्यावरणविद सुभाष सी पांडे का कहना है कि इस मामले में प्रशासनिक कमियां और सरकार द्वारा सख्ती की कमी जिम्मेदार है। केवल पराली जलाने के मामले रिकार्ड में दर्ज करने से सुधार नहीं होगा, बल्कि इसके लिए पेनाल्टी और सजा को और कठोर करना होगा। पराली के मामले में याचिका लगाने के बाद एनजीटी ने कलेक्टरों को निर्देश दिया था कि उनके जिले में फसलों की हार्वेस्टिंग के दौरान स्ट्रा रिपर लगाकर कटाई की जाए। जिससे फसल के तने भी उस मशीन में कट जाएं। कृषि विभाग द्वारा भी ऐसा निर्देश कलेक्टरों को जारी किया गया था लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं हुआ।

पर्यावरणविद सुभाष सी पांडे ने बताया कि पराली जलाने के मामले में पंजाब में 86 प्रतिशत की कमी आई है जबकि मध्यप्रदेश इस मामले में नंबर वन पर पहुंच गया है। इसमें भी श्योपुर जिला लगातार दूसरे साल पराली जलाने में टॉप पर है। पराली जलाने वाले देश के टॉप 11 जिलों में मध्य प्रदेश के 6 जिले शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया

सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया ने गुलाबी गेंद से खेले गये एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 2–0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 65 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से दो 2 विकेट खो कर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड ने तेज 22 रन बनाए, जबकि स्टीव स्मिथ ने 9 गेंदों में 23 रन बना दिये। स्मिथ ने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के जमाए। जेक वेदराल्ड 17 रन बनाकर पर नाबाद लौटे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 69 रन आसानी से मैच जीत लिया

इस मैच में इंग्लैंड ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और 334 रन का स्कोर बनाया था। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 511 रन बनाकर पहली पारी में 177 रन की बढ़त बना ली और दूसरी पारी में इंग्लैंड को 241 रन पर समेट था। ऐसे में मैच के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 65 रन का आसान लक्ष्य मिला जिसे ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया इस मैच में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर ने इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी पूरी तरह तहस–नहस कर दी। स्टार्क ने मैच में कुल 8 विकेट झटके, जबकि नेसर ने 6 बड़े लेकर इंग्लैंड को दोनों पारियों में संभलने का अवसर नहीं दिया। इसी कारण जो रुट के यहां लगाये पहले शतक के बाद भी मेहमान टीम संभल नहीं पायी।

इंग्लैंड की पहली पारी में रूट ने 138 रन बनाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पायी पर अन्य बल्लेबाजों के असफल होने से टीम को नुकसान हुआ। स्टार्क ने 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को 334 रन पर रोक दिया और मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने पहली पारी में विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा और 511 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जेक वेदराल्ड ने 72, लाबुशेन ने 65, स्टीव स्मिथ ने 61 और एलेक्स कैरी ने 63 रन की शानदार पारियां खेलीं। इन सबके अलावा मिचेल स्टार्क ने भी 77 रन बनाकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल ब्राइडन कार्स ही 4 विकेट ले पाये। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी में विफल रही और। केवल 241 रन पर ही बना पायी। कप्तान बेन स्टोक्स ही 50 और विल जैक्स ही 41 रन बना पाये । वहीं अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

सचिन के 100 शतकों के रिकार्ड की बराबरी कर सकते हैं विराट– गावस्कर

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि आने वाले समय में विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के शतकों के शतक वाले विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार विराट अपनी जबरदस्त फिटनेस के कारण 2027 विश्वपक के बाद भी खेल सकते हैं। विराट इस समय केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था।

विराट के अभी अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 84 शतक हैं। वे पहले से ही एक प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक लगाने बल्लेबाज हैं। गावस्कर ने कहा, अगर वह तीन साल और खेलते हैं तो उसे शतकों का शतक लगाने 16 शतक और चाहिए। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज में 302 रन बनाए।

गावस्कर ने मुकाबले के बाद कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उससे उसके लिए कुछ भी संभव है, उसने तीन मैचों की सीरीज में दो शतक बनाए हैं। अब अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दो और शतक बनाता है, तो वह 86 तक पहुंच जाएगा। इसलिए उसके 100 तक पहुंचने की काफी संभावनाएं हैं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, उससे लग रहा है कि वह काफी आराम से खेल रहा है। जिस तरह से अंतिम एकदिवसीय में बल्लेबाजी की उससे उसके अच्छे फार्म का अंदाजा होता है। हैं। भारतीय टीम को विश्वकप 2027 तक करीब 35 एकदिवीसय मैच खेलने हैं। ऐसे में उसके लिए 16 शतक लगाना ज्यादा कठिन नहीं है। वहीं अगर वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलता है तो आसानी से 100 शतकों तक पहुंच जाएगा। ये तो ये है कि वह 90 से ज्यादा शतक तक पहुंच जाएगा।

2026 विश्व कप में खेल पाना मुश्किल, मेसी के बयान से फैंस निराश

नई दिल्ली। फीफा फुटबॉल विश्व कप 2026 को लेकर दुनिया भर के प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के हालिया बयान ने उनके फैंस को बड़ा झटका दिया है। मेसी ने संकेत दिया है कि संभव है वह अगला विश्व कप न खेल पाएं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि वह जरूर विश्व कप खेलना चाहेंगे, लेकिन यह भी हो सकता है कि वह टीम का हिस्सा न हों। मेसी ने कहा कि यदि वह मैदान पर नहीं उतर सके, तो वह एक दर्शक के रूप में स्टेडियम में मौजूद रहकर मैच देखना चाहेंगे और यह अनुभव उनके लिए खास होगा।

मेसी ने बताया कि विश्व कप उनके और उनकी टीम के लिए बेहद खास टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना ने वर्षों में अपनी टीम को मजबूत बनाया है और कोच लियोनेल स्कालोनी के आने के बाद पूरी टीम की सोच और प्रदर्शन में बड़ा बदलाव आया है। मेसी के अनुसार, टीम में ऐसे

खिलाड़ी हैं जो हमेशा जीत के लिए खेलते हैं और प्रशिक्षण के दौरान हर खिलाड़ी पूरी ताकत झोंक देता है। यही मानसिकता और एकजुटता अर्जेंटीना की सबसे बड़ी ताकत है।

मैसी ने यह भी कहा कि पिछला विश्व कप जीतने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब खिलाड़ी खिताब की रक्षा के इरादे के साथ उतरने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि फुटबॉल अनिश्चितताओं का खेल है और कोई भी टीम अर्जेंटीना के लिए चुनौती पैदा कर सकती है। 2026 विश्व कप के दौरान मेसी की उम्र 39 वर्ष होगी और यह माना जा रहा है कि संभवत: वह इस टूर्नामेंट के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले सकते हैं। उनके बयान ने उनके करोड़ों प्रशंसकों के मन में निराशा और भावनात्मक हलचल बढ़ा दी है, क्योंकि मेसी ने पिछली बार अर्जेंटीना को अपने नेतृत्व में विश्व चैंपियन बनाया था और टूर्नामेंट में उनकी भूमिका निर्णायक रही थी।

शुभमन गिल फिट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जहां उनकी गर्दन में अचानक तेज अकड़न आ गई थी। चोट के बाद उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और उपचार के दौरान इंजेक्शन भी दिया गया। इसी कारण वह मौजूदा वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए।

गिल को टी20 टीम में फिटनेस के आधार पर चुना गया था और इसके लिए उन्हें लंबी

रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। उन्होंने सीओई में निर्धारित सभी रिकवरी प्रोटोकॉल पूरे किए, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, फिजियोथैरेपी, फंक्शनल फिटनेस टेस्ट और प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल थे। इन सभी चरणों में सफल होने के बाद विशेषज्ञों ने उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए पूरी तरह उपयुक्त पाया। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन को भेजे पत्र में कहा गया है कि शुभमन गिल ने रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं।

गिल की फिटनेस बहाली में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ये सभी विशेषज्ञ उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए थे। गिल के उपलब्ध होने से भारतीय टीम मजबूत संयोजन के साथ टी20 श्रृंखला की शुरुआत कर सकेगी। टी20 स्क्वॉड के खिलाड़ी रविवार से कटक में अभ्यास शुरू करेंगे, जहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले की तैयारी तेज होगी। गिल की वापसी न केवल बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देगी, बल्कि नेतृत्व में भी टीम को अतिरिक्त समर्थन मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह,कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह।

भारतीय टीम से माफी मांगने से दक्षिण अफ्रीकी कोच का इंकार

विशाखापट्टनम। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के मुख्य कोच शुकरी कोनराड ने कहा है भारतीय टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के बाद दिये गये अपने विवादास्पद बयान पर उन्हें खेद है पर वह माफी नहीं मांगेंगे। पहले टेस्ट में मिली जीत के बाद कोनराड ने अति उत्साहित होकर भारतीय टीम के लिए ग्रोवेल शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसका मतलब किसी को घुटने के बल लाना होता है जिससे दोनो ही देशों के दिग्गजों ने कड़ी आजोचना की थी। वहीं इस पर अब उन्होंने अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा है कि उनको इस शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहिये था पर इसके लिए वह भारतीय टीम से माफी नहीं मांगेगे। तीसरे वनडे मैच के बाद उन्होने कहा, 卐मेरा इरादा कभी भी किसी की आलोचना करने या किसी बात पर घमंड करने का नहीं था। मुझे लगा कि मैं कोई अच्छी बात कह सकता था। मेरा कहने का आशय था कि भारतीय टीम मैदान पर ज्यादा समय बिताए और उनके लिए इसे बहुत कठिन बना देना था। अब मुझे यहां यह ध्यान रखना होगा कि मैं कौन सा शब्द इस्तेमाल करूं, क्योंकि लोग कई प्रकार के मतलब निकालने लगते हैं। गुवाहाटी टेस्ट में जब कोनराड से पूछा गया कि उनकी टीम ने भारतीय टीम को फॉलोआन कयों नहीं दिया और दूसरे पारी में बल्लेबाजी कर जीत के लिए लक्ष्य दिया। कोनराड ने तब कहा, हम चाहते थे कि भारतीय खिलाड़ी मैदान पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं। हम चाहते थे कि वे सच में परेशान हों, जैसा कि एक कहावत है। उन्हें खेल से पूरी तरह बाहर कर दें, और फिर कहें कि आओ और आज शाम आखिरी दिन और एक घंटे तक टिके रहो। ग्रोवेल शब्द ठीक नहीं है। यह गुलामी, उपनिवेशवाद और नस्लवाद से जुड़ा शब्द है और जब टोनी ग्रेग ने मई 1976 में इसका इस्तेमाल यह बताने के लिए किया कि वह अपनी इंग्लैंड टीम से वेस्टइंडीज के साथ क्या करवाना चाहते हैं, तो इससे काफी हंगामा हुआ था। कोनराड ने कहा, यह सच में दुख की बात है। हो सकता है कि इससे ही एकदिवसीय सीरीज का रिमांच बढ़ा हो।

अब 9 दिसंबर से टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब 9 दिसंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोने के बीच अब तक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज सीरीज हुई है। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट जबकि भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज जीती है। ऐसे में अब दोनो ही टीमों के बीच टी20 सीरीज में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारतीय टीम टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में जबकि दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा। चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ जबकि अंतिम मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में होगा। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 31 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 18 मैचों में भारतीय टीम जबकि 12 मैचों में दक्षिण अफ्रीका जीती है। वहीं एक मुकाबला बराबरी पर रहा है।

रिटेंशन पर्स की वजह से केकेआर ने आंद्रे रसेल को किया रिलीज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मिनी नीलामी से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने सबसे बड़े मैच–विजेताओं में से एक आंद्रे रसेल को रिलीज करने का बड़ा फैसला किया। इस निर्णय ने क्रिकेट जगत और फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि रसेल सालों से केकेआर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी के सीईओ वेंकी मैसूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की पूरी कहानी और उससे जुड़े भावनात्मक पल साझा किए।

मैसूर ने बताया कि रसेल को रिलीज करने की सबसे बड़ी वजह रिटेंशन स्लैब्स से जुड़ा वित्तीय ढांचा था। भले ही रसेल का कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 12 करोड़ रुपये था, लेकिन 2025 सीजन के लिए उन्हें रिटेन करने पर केकेआर के पर्स से 18 करोड़ रुपये कटने थे। उन्होंने कहा कि यह राशि नीलामी रणनीति के लिहाज से बेहद भारी थी और टीम को बाकी संयोजन मजबूत करने में मुश्किल पैदा कर सकती थी। उन्होंने कहा, कई लोग समझ नहीं पाए कि असल कटौती 18 करोड़ की थी, 12 करोड़ की नहीं। लोग सोच रहे थे कि केकेआर 12 करोड़ के खिलाड़ी को क्यों छोड़ेगी, लेकिन नीलामी

के संदर्भ में 18 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यही मुख्य कारण था।

मैसूर ने आगे बताया कि जब यह निर्णय रसेल के साथ साझा किया गया, तो वह भावुक हो गए। 2014 में केकेआर से जुड़ने के बाद रसेल कभी भी नीलामी पूल में नहीं गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि अचानक नीलामी का हिस्सा बनने का विचार उनके लिए मानसिक रूप से बहुत भारी था। मैसूर के अनुसार, रसेल ने उनसे कहा, मैंने कई रातें बिना सोए बिताईं, सोचता रहा कि आगे क्या होगा। मैं पर्पल–गोल्ड जर्सी और नाइटराइडर्स परिवार से बहुत जुड़ गया हूं। बातचीत के दौरान एक और अहम मुद्दा सामने आया रसेल के आईपीएल से रिटायरमेंट का विकल्प। मैसूर के अनुसार, यह विचार गंभीरता से उठा जब फ्रैंचाइज़ी के को–ओनर शाहरुख खान ने रसेल के लिए केकेआर सेटअप में कोचिंग भूमिका का सुझाव दिया। कई कारणों से रसेल को यह विकल्प व्यवहारिक लगा और उन्होंने कहा कि भविष्य में इस दिशा में सोच संभव है। मैसूर के शब्दों में, एसआरके ने सुझाव दिया कि अगर रसेल खेल छोड़ते हैं, तो कोचिंग रोल उनके लिए शानदार रहेगा। हालांकि रसेल अभी अन्य लीग्स में खेलना जारी रखेंगे, लेकिन केकेआर से अलग होना उनके करियर का एक भावनात्मक अध्याय रहा। प्रशंसकों के लिए यह फैसला भले ही चौंकाने वाला हो, पर टीम मैनेजमेंट की रणनीति इसकी वजह समझाती है। अब रसेल का अगला कदम और मिनी नीलामी का नतीजा क्रिकेट दुनिया में देखने का सबसे बड़ा आकर्षण होगा।

अलग-अलग कोच की मांग रखने वालों पर बरसे गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारुप में अलग–अलग कोच रखने की बात करने वालों को आड़े हाथों लिया है। गंभीर ने एकदिवसीय प्रारुप में टीम की जीत के बाद लाल और सफेद गेंद के प्रारुपों में अलग–अलग कोच रखे जाने की बातों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इस प्रकार के बचान देने वाले अपनी सीमा में रहें। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद कुछ लोगों ने कहा था कि दोनो ही प्रारुपों में अलग–अलग कोच होने चाहिये। इसपर गंभीर ने नाराजगी जतायी है।

गंभीर ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को 2–1 से जीतने के बाद कहा, टेस्ट में परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि किसी भी मीडिया कर्मी ने एक बार भी यह नहीं कहा कि हमें पहले टेस्ट में कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के बाद दूसरी पारी में उनके बिना उतरना पड़ा था।

गंभीर ने कहा, कुछ टीम मालिकों ने भी अलग–अलग कोच बनाये जाने की राय रखी है।

शक्ति और संकल्प का खेल : वेटलिफ्टिंग में भारत की बढ़ती ताकत

नई दिल्ली। वेटलिफ्टिंग सिर्फ वजन उठाने का खेल नहीं, बल्कि यह ताकत, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की गहरी परीक्षा है। इसमें मुख्य रूप से स्नैच और क्लीन एंड जर्क दो तकनीकें शामिल होती हैं, जिनके लिए मजबूत मांसपेशियां, लचीला शरीर और आत्मविश्वास जरूरी होता है। आज यह खेल ओलंपिक का एक प्रतिष्ठित हिस्सा है, लेकिन इसकी शुरुआत प्राचीन काल में ताकत मापने की परंपरा से हुई थी। पुराने समय में योद्धा और सैनिक अपनी क्षमता साबित करने के लिए भारी पत्थरों और वस्तुओं को उठाते थे। धीरे–धीरे यह प्रतियोगिता का रूप लेकर ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया सहित कई देशों में लोकप्रिय हो गई। 19वीं शताब्दी के अंत तक यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में स्थापित हो चुका था।

1896 के एथेंस ओलंपिक में पहली बार वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया। हालांकि कुछ वर्षों 1900, 1908 और 1912 के दौरान इसे जगह नहीं मिली, लेकिन बाकी सभी ओलंपिक में यह लगातार खेला जाता रहा है। भारत ने इस खेल में आधिकारिक रूप से 1936 बर्लिन ओलंपिक में कदम रखा, जब एक साल पहले 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई थी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। महिलाओं ने वेटलिफ्टिंग में 2000 सिडनी ओलंपिक के बाद हिस्सा लेना शुरू किया, और इसी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने 54 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रच दिया। उनके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया और वेटलिफ्टिंग के प्रति नई प्रेरणा जगाई। ओलंपिक में वेटलिफ्टर्स अलग–अलग बॉडीवेट कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हैं और स्नैच तथा क्लीन एंड जर्क दोनों में तीन–तीन प्रयास मिलते हैं। दोनों में किए गए सर्वश्रेष्ठ वजन को जोड़कर विजेता तय होता है। स्नैच में बारबेल को एक ही मोशन में सिर के ऊपर उठाना होता है, जबकि क्लीन एंड जर्क में पहले इसे छाती तक लाया जाता है और फिर रुककर सिर के ऊपर ले जाया जाता है, जहां कोहनियां पूरी तरह सीधी होनी चाहिए। भारत में अब यह खेल सिर्फ सीनियर स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि युवा और जूनियर स्तर पर भी तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय वेटलिफ्टर्स अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। बेहतर ट्रेनिंग, संसाधनों, कोचिंग और सपोर्ट के साथ भविष्य में ओलंपिक में और पदक आने की उम्मीद मजबूत है।

विराट और रोहित के रहने से बढ़ती हैं जीतने की संभावनाएं - गंभीर

2027 विश्वकप तक दोनो के खेलने की उम्मीद बनी

विशाखापट्टनम। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए है कि इनके रहने से टीम की जीत की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर ये फिट रहते तो टीम के साथ बने रहेंगे। गंभीर के इस बयान से साफ है कि रोहित और विराट के 2027 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिली जीत के बाद गंभीर ने कहा है कि रोहित और विराट की मौजूदगी से भारतीय टीम के जीतने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भले ही अब ये

दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं फिर भी इनकी लय बनी हुई है। ऐसे में एकदिवसीय प्रारुप में इन दोनो खिलाड़ियों का योगदान टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। । गंभीर ने साफ किया कि 2027 विश्व कप के लिए दोनों खिलाड़ियों की उपयोगिता कम नहीं होगी, बल्कि और बढ़ेगी।

गंभीर ने कहा– 'ये दोनो ही उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। लंबे समय से भारत के लिए वही करते आ रहे हैं जो टीम को चाहिए। उनका लंबा अनुभव ड्रेसिंग रूम में बेहद महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि वे आगे भी टीम को वही स्थिरता देंगे।' उनके इस बयान से साफ है कि 2027 विश्व कप की योजनाओं में दोनों दिग्गजों की जगह बनी हुई है।

गंभीर के इस बयान से उन बातों पर विराम लग गय है जिसमें कहा गया था कि उनकी कोहली और रोहित से नहीं बन रही है। । इसके बीच चयन और योजनाओं को लेकर मतभेद बताये गये थे पर अब गंभीर के इस बयान से लगता है सबस कुछ सामान्य है।

ये भी कहा जा रहा है कि रोहित–कोहली ने इससे पहले ऑस्ट्रलिया औरा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर गंभीर को अपना रुख बदलने पर मजबूर कर दिया था। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया वहीं विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

गंभीर के बयान से तय है कि अगर इन दोनो की फिटनेस और फार्म सही रहते हैं तो ये दोनो 2027 विश्व कप में खेलते नजर आ सकते हैं।

पर्याप्त रन नहीं बनाने के कारण हारे – बावुमा

विशाखापट्टनम। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में हार का कारण बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को दिया है। उनका कहना है कि बोर्ड पर रन नहीं होने से गेंदबाजी पर दबाव आया है। पिछले दो मैचों में बल्लेबाजी अच्छी थी पर इस मैच में हमने गलतियां कीं। बावुमा ने ये भी माना है कि ओस के कारण दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना आसान रहा क्योंकि गेंदबाजी में काफी परेशानी आई। बावुमा ने मैच के बाद कहा, हम आज इस मैच को और भी ज्यादा रोमांचक बनाना चाहते थे। मुझे लगता है कि बल्लेबाजों के पास बोर्ड पर काफी रन नहीं थे। मुझे लगता है कि ओस के समय गेंद फिसलने से खेलना थोड़ा आसान रहा है। इसलिए हमें थोड़ा और बेहतर होकर खेलना चाहिए था। बीच के ओवरों में विकेट खोने से टीम दबावा में आ जाती है। आज गेंदबाजी अच्छी रही। पहले सत्र में हम कहीं बेहतर कर रहे थे पर बोर्ड पर अधिक रन नहीं होने से भारतीय टीम पर दबाव नहीं बना पाये। कप्तान ने साथ ही कहा, भारतीय टीम को बेहतर खेल और जीत के लिए बधाई। आज उनकी बल्लेबाजी देखकर मुझे लगता है हमें भी होशियारी से खेलना था।मुझे लगता है, अगर मैं पहले दो एकदिवसीय देखूं, तो जब स्पिनर आए तो हमने अपने पर काफी गर्व किया। लड़कों ने स्पिनरों पर हावी होने के प्रयास किये। मुझे लगता है कि शायद आज, हालात थोड़े अलग थे। आप इस तरह से विकेट नहीं गंवाना चाहते। इससे साझेदारी बनाना कठिन हो गया और आप कभी भी 50 ओवर के गेम में ऑल आउट नहीं होना चाहते।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने निश्चित रूप से विकास किया है। देखिए, हमारी टीम में कुछ युवा चेहरे हैं। हम इस बारे में बहुत बात करते हैं कि हम कैसे खेलना चाहते हैं। भारत के पास क्वालिटी स्पिनर हैं। और मुझे लगता है कि उन पर दबाव डालना कभी भी आसान नहीं होता।

किसान गर्जना ने दी आंदोलन की चेतावनी, धान खरीदी केंद्र में परिवर्तन से किसानों में आक्रोश

पदमेश न्यूज।कटंगी। धनकोषा धान खरीदी केंद्र बंद होने से 04 गांवों के किसान सोमवार को तहसील मुख्यालय कटंगी में किसान गर्जना के नेतृत्व में आंदोलन करने की तैयारी में है। धनकोषा, पौनिया, डोंगरगांव और बोल डोंगरी के किसान इस आंदोलन में शामिल होंगे। किसान गर्जना के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष राहंगडाले और ब्लॉक अध्यक्ष भरतलाल बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को धनकोषा में किसानों ने सोसायटी प्रबंधक से चर्चा कर धान खरीदी केंद्र को यथावत रखने की मांग की है। जिसके बाद गांव में बैठक कर यह निर्णय लिया गया है कि अगर सोमवार तक केंद्र को यथावत रखे जाने का प्रशासनिक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन

किया जाएगा। धनकोषा में करीब 50 वर्षों से सोसायटी का संचालन होता है और यहीं पर 08 गांवों के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी होती है। दो वर्ष पूर्व 04 गांवों के किसानों को परिवहन में होने वाली समस्या को देखते हुए बोथवा को उपकेंद्र बनाया गया अब बोथवा उपकेंद्र को प्रमुख धान खरीदी केंद्र बना दिया गया है और धनकोषा केंद्र को बंद कर दिया गया है। जिससे 04 गांवों के किसानों में आक्रोश है। किसान धनकोषा को यथावत केंद्र बनाने की मांग कर रहे है। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर केंद्र को पुन: प्रारंभ नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। जिसकी सारी जवाबदेही प्रशासन की होगी।

जानकारी के अनुसार इस वर्ष नागरिक आपूर्ति निगम के जरिए समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी हो रही है। इस विभाग के पास कर्मचारियों की कमी है। ऐसे में विभाग ने धनकोषा की बजाए बोथवा में ही खरीदी केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। विभाग के इस निर्णय का 04 गांवों के किसान विरोध कर रहे है। इन किसानों का कहना है कि धनकोषा को यथावत प्रमुख केंद्र और बोथवा को उपकेन्द्र रखा जाए ताकि किसानों को परेशान ना होना पड़े। 01 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू हो चुकी है किंतु धनकोषा में केंद्र को लेकर चल रहे विवाद के कारण किसान अपनी उपज नहीं बेच पा रहे है। किसानों ने अपने घरों में अपनी उपज को लाकर रखा है जिसकी निगरानी के बीच अब उन्हें केंद्र को यथावत रखने के लिए अलग से लड़ाई लड़नी पड़ रही है।

बाल विवाह रोकने मिशन शक्ति अंतर्गत की गई कैरियर काउंसलिंग

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मिशन शक्ति अन्तर्गत 07 दिसम्बर को कस्तुरबा गांधी बालिका छात्रावास बेहर में कैरियर काउंसलिंग कर मिशन शक्ति व बाल विवाह रोकने के उपाय आदि की विस्तृत जानकारी बच्चों को दी गई। किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य श्रीमति माधुरी पटले, एसआई दीपिका सिंगौर व प्रीती हरिनखेडे वन स्टाप सेंटर द्वारा बताया गया कि ज़रूरतमंद बच्चों' (जो उपेक्षित, दुर्व्यवहार के शिकार हैं या बेसहारा हैं) को सुरक्षित आश्रय और देखभाल प्रदान करना, जैसा कि Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 से संबंधित एक दस्तावेज़ में वर्णित है।

पुनर्वास और सशक्तिकरण बच्चों के कौशल विकास, शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना ताकि वे समाज में अपनी पहचान बना सकें और अपराध से दूर रह सकें.कानूनी प्रक्रिया में भिन्नता‌‌ बच्चों को वयस्कों से अलग, उनके अनुरूप प्रक्रिया के माध्यम से न्याय देना, जिसमें उन्हें दंडित करने के बजाय सुधार के अवसर दिए जाते हैं.सामाजिक पुन: एकीकरण बच्चों को सफलतापूर्वक उनके परिवारों या समुदाय में वापस लाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करना, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें।

मामलों का निपटारा किशोर न्याय बोर्ड (Juvenile Justice Board) और बाल कल्याण समितियों (Child Welfare Committees) के माध्यम से बच्चों से जुड़े मामलों की सुनवाई करना, चाहे वे अपराधी हों या देखभाल के ज़रूरतमंद हों.दोषियों के लिए दंड (अंतिम उपाय)‌ गंभीर मामलों में, सजाएँ दी जाती हैं, लेकिन वे वयस्कों के लिए तय की गई है वन स्टॉप सेंटर (सखी) योजना भारत सरकार की एक पहल है, जिसे सखी के नाम से भी जाना जाता है, जिसका उद्देश्य निजी और सार्वजनिक स्थानों पर हिंसा से प्रभावित सभी महिलाओं को एक ही छत के नीचे एकीकृत सहायता और सहयोग प्रदान करना है, जिसमें अस्थायी आश्रय, चिकित्सा सहायता, कानूनी मदद और मनोवैज्ञानिक परामर्श शामिल हैं, ताकि वे सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें।

हुमायूं पर भड़की ममता कहा- सांप्रदायिक नफरत भड़काने वालों के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास ने प्रदेश की राजनीति को तेज कर दिया है। इसकी शुरुआत टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखकर शुरुआत कर दी। इस पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ शब्दों में कहा है कि सांप्रदायिक माहौल खराब करने वालों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इसी खींचतान के बीच शनिवार 6 दिसंबर को संहति दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल की सदियों पुरानी सह-अस्तित्व की परंपरा को रेखांकित किया और एकता और सद्भाव की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए याद दिलाया कि बंगाल की पहचान अनेकतावाद में निहित है। बनर्जी ने लिखा, मैं संहति दिवस/संप्रीति दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई देती हूँ। बंगाल एकता की धरती है, टैगोर, नज़रुल, रामकृष्ण और विवेकानंद की धरती है। यह मिट्टी कभी भी विभाजनकारी ताकतों के सामने नहीं झुकी है और न कभी झुकेगी।

गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद गिराए जाने की याद में संहति दिवस मनाती है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी खुशियाँ साझा करते हैं क्योंकि हमारा मानना है कि धर्म व्यक्तिगत है, लेकिन त्योहार सभी के लिए हैं। सांप्रदायिक नफरत की आग भड़काने और देश को नष्ट करने वालों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

राजस्थान में मृतक शरीर सम्मान कानून लागू, 24 घंटे के अंदर करना होगा अंतिम संस्कार

शव के साथ प्रोटेस्ट करने पर 5 साल की सजा

जयपुर। राजस्थान में अब मृतक शरीर को रखकर विरोध प्रदर्शन करना, लाश पर राजनीति करना और बिना वजह अंतिम संस्कार में देरी करना अपराध माना जाएगा। राज्य सरकार ने पूर्व कांग्रेस शासन में पारित मृतक शरीर सम्मान कानून के नियम बिना किसी संशोधन के लागू कर दिए हैं। नियम लागू होने के बाद अब इस कानून के तहत सीधे कार्रवाई की जा सकेगी। जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2023 को पिछली गहलोत सरकार के दौरान विधानसभा में यह बिल पारित हुआ था। 17 अगस्त 2023 को राज्यपाल की मंजूरी के बाद 18 अगस्त 2023 से यह कानून प्रभावी हो गया था। लेकिन इसके नियम जारी नहीं हुए थे। उस समय विपक्ष में रही बीजेपी ने इस कानून का कड़ा विरोध किया था। अब सत्ता में आने के बाद बीजेपी सरकार ने बिना बदलाव किए ही इसके नियम अधिसूचित कर दिए हैं।

नियमों के मुताबिक, मृतक का अंतिम संस्कार 24 घंटे के अंदर करना अनिवार्य होगा। देरी

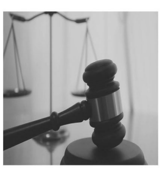

सिर्फ मृतक के परिजन बाहर से आ रहे हों या फिर पोस्टमॉर्टम आवश्यक हो इन्हीं परिस्थितियों में ही मान्य होगी, अन्यथा पुलिस मृतक का शव अपने कब्जे में लेकर अंतिम संस्कार करवा सकेगी। नए प्रावधानों के अनुसार डेड बॉडी रखकर प्रदर्शन करने, सड़क जाम करने या लाश के जरिए दबाव बनाने पर 1 से 5 वर्ष तक की जेल और जुर्माना लगेगा।

परिजनों पर हो सकेगी कार्रवाई

अगर परिजन राजनीतिक या सामाजिक दबाव के लिए डेड बॉडी नहीं उठाते, तो उन्हें भी सजा मिलेगी। किसी भी नेता, संगठन या गैर-परिजन द्वारा शव के साथ विरोध करने पर भी 5 साल तक की सजा का प्रावधान है। नियम अधिसूचित होने के बाद अब इस कानून के दायरे में परिजन, नेता और मामले से जुड़े सभी व्यक्ति आ जाएंगे। डेड बॉडी का उपयोग कर विरोध, राजनीति या सार्वजनिक व्यवस्था बाधित करने की किसी भी कोशिश पर सीधे कार्रवाई की जा सकेगी।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित हुआ रंगारंग कार्यक्रम

पदमेश न्यूज।बालाघाट। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बालाघाट में 6 दिसंबर 2025 को वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह श्री पंकज कुमार, असिस्टेंट कमांडर 123 बटालियन सीआरपीएफ बालाघाट के विशिष्ट आतिथ्य में एवं श्रीमती फिरोजा खान मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं विद्यालय समिति की सदस्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरम्भ अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा ज्ञानदायिनी माँ सरस्वती देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने एवं विद्यार्थियों द्वारा सुमधुर स्वर में गुंजित सरस्वती वंदना से हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें वर्ष भर में विद्यालय द्वारा शैक्षणिक एवं अन्य क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों का विवरण शामिल था। तदोपरांत विद्यार्थियों द्वारा संभागीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें अतिथियों के कर कमलों से प्रमाण पत्र, मेडल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को भी प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात प्रारंभ हुआ दौर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का जिसमें गणेश वंदना, प्रेरणा गीत, स्वागत नृत्य , जंगली जानवर संरक्षण

पर आधारित नृत्य, आदिवासी नृत्य, के साथ साथ भारत के अनेक राज्यों के पारंपरिक नृत्य जैसे राजस्थानी नृत्य, बंगाली नृत्य, पंजाबी नृत्य, गुजराती नृत्य, तमिल नृत्य, तेलुगु नृत्य, बिहु नृत्य, और मराठी नृत्य आदि के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर प्रस्तुत किया गया। जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया । जिसमें विद्यालय की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की प्रतिभागिता रही। इनके अलावा योग प्रदर्शन, हिंदी और अंग्रेजी नाटक तथा ऑर्केस्ट्रा ने भी दर्शकों का मन मोह लिया।

अंत में विशिष्ट अतिथि द्वारा समारोह को संबोधित किया गया जिसमें उन्होंने सभी कार्यक्रमों की बहुत प्रशंसा की और विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा तथा विद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी।

विद्यालय की ओर से वरिष्ठतम शिक्षक एवं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता श्री अमर नारायण शुक्ला ने अपने आभार प्रदर्शन में सभी अतिथियों, आगंतुकों, अभिभावकों को तथा अथक प्रयत्न एवं सहयोग के लिए सभी बच्चों- शिक्षकों एवं सभी कर्मचारियों को अपेक्षित सहयोग के लिए एवं नगर पालिका बालाघाट, जिला चिकित्सालय बालाघाट,थाना भरवेली, बिजली विभाग को उनके द्वारा दी गई सहायता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समिति के समस्त सदस्यों एवं शहर के विभिन्न प्रमुख विद्यालयों के प्राचार्यों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दी।

आरक्षण का मतलब पीछे छूटे व्यक्ति को बराबर पर लाना है, ना कि नए लोगों का रास्ता बंद करना- पूर्व सीजेआई

मुंबई। पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि उन्होंने जब शेड्यूल कास्ट आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की बात कही, तो उन्हें अपने ही समुदाय के लोगों की आलोचना का सामना करना पड़ा। यह बात गवई मुंबई यूनिवर्सिटी में आयोजित एक लेक्चर में बोल रहे थे।

उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर की नजर में आरक्षण ऐसा था जैसे किसी पीछे छूटे व्यक्ति को साइकिल देना ताकि वह बाकी लोगों के बराबर पहुंच सके। पूर्व सीजेआई गवई ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि वह व्यक्ति

हमेशा साइकिल पर चलता रहे और नए लोगों के लिए रास्ता ही बंद हो जाए। क्या सीजेआई या चीफ सेक्रेटरी के बेटे और ग्राम पंचायत स्कूल में पढ़ने वाले मजदूर के बेटे को एक ही पैमाने से मापा जा सकता है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गवई ने कहा कि इंद्रा साहनी मामले में क्रीमी लेयर सिद्धांत तय हुआ था और एक फैसले में उन्होंने खुद कहा था कि यह सिद्धांत एससी वर्ग पर भी लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पर कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि वे खुद आरक्षण का लाभ लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और अब क्रीमी लेयर की बात कर रहे हैं, लेकिन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जज की नियुक्ति में आरक्षण नहीं होता, इसलिए यह आरोप तथ्यहीन है।

ड्यूटी के बाद ईमेल और फोन से मिले निजात

सुले ने किया संसद में निजी विधेयक पेश

नईदिल्ली । एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने एक निजी विधेयक पेश किया है। इस विधेयक में कहा गया है। कर्मचारियों को समय सीमा के बाद ऑफिस काल, संदेश और ईमेल के जवाब देने के लिए बाध्य नहीं किया जाए। इससे कर्मचारी के ऊपर मानसिक दबाव बना रहता है। ड्यूटी के बाद भी उनके ऊपर ऑफिस के काम का तनाव होता है। सुले ने अपने विधेयक में, ऑफिस समय खत्म होने के बाद किसी भी तरह के कार्यालय के काल, मैसेज और ईमेल का जवाब देने की बाध्यता से निजात दिलाने की मांग की गई है। छुट्टियों के दौरान भी कर्मचारी के ऊपर इस तरह की जिम्मेदारी नहीं डाली जाए। इसके लिए ठोस नियम और दिशा निर्देश तैयार करने के लिए विधेयक प्रस्तुत किया गया है। सुप्रिया सुले ने इसके लिए फ्रांस, स्पेन,बेल्जियम और पुर्तगाल का उदाहरण देते हुए कहा है। इन देशों में ऑफिस टाइम के बाद कर्मचारियों के ऊपर इस तरह की जवाबदारी नहीं डाली जाती है। जिसके कारण कर्मचारी ऑफिस समय के बाद मानसिक तनाव में नहीं होते हैं। भारत में 24 घंटे कर्मचारियों को मानसिक तनाव में रहना पड़ता है। जो सही नहीं है।

65 वर्षीय शख्स को नागपुर किया गया रेफर-

खजरी-खमरिया बाईपास में हुआ सड़क हादसा

पदमेश न्यूज।कटंगी। खजरी-खमरिया बाईपास में दो बाइक के बीच जबरदस्त टक्कर हुई है। हादसे में 65 वर्षीय वृद्ध शख्स गंभीर रूप से घायल हुआ है। जिसे सरकारी अस्पताल कटंगी में प्राथमिक उपचार देने के बाद रेफर कर दिया गया है। परिजन घायल शख्स को बेहतर उपचार के लिए महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर लेकर गए है। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही संजीवनी 112 से ईएमटी डॉ गौरीशंकर पटले और पायलेट प्रवीण कावरे घटनास्थल पर पहुंचे। जिन्होंने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी अनुसार रविवार की सुबह करीब 11 बजे खमरिया-खजरी बायपास में पाथरवाड़ा की तरफ जाने वाले रास्ते में दो बाइक के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में खैरलांजी निवासी शिवराम पिता बंशीलाल ठाकरे उम्र 65 वर्ष का दाहिना पैर टूट गया है और सिर पर अंदरूनी चोट आई है। वहीं बंशीलाल ठाकरे के साथ बाइक में सवार उनकी धर्मपत्नी सतन बाई और नाती लुशांत को मामूली चोट है। बताया जा रहा है कि बंशीलाल अपने गांव खैरलांजी से कटंगी की तरफ आ रहे थे। वहीं सिवनी की तरफ से बाइक पर सवार होकर एक पुलिसकर्मी जो अरी में पदस्थ है वह अपने गांव सालेबर्डी की तरफ जा रहा था। पुलिसकर्मी और बंशीलाल ठाकरे की बाइक के बीच टक्कर हो गई।

अंतरिक्ष में भी दिखेगा भारत-रूस का याराना

-एक ही ऑर्बिट में दोनों का नया स्पेस स्टेशन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का सफर 2030-31 तक खत्म होने वाला है। इसके बाद रूस और भारत ने भविष्य के अपने अंतरिक्ष स्टेशनों को एक ही कक्षा में रखने का फैसला किया है। यह घोषणा रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख दमित्री बकानोव ने नई दिल्ली दौरे के दौरान की। वे राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ आए थे। दोनों स्टेशन 51.6 डिग्री झुकाव वाली कक्षा में चक्कर लगाएंगे। यह वही कक्षा है जिसमें आज अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन घूमता है। इससे दोनों देशों के अंतरिक्ष यात्री आसानी से एक-दूसरे के स्टेशन पर जा सकेंगे। वैज्ञानिक प्रयोग कर सकेंगे। आपात स्थिति में मदद ले सकेंगे। बकानोव ने कहा कि यह फैसला दोनों देशों के लिए आपसी लाभ वाला होगा। इससे पहले रूस अपने रशियन ऑर्बिटल स्टेशन के लिए 96 डिग्री झुकाव वाली कक्षा सोच रहा था, लेकिन अब 51.6 डिग्री पर सहमति बनी है।

रूस का रशियन स्पेस सेंटर एनर्जिया द्वारा विकसित होगा। यह स्टेशन गहरे अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यान बनाने और लॉन्च करने का आधार बनेगा। इसका मॉड्यूलर डिजाइन इसे लंबे समय तक काम करने लायक बनाएगा।भारत का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा 2035 तक पूरा करने की योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे स्वतंत्रता के 100वें साल (2047) से पहले चंद्रयान-3 जैसी सफलताओं के बाद घोषित किया था।

भारत-रूस का पुराना रिश्ता

भारत ने अपना पहला सैटेलाइट आर्यभट्ट रूस की मदद से लॉन्च किया था। चंद्रयान-2 में रूस ने मदद की थी। गगनयान मिशन के लिए भारतीय यात्री रूस में ट्रेनिंग ले चुके हैं। पुतिन का यह दौरा ब्रिक्स समिट के बाद हुआ, जहां दोनों नेताओं ने अंतरिक्ष सहयोग पर बात की। बकानोव ने कहा कि रूस की उन्नत तकनीक भारत के साथ साझा होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समझौता रूस को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के बाद नई साझेदारी देगा, जबकि भारत को अमेरिका-चीन के बीच संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। अगर सब ठीक रहा, तो 2030 के दशक में अंतरिक्ष में रूसो-भारतीय कॉरिडोर बनेगा।

पीएमएलए से जुड़े मामले में पूर्व आईएएस को विशेष अदालत ने 5 साल की सजा दी

अहमदाबाद। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में पूर्व आईएएस प्रदीप निरंकरनाथ शर्मा को विशेष अदालत ने दोषी करार देते हुए 5 साल की कठोर कारावास और 50 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। अहमदाबाद स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। मामला पीएमएलए केस नंबर 02/2016 और 18/2018 से संबंधित है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच की शुरुआत उन अनेक एफआईआरों के आधार पर की थी, जो गुजरात के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज हुई थीं। इनमें 31 मार्च 2010 को दर्ज एफआईआर नंबर 03/2010, 25 सितंबर 2010 को एफआईआर नंबर 09/2010 (सीआईडी क्राइम, राजकोट जोन) और 30 सितंबर 2014 को एसीबी, भुज द्वारा दर्ज एफआईआर नंबर 06/2014 शामिल थीं। इन मामलों में भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर आरोप लगाए गए थे। जांच के अनुसार, जब प्रदीप निरंकरनाथ शर्मा भुज (कच्छ) के जिलाधिकारी थे, तब उन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर सरकारी भूमि को अधिकार सीमा से बाहर जाकर कम दरों पर आवंटित किया। इस साजिश के कारण गुजरात सरकार को 1,20,30,824 रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, आरोपियों ने इस मामले में अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किए थे। ईडी ने इस धन को अपराध से जुड़ा अवैध लाभ बताया, जो मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में आता है।

पवन सिंह को लॉरेंस गैंग की धमकी

पटना। भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह को लॉरेंस गैंग ने धमकी दी है। रियलिटी शो बिग बॉस के 19वें सीजन के ग्रैंड फिनाले से पहले उन्हें यह धमकी फोन पर दी गई। उन्हें सलमान खान के साथ स्टेज शेयर न करने की चेतावनी दी गई है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा व्यक्ति बताया। कॉलर ने कहा कि अगर सलमान खान के साथ मंच शेयर किया तो आगे काम नहीं कर पाओगे। उसने पवन सिंह से रंगदारी भी मांगी है। हालांकि यह रकम कितनी है, इसकी अभी सूचना नहीं है। उसने गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी है।

"हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में लौटना साहस और संकल्प का प्रतीक है"

लाल सलाम को आखिरी सलाम देने का समयआ गया है- डॉ. यादव

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

सरकार नक्सलियों को हिंसा का रास्ता छोड़ने का अवसर दे रही है, वे आगे आएँ और पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा से जुड़कर अपने जीवन को बेहतर दिशा दें। सरकार की पुनर्वास योजना केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि प्रदेश सरकार की गारंटी है। जो भी व्यक्ति हिंसा छोड़कर समर्पण करेगा, उसे सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और पुनर्वास का पूरा अवसर दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य हर उस व्यक्ति को सुरक्षित भविष्य देना है जो विकास और शांति की राह पर चलना चाहता है।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट पुलिस लाईन परिसर में आयोजित पुनर्वास से पुर्नजीवन कार्यक्रम में कान्हा-भोरमदेव जंगल क्षेत्र में सक्रिय 10 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर कहीं। उल्लेखनीय है कि इन नक्सलियों पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2 करोड़ 36 लाख का ईनाम रखा गया था। इन नक्सलियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष अपने हथियार देकर आत्मसमर्पण किया। इसके बाद सभी नक्सलियों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय संविधान की प्रति देते हुए शांतिपूर्ण जीवन जीने, समाज में लौटने और संविधान के मार्ग को अपनाने की बात कही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा आज बालाघाट की धरती पर एक ऐतिहासिक पल देखने को मिला है। हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में लौटना साहस और संकल्प का प्रतीक है। प्रदेश सरकार हर उस व्यक्ति का स्वागत करती है जो हथियार छोड़कर विकास और शांति का मार्ग चुनता है। नक्सलवाद एक बाधा नहीं, बल्कि चुनौती है, और हम सभी मिलकर इसे समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हिंसा से कभी समाधान नहीं मिलता, लेकिन विकास और सहयोग से हर समस्या का समाधान संभव है। उन्होंने सुरक्षा बलों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने संयम, धैर्य और रणनीति के साथ काम करते हुए प्रदेश को नक्सल-मुक्त दिशा में आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे, लेकिन कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले और प्रशासनिक कार्रवाई में बाधा डालने वाले तत्वों को सरकार किसी भी हालत में बख्शेगी नहीं।

मार्च 2026 का लक्ष्य अब जनवरी 2026 तक पूरा होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह का अभिनंदन, जिनके नेतृत्व में लाल सलाम को अब आखिरी सलाम देने का समय आ गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस के अदम्य साहस के कारण इसे अब जनवरी 2026 तक ही पूरा कर लेने का रोडमैप तैयार कर लिया गया है।

किसी के साथ अन्याय नही होने देंगे लेकिन कानून व्यवस्था में हस्तक्षेप करने वालों को सरकार बख्शेगी नहीं-मुख्यमंत्री डॉ. यादव
बालाघाट में मुख्यमंत्री डॉ यादव की मौजूदगी में कान्हा भोरमदेव क्षेत्र के 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण
नक्सलियों से अपील-सरकार की पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा से जुड़े

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मध्यप्रदेश पुलिस के साहस, पराक्रम और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा यह मध्यप्रदेश पुलिस के शौर्य का दिन है। हमारे जवानों की वीरता और लगातार की गई कार्रवाई ने प्रदेश को नए आत्मविश्वास से भरा है। प्रदेश में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुनर्वास और समर्पण नीति का असर लगातार दिखाई देने लगा है। हाल ही में मलाजखंड दलम की सुनीता ने हथियार त्यागकर शांति और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया था, जिसके बाद अब यह क्रम और तेज हो गया है।आज भी दस सदस्यीय नक्सली दल ने भी हथियार डालकर सरकार की पुनर्वास योजना के अंतर्गत आत्मसमर्पण का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सल उन्मूलन की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2025 में कुल 10 हार्डकोर नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने धराशायी किया, जिन पर 1 करोड़ 46 लाख रुपए तक का ईनाम घोषित था। यह प्रदेश पुलिस की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस अभूतपूर्व सफलता के बाद बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिले शीघ्र ही भारत सरकार की डेंजर लिस्ट से बाहर होंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया केंद्र सरकार ने नक्सल उन्मूलन को लेकर जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे सबसे पहले बालाघाट जिला पूरा करेगा।

युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं को राष्ट्रवाद, विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एकल सुविधा केंद्र के माध्यम से रोजगार व कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल युवाओं को हिंसा छोड़कर विकास की धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। दूरस्थ वनांचलों में सुरक्षा बलों की पहुँच बढ़ाने के लिए नवीन अस्थायी कैंप स्थापित किए गए, जिनसे नक्सल गतिविधियों पर बड़ा अंकुश लगा है। विशेष रूप से हॉक फोर्स, पुलिस बल, कोबरा बटालियन, सीआरपीएफ ने कई संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय होकर नक्सली नेटवर्क को कमजोर किया। नक्सल विरोधी अभियानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और जवानों को सरकार द्वारा आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया जा रहा है। यह कदम सुरक्षा बलों के मनोबल को और मजबूत कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा इंस्पेक्टर शहीद आशीष शर्मा का बलिदान आज सार्थक हो गया है। नक्सल उन्मूलन के लिए उनका दिया गया बलिदान कर्तव्य के प्रति परम समर्पण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा भारतीय लोकतंत्र में हिंसात्मक गतिविधियों का कोई स्थान नहीं है।दुनिया की कोई ताक़त हमें रोक नहीं सकती। हथियार उठाने की अनुमति किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जाएगी।

पुनर्वास से पुनर्जीवन के तहत नक्सलियों ने हथियार छोड़कर शांति और विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है जिसमे लाल सिंह मरावी, विक्रम उर्फ हिडमा, समर उर्फ समरू, शिल्पा, जयशीला, सलिता उर्फ सविता, नवीन उर्फ हिडमा, जरीमा, राकेश होड़ी, सुरेंद्र उर्फ कबीर है। इन सभी पर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सरकारों द्वारा कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का ईनाम घोषित था। नक्सली आत्मसमर्पण अभियान में उल्लेखनीय काम करने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित भी किया।

मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने इस अवसर पर बताया कि देश में आजादी के बाद सबसे बडी अंतरिक समस्या नक्सलवाद थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रदेश में हाक फोर्स के बल में वृद्धि की गई। एंटी नक्सल अभियान के अंतर्गत नक्सल क्षेत्र में नये कैंप लगाये गये और इस अभियान को गति प्रदान की गई। 64 पुलिस अधिकारियों को आऊट आफ टर्न प्रमोशन दिया गया। नक्सलियों को आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में जुड़ने का अवसर दिया गया। नक्सल मुडभेड़ में शहीद जवान आशीष शर्मा के परिवार को 01 करोड़ रुपये की राशि दी गई है और उसके भाई को डीएसपी बनाया गया है। जिसके फलस्वरूप कान्हा-भोरमदेव डिविजन के 10 नक्सलियों ने आज आत्मसमर्पण किया है। इन नक्सलियों पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ एवं महाराष्ट्र सरकारों द्वारा 02 करोड़ 36 लाख रुपये का ईनाम घोषित था।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने इस अवसर पर बालाघाट जिले में नक्सल उन्मूलन के लिए चलाये गये अभियान की जानकारी दी और बताया कि बालाघाट जिले में वर्ष 1980 से यह लड़ाई शुरू हुई थी। नक्सल उन्मूलन अभियान के अंतर्गत जिले में नवाचार किये गये। एकल सुविधा केन्द्र खोले गये और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया। हाकफोर्स, सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस बल के दबाव के कारण पिछले दो माह में 02 करोड़ 81 हजार 500 रुपये के ईनामी 11 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। सरकार ने जनवरी 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का लक्ष्य रखा है, लेकिन बालाघाट जिले में इस लक्ष्य को समय सीमा से पहले हासिल कर लिया गया है।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन व जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह, कटंगी विधायक गौरव पारधी, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आईजी बालाघाट संजय कुमार सिंह, आईजी सीआरपीएफ नीतू सिंह, कलेक्टर मृणाल मीना सहित पुलिस विभाग का अमला मौजूद था।

मोटरसाइकिल की आपसी भिड़ंत में 2 घायल

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। रविवार की दोपहर नगर के पुलिस लाइन चौक में दो मोटरसाइकिल के बीच आपसी भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में एक मोटरसाइकिल में सवार 3 लोगो मे से 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि पल्सर मोटरसाइकिल में सवार अज्ञात व्यक्ति दूसरी मोटरसाइकिल को ठोस मारकर मौके से फरार हो गया। घायलों में थाना वारासिवनी ग्राम दीनी निवासी 25 वर्षीय राजेश पिता मंशीलाल उपवंशी और 50 वर्षीय शुभरता पति तेजलाल उपवंशी के नाम का समावेश है, जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। जबकि इसी सड़क दुर्घटना में ग्राम बिचौली निवासी 17 वर्षीय गौरव पिता दीपलाल नगपुरे स्वस्थ बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीनी निवासी राजेश उपवंशी, शुभरता उपवंशी और बिचौड़ी निवासी गौरव नागपुरे ग्राम दीनी से मोटरसाइकिल में सवार होकर ग्राम धापेवाडा में किसी रिश्तेदार के घर गमी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे ।जहां कार्यक्रम से लौटते वक्त दोपहर करीब 2 बजे पुलिस लाइन के समीप एक अज्ञात पल्सर चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए उन्हें पीछे से ठोस मार दी ।और मौके से फरार हो गया। उधर पल्सर की ठोस से मोटरसाइकिल में सवार तीनों लोग जमीन पर गिर गए, जहां हादसे में दो लोगों को चोट आई है तो वही युवक गौरव स्वस्थ्य बताया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया ।बताया गया कि दुर्घटना में महिला को मामूली चोटें आई हैं, जबकि राजेश गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

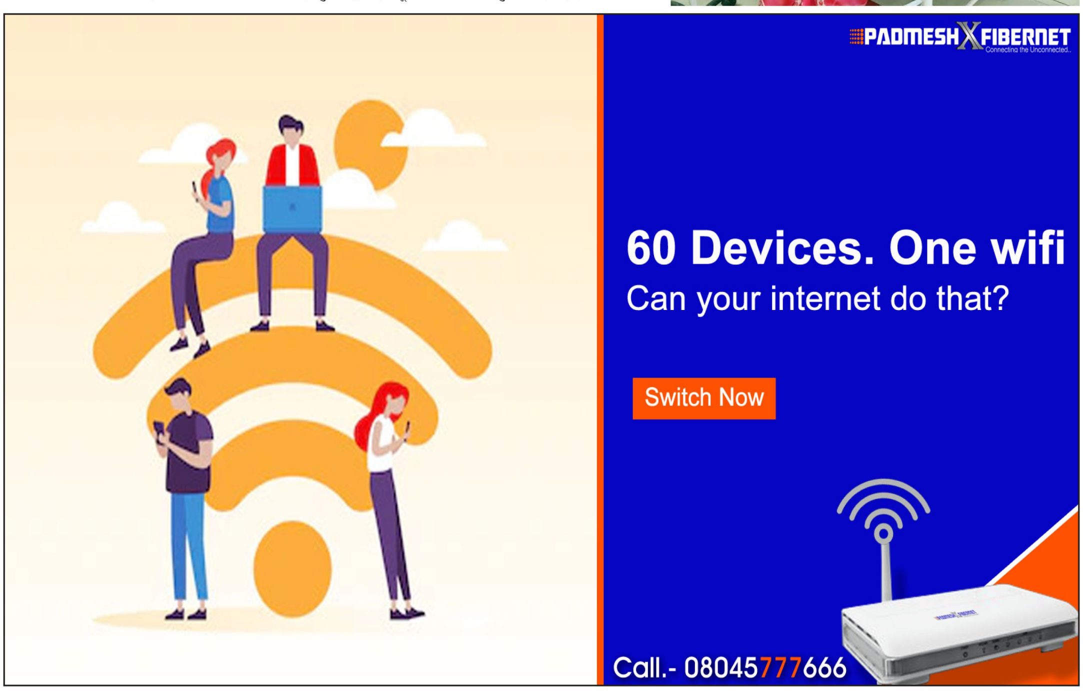

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट